नई दिल्ली। सोमवार, 05 अक्टूबर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष नवमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 270/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल शानदार सेरेमनी के साथ हुआ एशियन गेम्स 2026...
@ विचार बदलते दौर में विवादग्रस्त होते आश्रम...
@ व्यापार भारत को लेकर बढ़ रहा अंतरराष्ट्रीय विश्वास...

खबर झरोखा

यूक्रेन के सूमी में भारतीय फार्मा कंपनी के प्लांट पर रूसी ड्रोन हमला, एक की मौत



कीव। यूक्रेन के सूमी में भारतीय समूह कुसुम के फार्मा प्लांट पर रूसी ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, हमले में फार्मा प्लांट की मुख्य संरचना को भारी नुकसान पहुंचा है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, रूसी ड्रोन हमले के बाद प्लांट से धुएं का बड़ा गुबार उठता दिखाई दिया। अधिकारियों ने कहा है कि हमले में हताहतों की संख्या में बदलाव हो सकता है। सूमी में रविवार सुबह से ही लगातार एयर रेड सायरन बजते रहे।

वैश्विक झटकों के बीच भारत को बनाया अधिक मजबूत और लचीला: शक्तिकांत दास

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव शक्तिकांत दास ने रविवार को कहा कि पिछले एक दशक में लागू किए गए व्यापक आर्थिक सुधारों ने भारत को वैश्विक झटकों के बीच अधिक मजबूत, स्थिर और लचीली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने में मदद की है। उन्होंने कहा कि इन सुधारों ने मजबूत संस्थाओं का निर्माण किया, व्यापक आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित की और उत्पादक क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा दिया।

न तो रिश्ते में बहुत ज्यादा तनाव हो, न ही बहुत ज्यादा दोस्ती: विदेश मंत्री जयशंकर

अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता पर रखी बात

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रविवार को अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता की तुलना संतुलित और अनुकूल माहौल से की।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में कहा, 'अमेरिका और चीन के बीच चल रही खींचतान को लेकर हम एक ऐसी स्थिति में हैं, जिसे गोल्डीलॉक्स वाली स्थिति कहा जाता है। न तो रिश्ते में बहुत ज्यादा तनाव हो, न ही बहुत ज्यादा दोस्ती। संतुलन होना चाहिए।'

डॉ. जयशंकर ने सवाल उठाया कि इन हालात में उभरती और मध्यम ताकतों का क्या होगा। उन्होंने कहा, 'आज ज्यादातर देश हर मोर्चे पर अपने हितों को सुरक्षित करने में लगे हैं, सिर्फ अर्थव्यवस्था या सुरक्षा ही नहीं, बल्कि सप्लाई चेन को भी ज्यादा मजबूत बना रहे हैं। कई तरह से वे नए गठजोड़ बना रहे हैं और साझा मुद्दों पर मिलकर काम कर रहे हैं और उभरती व मध्यम शक्तियों के लिए जो सबसे जरूरी सिद्धांत एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाना है और शायद वे पहले से ही ऐसा कर भी रहे हैं।'

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि आज के दौर में सभी देशों की सोच एक जैसी हो या हित पूरी तरह मिलते हों, ऐसी उम्मीद करना ज्यादा हो जाता है। अगर कुछ मुद्दों पर सहमति बनती है तो साथ काम



करने के लिए उतना ही काफी है।

उन्होंने कहा कि जोखिम घटाने और विकल्प तलाशने की इसी कोशिश से धीरे-धीरे एक नई विश्व व्यवस्था बन रही है।

उन्होंने कहा, 'अब सवाल ये है कि कौन किसके साथ हाथ मिलाता है। अगर उभरती और मध्यम ताकतों के बीच सीधा टकराव न हो तो वे आपस में सहयोग बढ़ाना चाहेंगी। साथ ही, यह भी स्वाभाविक है कि वे अमेरिका के साथ और चीन के साथ भी मिलकर काम करेंगी।'

उन्होंने कहा कि तीसरा रास्ता अब अपवाद नहीं, आम रिवाज बनने जा रहा है। अब तक जो देश पहले या दूसरे खेमे में सुरक्षित महसूस करते थे, वे भी अब तीसरे विकल्प पर ज्यादा गंभीरता से विचार करेंगे।

विदेश मंत्री के मुताबिक, तीसरे रास्ते का मतलब दूसरों से कट जाना भी हो सकता है, लेकिन आज की आपस में जुड़ी दुनिया में यह संभव नहीं है, इसलिए असली चुनौती है- जुड़े भी रहना और साथ ही अपने हित साधते हुए विकल्प भी खुले रखना। आने वाले वक्त में बहु-संरेखण की सोच और मजबूत होगी, जहां देशों को उन ताकतों से भी रिश्ता रखना पड़ेगा जिनसे तालमेल बिठाना आसान नहीं, लेकिन हकीकत में उनसे दूरी बनाना मुमकिन नहीं।

उन्होंने कहा कि यह एक तरह से बचाव के साथ आगे बढ़ने की रणनीति है। अब देखना यह होगा कि इसका बहुपक्षवाद पर क्या असर पड़ता है, जबकि संयुक्त राष्ट्र जैसा मुख्य बहुपक्षीय मंच पहले से ही गतिरोध का सामना कर रहा है।

जीएसटी अधिकारियों को नहीं होगा गिरफ्तारी का अधिकार



एजेंसी ■ नई दिल्ली

जीएसटी काउंसिल जीएसटी लागू करने के तरीकों को पूरी तरह बदलने जा रही है। सात अक्टूबर को जीएसटी काउंसिल की बैठक में यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाता है तो टैक्स अधिकारियों से गिरफ्तारी का अधिकार छीन लिया जाएगा। किसी मामले में गिरफ्तारी जरूरी है तो इसके लिए कोर्ट का आदेश आवश्यक होगा। इसके अलावा अभियोजन की सीमा एक करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव है, ताकि आपराधिक प्रक्रिया उन मामलों तक सीमित रहे जिनका आकार इसके लायक है। फिलहाल जीएसटी अधिकारियों को आयुक्त स्तर के अधिकारी की पूर्व मंजूरी के बाद ऐसे गंभीर मामलों में गिरफ्तारी का अधिकार है, जिनमें कर चोरी, फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट या गलत तरीके से रिफंड लेने की राशि एक करोड़ रुपये से अधिक हो।

प्रस्तावों से परिचित लोगों ने बताया कि अभियोजन के प्रविधानों का दायरा भी सीमित किया जा सकता है, ताकि वस्तुओं या सेवाओं के वर्गीकरण, मूल्यांकन या इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी) से जुड़े सामान्य विवादों पर आपराधिक कार्रवाई नहीं हो। ऐसे मामलों में कारोबारी और कर अधिकारी एक ही लेनदेन की अलग-अलग व्याख्या कर सकते हैं।

महाराष्ट्र में फिर कांपी धरती: हिंगोली में 2.5 तीव्रता का आया भूकंप, 24 घंटे में तीसरी बार लगे झटके

एजेंसी ■ हिंगोली

महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में रविवार दोपहर 2.5 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया। पिछले 24 घंटे में जिले में यह तीसरा भूकंपीय झटका है। लगातार झटकों से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। हालांकि, अभी तक जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अधिकारी के मुताबिक, रविवार दोपहर 1:31 बजे भूकंप दर्ज किया गया। इसका केंद्र औंढा नागनाथ तहसील के सिद्धेश्वर और दुधाला गांवों के बीच बताया गया है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

इससे पहले शनिवार सुबह हिंगोली जिले में कुछ घंटों के अंतराल पर दो हल्के भूकंपीय झटके महसूस किए गए थे। पहला झटका सुबह करीब 7:46 बजे दर्ज किया गया था। इसकी तीव्रता 3.3 थी और इसका केंद्र औंढा नागनाथ तहसील के गढ़ाला गांव में जमीन से करीब 7 किलोमीटर की गहराई में था। इसके करीब दो घंटे बाद 4.5 तीव्रता का एक और तेज झटका आया। इसे जिले के कई हिस्सों में महसूस किया गया। भूकंप के साथ कुछ इलाकों में तेज गड़गड़ाहट की आवाज भी सुनाई दी।

छह साल से रुक-रुककर हो रही भूकंपीय गतिविधियां

हिंगोली के इस क्षेत्र में पिछले करीब छह साल से रुक-रुककर भूकंपीय गतिविधियां दर्ज की जा रही हैं। इससे पहले 1 अक्तूबर को आसपास के पांगरा शिंदे गांव में भी गड़गड़ाहट की आवाज के साथ भूकंपीय गतिविधि महसूस हुई थी। इस साल 9 और 11 जुलाई को भी क्षेत्र में 4.6 और 3.5 तीव्रता के झटके आए थे। इन झटकों के कारण कुछ घरों में दरारें आने की बात सामने आई थी। फिलहाल प्रशासन रविवार को आए 2.5 तीव्रता के झटके के बाद स्थिति पर नजर रख रहा है।

उत्तराखंड से दिनेश आर्य और पश्चिम बंगाल से कोयल मल्लिक भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने उत्तराखंड में होने वाले राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव और पश्चिम बंगाल में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव 2026 के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है।

भाजपा ने उत्तराखंड से दिनेश आर्य और पश्चिम बंगाल से रुक्मिणी मल्लिक (कोयल मल्लिक) को उम्मीदवार बनाया है। दिनेश आर्य उत्तराखंड में राज्यस्तरीय पेयजल अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष (दर्जा राज्यमंत्री), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जनसंपर्क अधिकारी, भाजपा के नैनीताल के पूर्व जिलाध्यक्ष और अनुसूचित मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री रह चुके हैं।

वहीं, रुक्मिणी मल्लिक अभिनेत्री और राजनेता हैं, जिन्हें पेशेवर तौर पर कोयल मल्लिक या सिर्फ कोयल के नाम से जाना जाता है। उन्हें मुख्य रूप से बंगाली फिल्मों में उनके काम के लिए जाना जाता है। रुक्मिणी मल्लिक टीएमसी से राज्यसभा सदस्य रह चुकी हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश की 10 और उत्तराखंड की 1 सीट पर



द्विवार्षिक चुनाव होंगे जबकि पश्चिम बंगाल की एक सीट पर उपचुनाव होगा। इन सभी सीटों पर 16 अक्टूबर को मतदान होगा। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 11 राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल नवंबर 2026 में खत्म हो रहा है। इसकी वजह से इन सीटों पर चुनाव कराया जा रहा है।

इसके अलावा पश्चिम बंगाल में एक सीट खाली हुई है। यहां से तृणमूल कांग्रेस से राज्यसभा सांसद रुक्मिणी मल्लिक ने 16 जुलाई को इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल 2 अप्रैल 2032 तक था। इसी खाली सीट को भरने के लिए उपचुनाव होगा। चुनाव आयोग के अनुसार, नामांकन भरने की आखिरी तारीख 6 अक्टूबर तक है। 7 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 9 अक्टूबर शुक्रवार तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 16 अक्टूबर को होगा। वोटिंग का समय सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक रहेगा। उसी दिन शाम 5 बजे वोटों की गिनती शुरू होगी। चुनाव की पूरी प्रक्रिया 19 अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी।

चुनाव आयोग ने इस चुनाव के लिए एक खास नियम भी बताया है। वोट डालने के लिए बैलेट पेपर पर पसंद बताने के लिए केवल इंटीग्रेटेड वॉयलेट कलर के स्केच पेन का ही इस्तेमाल किया जा सकेगा।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उद्धव-राज ठाकरे का मुंबई में प्रदर्शन

दिल्ली में भी आप, स्टूडेंट यूनियन सड़क पर उतरे; सीइसी के खिलाफ 3 दिन में तीन प्रदर्शन

एजेंसी ■ मुंबई

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने जॉइंट प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए। दोनों नेताओं ने मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर महानगरपालिका भवन तक मार्च निकाला।

उद्धव की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है।

राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में हुए एसआईआर को रद्द किया जाए। सरकार किसकी बनेगी, ये फैसला जनता को तय करना है, चुनाव आयोग को नहीं। वहीं उद्धव बोले कि ज्ञानेश कुमार बीजेपी का हथियार हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ देश में पिछले तीन दिनों में दो शहरों में तीन बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं। उसके अलावा अलग-अलग संगठन और पार्टियां भी



विरोध मार्च निकाल चुकी हैं।

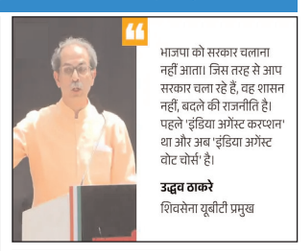
राज ठाकरे बोले- एसआईआर प्रक्रिया रद्द हो, हमारा किसी से व्यक्तिगत विरोध नहीं

महाराष्ट्र में एसआईआर प्रक्रिया रद्द की जाए: हमारी मांग है कि महाराष्ट्र में की गई पूरी स्ट्रक्रप्रक्रिया रद्द की जाए। कानून के मुताबिक, एसआईआर किसी आपात स्थिति में की जाती है। विधानसभा चुनाव के दौरान 40 से 60 लाख मतदाताओं के नाम जोड़े गए और इसके जरिए सत्ता हासिल की गई। अब एसआईआर के जरिए 2 करोड़ लोगों को हटाया जा रहा है। ये 2 करोड़ मतदाता कौन हैं?

हमारा विरोध इस बात को लेकर है कि आप सरकार कैसे चला रहे हैं और सत्ता का इस्तेमाल किस तरह कर रहे हैं। सरकार कौन बनाएगा और सरकार कैसे चलेगी, इसका फैसला जनता और मतदाताओं को करना चाहिए। इसका फैसला चुनाव आयोग को नहीं करना चाहिए।

उद्धव की स्पीच, 2 बड़ी बातें; बोले- मेरा सवाल चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर है

करोड़ों लोगों के नाम वोटर्स लिस्ट से हटाए गए: देशभर में 13 करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। बंगाल और तमिलनाडु में भी मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। पश्चिम बंगाल में अभी उपचुनाव हो रहा है और लोग अपने वोट देने के अधिकार की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। सुप्रीम कोर्ट कहता है कि यह सिर्फ उपचुनाव है, इससे क्या फर्क पड़ता है? यह भी अभी तय नहीं है कि कल सुनवाई होगी या नहीं।



भाजपा को सरकार चलाना नहीं आता। जिस तरह से आप सरकार चला रहे हैं, वह शासन नहीं, बदले की राजनीति है। पहले 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' था और अब 'इंडिया अगेंस्ट वोट चोर्स' है।

उद्धव ठाकरे
शिवसेना यूबीटी प्रमुख



जब भी कोई राजनीतिक दल सत्ता में होता है, आमतौर पर उसे जनता की प्रतिक्रिया का डर रहता है। लेकिन मौजूदा सत्तारूढ़ व्यवस्था को ऐसा कोई डर नहीं दिखता, न महाराष्ट्र में और न ही केंद्र में।

राज ठाकरे
मनसे प्रमुख

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की गार्डन्स बाय द बे के साथ महत्वपूर्ण चर्चा

सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के लीडरशिप डिनर में हुए शामिल

संवाददाता ■ रायपुर

रायपुर, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधिमंडल भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा नामांकन के उपरांत सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा आयोजित प्रथम 'सिंगापुर-इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ फोरम 2026' में सहभागिता के लिए सिंगापुर प्रवास पर है।

सिंगापुर प्रवास के पहले दिन मुख्यमंत्री साय एवं छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने विश्व प्रसिद्ध 'गार्डन्स बाय द बे' के जनरल मैनेजर, मास्टर प्लानिंग जेसन येओ तथा डायरेक्टर लिम चियाप सॉन्ग सहित संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ औपचारिक



बैठक की। बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल को गार्डन्स बाय द बे की मास्टर प्लानिंग, सतत डिजाइन और उद्यान प्रबंधन से जुड़ी उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों की जानकारी दी गई। दोनों पक्षों के बीच उद्यानिकी, वनस्पति संरक्षण, शहरी हरियाली, ईको-टूरिज्म और क्षमता विकास के क्षेत्रों में संस्थागत सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ समृद्ध वनों और जैव विविधता से परिपूर्ण प्रदेश है। गार्डन्स बाय द बे की विशेषज्ञता और अनुभवों का लाभ नवा रायपुर में बॉटनिकल गार्डन के विकास के साथ ही प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर लैंडस्केपिंग और हरित क्षेत्रों के विस्तार में लिया जा सकता है। इससे छत्तीसगढ़ में पर्यटन की संभावनाओं को नया विस्तार मिलेगा, पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और सैकड़ों लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री साय शाम को एसआईएनजी फोरम की पूर्व संध्या पर सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा आयोजित लीडरशिप डिनर में शामिल हुए। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले, सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के चेयरमैन मार्क ली और सीईओ कोक पिंग सून उपस्थित थे।

कार पुलिया से टकराई तीन की मौत



राजनांदगांव (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में बर्थडे मनाने जा रहे 5 लड़कों की कार का एक्सीडेंट हो गया। शनिवार रात डेढ़ बजे उनकी गाड़ी टेडेसरा बस्ती के पास नेशनल हाईवे पर पुलिया से टकरा गई। हादसे में ठेकेदार समेत 3 लोगों की मौत हो गई। दो अन्य घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। मामला सोमनी थाना क्षेत्र का है। सभी भिलाई से राजनांदगांव की ओर ढाबे में जा रहे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस के मुताबिक, अभिषेक सिंह दुर्ग में इलेक्ट्रिकल एंड सिविल गवर्नमेंट कॉन्ट्रैक्टर के तौर पर छत्तीसगढ़ शासन के लिए काम करता था। 3 अक्टूबर को उसका जन्मदिन था। सभी दोस्त बर्थडे सेलिब्रेट करने कार से भिलाई से राजनांदगांव की ओर ढाबे जा रहे थे।



केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रायपुर में युवाओं को दिया हार न मानने का संदेश

'रोलबोल यूथ कॉन्क्लेव 2026' का हुआ भव्य समापन!

विश्व केसरी■

रायपुर। रायपुर में आयोजित 'रोलबोल यूथ कॉन्क्लेव 2026' एवं 'रोलबोल टॉक्स' का रविवार को मेकाहारा ऑडिटोरियम में भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, सांसद बृजमोहन अग्रवाल और कैबिनेट मंत्री गुरुखुशवंत साहेब समेत देश की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं।



केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने युवाओं को सही फैसले लेने और मुश्किल परिस्थितियों में हार न मानने का संदेश दिया। अभिनेता दर्शन कुमार ने अपने संघर्ष और सफलता की कहानी साझा करते हुए युवाओं को मेहनत जारी रखने की सीख दी। वहीं राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ आदित्य राज कौल ने एकजुटता और राष्ट्र निर्माण पर जोर दिया।

निलोन्स के ष्टस्छ दीपक संघवी ने युवाओं को अपने 'हैमलेट फॉर्मूला' के जरिए जीवन और बिजनेस में सोच-समझकर फैसले लेने की सीख दी। कार्यक्रम में संगीत, बिजनेस, सिनेमा और डिजिटल मीडिया से जुड़ी कई अन्य हस्तियों ने भी युवाओं को प्रेरित किया।

रोलबोल के संस्थापक दर्शन सांखला ने कहा कि संस्था का उद्देश्य युवाओं को सकारात्मक विचारों और प्रेरणादायी व्यक्तित्वों से जोड़कर उनकी क्षमता को पहचानने के लिए प्रेरित करना है।

रायपुर ज्वेलर्स की दीवार में पहले किया आधा छेद, दो रात बाद उड़ाए गहने

2 आरोपी गिरफ्तार, 14 लाख से ज्यादा का सामान जब्त

विश्व केसरी■



रायपुर। गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के रामनगर स्थित श्री लक्ष्मी विनायक ज्वेलर्स में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और पुलिस चौकी रामनगर की संयुक्त टीम ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने ज्वेलर्स दुकान की दीवार में छेद कर सोने-चांदी के आभूषण चोरी किए थे। मामले का मास्टरमाइंड विशाल सचदेव बताया गया है।

दो रात में दिया चोरी की वारदात को अंजाम

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने चोरी से पहले ज्वेलर्स दुकान की रेकी की थी। इसके बाद 26-27 सितंबर की रात दुकान की दीवार में आधा छेद किया गया और आरोपी वापस लौट गए।

इसके बाद 29-30 सितंबर की दरम्यानी रात आरोपी दोबारा दुकान के पास पहुंचे। पहले से किए गए छेद को बड़ा कर दुकान के अंदर दाखिल हुए और डिस्प्ले में रखे सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर फरार हो गए।

दुकान खोलने पहुंचा संचालक तो सामने आया मामला

ज्वेलर्स संचालक सुनील जैन ने पुलिस को बताया कि उन्होंने 29 सितंबर की रात दुकान बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन सुबह करीब 10:30 बजे दुकान खोलने पहुंचे तो अंदर का सामान बिखरा मिला। दुकान की दाहिनी तरफ की दीवार की प्लाई गिरी हुई थी और दीवार में बड़ा छेद था। डिस्प्ले में रखे सोने-चांदी के आभूषण भी गायब थे। इसके बाद उन्होंने गुढ़ियारी थाने में शिकायत दर्ज कराई।

247 उद्योगपतियों ने लिया प्लास्टिक कचरा प्रबंधन का संकल्प

रायपुर में प्लास्ट विजन रोड शो का भव्य आयोजन

विश्व केसरी■



रायपुर। होटल कोर्टयार्ड मैरियट, रायपुर में प्लास्ट विजन रोड शो का भव्य आयोजन किया गया। इसमें प्लास्ट विजन के चेयरमैन जयेश भाई, हर्षद देसाई एवं डॉ. महेंद्र परमार सहित छत्तीसगढ़ के 247 उद्योगपतियों ने सहभागिता की। सभी ने प्लास्टिक कचरे के उचित प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया।

भाजपा प्रवक्ता अमित चिमनानी ने छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति की जानकारी दी। जयेश भाई ने प्लास्ट विजन की जानकारी और प्लास्टिक कचरे के उचित निपटान के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं, सीएफआई अध्यक्ष शंकर बजाज जी ने युवाओं से नई सोच, नवाचार एवं नए व्यवसायों के साथ उद्योग जगत में आगे आने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में कैट अध्यक्ष परमानंद जैन, विक्रम सिंहदेव, लव बंसल, रमेश पंजवानी , संतोष जैन , विजय हेमानी , अजय भसीन , जीवत बजाज , सन्नी जुमनानी, राजेंद्र जग्गी , मनोज जैन , कन्हैया गुप्ता , दिनेश पटेल सहित विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं अनेक उद्योगपति उपस्थित रहे।

इस आयोजन ने उद्योग जगत में स्वच्छ पर्यावरण, जिम्मेदार प्लास्टिक कचरा प्रबंधन और सतत औद्योगिक विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की।

पहली बार एज-ग्रुप कैटेगरी में I-लीग मैच की करेगा मेज़बानी!

विश्व केसरी■



रायपुर। 5 अक्टूबर 2026 को रायपुर में रचा जाएगा इतिहास , जब यह शहर पहली बार एज-ग्रुप कैटेगरी में I-लीग मैच की मेज़बानी करेगा। सुबह 11:00 बजे, कोटा के स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में AIFF एलीट लीग (यूथ I-League) - जो अंडर-18 प्रतियोगिता है - का आयोजन होगा और राज्य की राजधानी राष्ट्रीय फुटबॉल के नक्शे पर अपनी जगह बनाएगी।

यह मुकाबला छत्तीसगढ़ की दो बेहतरीन फुटबॉल अकादमियों के बीच है: रायपुर की ब्रह्मविद फुटबॉल अकादमी और नारायणपुर की RKM फुटबॉल अकादमी। दोनों टीमों में पूरे भारत से आए टैलेंटेड खिलाड़ी हैं और दोनों ही टीमें निडर होकर अटैकिंग फुटबॉल खेलने के लिए जानी जाती हैं। मैच की शुरुआत से लेकर आखिर तक तेज़ रफ़्तार, दबाव और गोल करने के मौकों से भरपूर खेल देखने को मिलेगा, क्योंकि कोई भी टीम पीछे हटने को तैयार नहीं होगी।

यह मैच यह भी दिखाता है कि छत्तीसगढ़ में फुटबॉल ने कितनी तरक्की की है। ब्रह्मविद FA रायपुर, भिलाई, बिलासपुर, रायगढ़ और राज्य के अन्य शहरी इलाकों के टैलेंटेड खिलाड़ियों को मैदान में उतारेगी, जबकि RKM FA नारायणपुर का प्रतिनिधित्व बस्तर क्षेत्र के खिलाड़ी करेंगे। राजधानी के शहरी इलाकों से लेकर बस्तर के जंगलों तक, पूरा राज्य एक ही पिच पर इकट्ठा होगा, साथ ही देश भर के युवा खिलाड़ी भी यहाँ मौजूद होंगे।

गरबा पंडालों में अश्लीलता पर रोक लगाएगा भारत रक्षा मंच

विश्व केसरी■



रायपुर । कचहरी चौक स्थित हनुमान मंदिर परिसर में शुक्रवार को भारत रक्षा मंच रायपुर महिला समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में नवरात्रि पर्व के दौरान गरबा पंडालों में भारतीय संस्कृति की रक्षा को लेकर बड़े निर्णय लिए गए।

संगठन ने निर्णय लिया है कि नवरात्रि में गरबा के नाम पर अश्लील गानों पर डांस और अमर्यादित वेशभूषा पर पूर्णत: रोक लगाई जाए। इस संबंध में जल्द ही रायपुर नगर निगम महापौर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। साथ ही यह भी तय किया गया कि गरबा पंडाल में प्रवेश करने वाले प्रत्येक भक्त को कलावा और तिलक लगाकर ही प्रवेश दिया जाएगा तथा जो भारतीय वेशभूषा में नहीं होगा, उसे प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रेखा शर्मा ने कहा कि नवरात्रि में माता रानी के गरबा के दौरान बेकार के गानों पर नृत्य और गलत वेशभूषा से भक्तिभाव को ठेस पहुंचती है, इसे रोकना अति आवश्यक है। इस पर प्रदेश अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने सहमति जताते हुए कहा कि संस्कृति के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026 एवं विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

विश्व केसरी■



रायपुर। भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (DFPD) तथा भारतीय खाद्य निगम मुख्यालय के मार्गदर्शन में भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर द्वारा दिनांक 17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026 के अंतर्गत विभिन्न स्वच्छता एवं जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

अभियान के अंतर्गत कार्यालय परिसर में स्वच्छता शपथ तथा सफाई कर्मचारियों हेतु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। साथ ही, चिन्हित ष्टङ्क स्थलों पर स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सहभागिता से प्रश्नोत्तरी एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, आंगनबाड़ी केंद्र में स्वच्छता ज्ञान यात्रा आयोजित कर स्वच्छता एवं स्वच्छ परिवेश के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

'एक पेड़ माँ के नाम' पौधारोपण अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर दीपक शर्मा, महाप्रबंधक (क्षेत्र), संजीव कुमार भदानी, महाप्रबंधक (आंचलिक कार्यालय), उप महाप्रबंधकगण एवं सहायक महाप्रबंधकगण ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं हरित कार्यस्थल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026 के समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अमित केसर, उप महाप्रबंधक (क्षेत्र) द्वारा सभी सफाई कर्मियों का सम्मान किया गया। साथ ही, अभियान के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त, विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत विभिन्न स्वच्छता स्थलों की पहचान की गई तथा ई-कचरे के समुचित निस्तारण हेतु अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को चिह्नित किया गया। अभियान के कार्यान निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति तथा चिन्हित ई-कचरे के नियमानुसार निस्तारण की प्रक्रिया पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस अवसर पर भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर द्वारा 'स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' के संदेश के साथ स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में सामूहिक योगदान का आह्वान किया।

सत्यनारायण शर्मा ने लिखा सीएम को पत्र

विश्व केसरी■



रायपुर। पूर्व कैबिनेट मंत्री और रायपुर ग्रामीण के पूर्व विधायक सत्यनारायण शर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिख कर स्मार्ट पीडीएस को तुरंत बंद कर पुरानी व्यवस्था फिर से लागू करने की मांग की है।

पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा ने अपने पत्र में कहा है कि नए राशन कार्ड बनवाने और परिवार के सदस्यों के नाम जोड़ने के दौरान अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों के लिए जाति प्रमाण-पत्र अपलोड करना जरूरी कर दिया गया है। उनका कहना है कि जन्म या शादी के बाद परिवार में जुड़े कई नए सदस्यों के पास जाति प्रमाण-पत्र नहीं होता। ऐसे में उनका नाम राशन कार्ड में नहीं जुड़ पा रहा है।

गरबा पर वक्फ बोर्ड ने मुस्लिम युवाओं के लिए जारी किए निर्देश

बजरंग दल ने गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर लगाई रोक

विश्व केसरी■



रायपुर। छत्तीसगढ़ में शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर होने वाले गरबा आयोजनों को लेकर राजनीति और सामाजिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस साल गरबा पंडालों में प्रवेश, सुरक्षा और धार्मिक मर्यादाओं को लेकर विभिन्न संगठनों की ओर से सख्त निर्देश और अपीलें सामने आ रही हैं।

छत्तीसगढ़ में शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर होने वाले गरबा आयोजनों को लेकर राजनीति और सामाजिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस साल गरबा पंडालों में प्रवेश, सुरक्षा और धार्मिक मर्यादाओं को लेकर विभिन्न संगठनों की ओर से सख्त निर्देश और अपीलें सामने आ रही हैं।

खास तौर पर वक्फ बोर्ड और बजरंग दल के बयानों और दिशा-निर्देशों के बाद यह मुद्दा राज्यभर में चर्चा का विषय बन गया है, जिससे आयोजनों की व्यवस्था पर भी असर पड़ता नजर आ रहा है।

वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सलीम राज की मुस्लिम युवाओं से अपील

इस पूरे विवाद के बीच छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने मुस्लिम युवाओं के लिए एक विशेष अपील जारी की है। उन्होंने कहा कि गरबा मुख्य रूप से आस्था और धर्म से जुड़ा आयोजन है, जबकि इस्लाम में मूर्ति पूजा की अनुमति नहीं है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि मुस्लिम समाज की इसमें धार्मिक आस्था नहीं है और वे मूर्ति पूजा व अन्य अनुष्ठानों में शामिल नहीं हो सकते, तो उन्हें गरबा पंडालों में जाने की आवश्यकता ही नहीं है।

भाजपा का सेवा संकल्प अभियान, प्रांतीय समीक्षा बैठक में मंथन

सेवा और संकल्प की भावना से ओतप्रोत जन सेवा का अभियान है - किरण देव

विश्व केसरी■



रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) में रविवार को 'सेवा संकल्प अभियान' की प्रांतीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में अभियान के तहत अब तक संपन्न हुए कार्यक्रमों की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में प्रदेश में कीर्तिमान स्थापित किया गया : किरण देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा देशभर में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चला रही है। 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के माध्यम से देश और प्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी को अपना स्नेह और आशीर्वाद प्रदान किया। श्री देव ने कहा कि 17 सितंबर को प्रदेश में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में कीर्तिमान स्थापित किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और आमजनों की सहभागिता रही। यह कार्यक्रम सेवा, समर्पण और राष्ट्र के प्रति संकल्प का प्रतीक बना। सेवा संकल्प अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के 'सेवा ही संगठन' के मंत्र को जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम है।

हम सब एक ही पथ के पथिक हैं : कर्मवीर सिंह

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसेवा को हमेशा सर्वोपरि रखकर कार्य किया है। सिंह ने कहा कि हम सब एक ही पथ के पथिक हैं। भाजपा सत्ता में आकर समाज में परिवर्तन करती है और सेवा के माध्यम से लोगों तक पहुँचती है। कोरोना काल में जब पूरी दुनिया भयभीत थी, तब भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुँचकर लोगों को आवश्यक सहायता प्रदान की थी। संगठन के कार्यों के माध्यम से ही हमें जनता तक पहुँचना है। सिंह ने 2028 के चुनाव की तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा, समर्पण और संगठन के बल पर हमें जन-जन तक पहुँचकर पार्टी को और अधिक मजबूत बनाना है।

भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र के लिए समर्पित है : अजय जम्वाल

महाराष्ट्र के प्रदेश संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से भाजपा समाज में मंथन का कार्य कर रही है। इस अभियान के जरिए लाखों परिवारों, युवाओं, महिलाओं एवं सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से भाजपा कार्यकर्ता सतत संपर्क कर रहे हैं। संपूर्ण समाज में जन-जागरण का अभियान चल रहा है। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, उस लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में यह अभियान भी एक महत्वपूर्ण पहल है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से हमें लाभार्थियों से संपर्क करना है और संगठन को और अधिक मजबूत बनाना है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र के लिए समर्पित रहकर देश को विकसित बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रहा है।

भाजपा विचारधारा आधारित पार्टी है, जिसके करोड़ों कार्यकर्ता हैं : पवन साय

झारखंड के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि भाजपा विचारधारा आधारित पार्टी है, जिसके करोड़ों कार्यकर्ता हैं और यह जनसेवा को प्रभु सेवा मानकर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की पार्टी है।

न्यायालय एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी करपावण्ड , जिला बस्तर (छ.ग.)

// उदघोषणा //

रा.प्र.क्र. 2648 /ब-121/2025-26

इस उदघोषणा के जरिये आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका बोदाबाई पिता/ पति स्व. खेलबंधू जाति सोनार ग्राम करपावण्ड तहसील करपावण्ड जिला बस्तर द्वारा आवेदक स्वयं अथवा अपने भाई स्व. हरिचन्द्र पिता दिनबंधु निवासी ग्राम करपावण्ड तहसील करपावण्ड जिला बस्तर (छ.ग.) का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन पेश किया गया है।

अत: आवेदक / आवेदिका के भाई स्व. हरिचन्द्र पिता दिनबंधु ग्राम करपावण्ड दिनांक 10/08/2024 को मृत्यु हुई है। आवेदक के भाई स्व. हरिचन्द्र पिता/पति दिनबन्धु जाति सोनार ग्राम करपावण्ड तहसील करपावण्ड जिला बस्तर आवेदक स्वयं अथवा आवेदक के भाई स्वं हरिचन्द्र जन्म प्रमाण पत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्थ को किसी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा पेश करना हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिकृत अधिवक्ता के मार्फत प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 12/10/2026 तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत पेशी तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर किसी प्रकार की सुनवाई नही होगी।

आज दिनांक 22/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी करपावण्ड जिला बस्तर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
- : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....35618...../ न. पा. नि. / जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 04-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35618

वार्ड का नाम - 9 - पं. मोतीलाल नेहरू वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 9 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226V0938A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **PUJA AGRAWAL** पिता / पति श्री/श्रीमती **ROHIT AGRAWAL** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्रीमती अंजलि असरानी पिता / पति श्री/श्रीमती पति संदीप असरानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

पिछले दशक के आर्थिक सुधारों ने वैश्विक झटकों के बीच भारत को बनाया अधिक मजबूत और लचीला: शक्तिकांत दास

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव शक्तिकांत दास ने रविवार को कहा कि पिछले एक दशक में लागू किए गए व्यापक आर्थिक सुधारों ने भारत को वैश्विक झटकों के बीच अधिक मजबूत, स्थिर और लचीली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने में मदद की है। उन्होंने कहा कि इन सुधारों ने मजबूत संस्थाओं का निर्माण किया, व्यापक आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित की और उत्पादक क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा दिया।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए पूर्व आरबीआई गवर्नर और वित्त मंत्रालय के पूर्व आर्थिक मामलों के सचिव शक्तिकांत दास ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में लागू किए गए सुधार किसी एक समय के लिए किए गए कदम नहीं थे, बल्कि उन्हें इस तरह डिजाइन किया गया था कि वे अर्थव्यवस्था को झटकों को सहने और तेजी से उबरने की क्षमता प्रदान करें। उन्होंने कहा कि लचीला महंगाई लक्ष्यीकरण, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), डिजिटल भुगतान का विस्तार और बैंकिंग क्षेत्र में सुधार ऐसे प्रमुख कदम रहे हैं, जिन्होंने भारत की आर्थिक मजबूती को बढ़ाया है।

दास ने कहा कि भारत का प्रदर्शन ऐसे समय में विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा है, जब दुनिया भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक व्यापार विखंडन, तकनीकी प्रतिबंध, ऊर्जा कीमतों में अस्थिरता और विकसित देशों में बढ़ते सार्वजनिक ऋण जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है।

उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही, जिसे मजबूत घरेलू मांग और निवेश का समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि भारत अब 8 प्रतिशत वृद्धि दर के बेहद करीब पहुंच चुका है। उन्होंने जुलाई-सितंबर 2025 से अप्रैल-जून 2026-27 तक लगातार चार तिमाहियों में 8 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारत की आर्थिक क्षमता को दर्शाता है।

शक्तिकांत दास ने आगे कहा कि भारत की आर्थिक मजबूती का दूसरा बड़ा आधार व्यापक आर्थिक स्थिरता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 में लागू लचीले महंगाई लक्ष्यीकरण ढांचे ने भारत को कोविड-19 महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संघर्ष जैसे कई वैश्विक झटकों से प्रभावी ढंग से निपटने में मदद की।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा विकास को समर्थन देने वाले खर्च को जारी रखते हुए राजकोषीय संतुलन बनाए रखने की नीति ने अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

एआई से बढ़ेगी उत्पादकता, लेकिन रोजगार पर असर को सावधानी से संभालना आवश्यक: रिपोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को दुनिया भर में एक परिवर्तनकारी तकनीक माना जा रहा है, जो उत्पादकता बढ़ाने और आर्थिक गतिविधियों को नई गति देने की क्षमता रखती है। ग्राहक सेवा, चिकित्सा निदान, कोडिंग और कंटेंट निर्माण जैसे क्षेत्रों में एआई का बढ़ता उपयोग अभूतपूर्व संभावनाएं पैदा कर रहा है। हालांकि, एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि तकनीकी क्रांतियां हमेशा तुरंत व्यापक सामाजिक समृद्धि में परिवर्तित नहीं होतीं और एआई के दौर में रोजगार बाजार को लेकर विशेष सतर्कता की आवश्यकता होगी।

इंडिया नैरेटिव में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, एआई ऐसी स्थिति पैदा कर सकता है जिसे आर्थिक इतिहासकार 'एंगेल्स पॉज' कहते हैं। इसका अर्थ है कि उत्पादकता और संपत्ति में तेज वृद्धि तो होती है, लेकिन आम कामगारों की आय और जीवन स्तर में सुधार काफी देर से दिखाई देता है।

लेख में ब्रिटेन की औद्योगिक क्रांति का उदाहरण दिया गया है। 19वीं सदी में औद्योगिक उत्पादन में भारी वृद्धि हुई, लेकिन श्रमिकों के जीवन स्तर और आय में सुधार आने में काफी समय लगा। इससे यह संकेत मिलता है कि तकनीकी प्रगति के लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने में समय लग सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, पिछली औद्योगिक क्रांतियों ने बड़े पैमाने पर रोजगार इसलिए पैदा किए क्योंकि उन्होंने पूरी तरह नए उद्योगों को जन्म दिया। वस्त्र उद्योग ने फैक्टरी नौकरियां पैदा कीं, ऑटोमोबाइल उद्योग ने विनिर्माण और सेवाओं में लाखों रोजगार दिए, जबकि डिजिटल क्रांति ने सॉफ्टवेयर, ई-कॉमर्स और प्लेटफॉर्म आधारित अर्थव्यवस्था विकसित की।

नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित को इजरायली स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल करने का दिया आमंत्रण

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार देर रात भारतीय पायलट स्मित मच्छार से बात की। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, पीएम नेतन्याहू ने उन्हें इजरायल के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मशाल जलाने के लिए आमंत्रित किया।

बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने स्मित मच्छार से कहा, 'मैं चाहूंगा कि कैप्टन स्मित और पीएम मोदी हमारे स्वतंत्रता दिवस पर जश्न की लौ थामे रहें। यह हमारा सबसे बड़ा सम्मान है। हम आमतौर पर इसे इजरायली नागरिकों के लिए रखते हैं, लेकिन इस मामले में इजरायल के सभी नागरिक आपको गले लगाएंगे।'

स्मित मच्छार, जो वर्तमान में दुबई में कार्यरत हैं ने बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट के कॉकपिट के अंदर अपने सह-पायलट द्वारा हमला किए जाने के बाद एक बड़े हादसे को टाल दिया। गंभीर चोट लगने के बावजूद भारतीय पायलट ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाबी हासिल की, जिससे यात्री और क्रू मेंबर हस्तक्षेप कर सके। ऐसे में उन्होंने विमान के यात्रियों की जान बचा ली।

वहीं, इससे पहले दुबई के क्राउन प्रिंस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री हमदान बिन मोहम्मद ने शनिवार को फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड1073 के बहादुर भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार से अस्पताल में मुलाकात की और उनके साहस की सराहना की।

गुजरात में दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' आयोजित करेगा एमओआरटीएच

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) देशभर में राजमार्ग अवसंरचना के विकास और परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए 5 और 6 अक्टूबर को गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' का आयोजन करेगा। इस कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियों के प्रतिनिधि और अन्य हितधारक हिस्सा लेंगे।

कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा और हर्ष मल्होत्रा भी मौजूद रहेंगे। मंत्रालय के अनुसार, चिंतन शिविर का उद्देश्य राजमार्ग परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों की पहचान करना, विभिन्न पक्षों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और व्यावहारिक समाधान तलाशना है। यह मंच केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ जमीनी स्तर के अनुभवों और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान का अवसर भी प्रदान करेगा।

इस सम्मेलन में विभिन्न राज्यों के सड़क परिवहन और लोक निर्माण विभागों के मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, परियोजना क्रियान्वयन एजेंसियों के प्रतिनिधि तथा अन्य विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। मंत्रालय का मानना है कि इससे सड़क अवसंरचना विकास से जुड़े मुद्दों पर साझा समझ विकसित होगी और परियोजनाओं की गति बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मंत्रालय ने कहा कि चिंतन शिविर में परियोजना क्रियान्वयन की बाधाओं की पहचान, नवाचारी और दोहराए जा सकने वाले समाधानों की खोज तथा नीति और संस्थागत सुधारों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही हाईवे परियोजनाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और परिचालन दक्षता को बेहतर बनाने के उपायों पर भी चर्चा होगी।

दो दिवसीय कार्यक्रम में पांच प्रमुख विषयगत सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें पीएम गतिशक्ति और एकीकृत अवसंरचना योजना, भूमि अधिग्रहण और भूमि राशि प्लेटफॉर्म, मॉडल कंसेशन एग्रीमेंट और रेटिंग्स, हाईवे सुरक्षा, तथा गुणवत्ता आश्वासन एवं परियोजना निगरानी शामिल हैं।

पीएम गतिशक्ति से जुड़े सत्र में विभिन्न अवसंरचना क्षेत्रों के बीच बेहतर समन्वय और एकीकृत योजना निर्माण पर चर्चा की जाएगी। वहीं भूमि अधिग्रहण से जुड़े सत्र में परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं और उन्हें दूर करने के उपायों पर विचार-विमर्श होगा।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण में बड़ी सफलता

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने वैज्ञानिकों, डॉ. सुतीर्थ दत्ता, डॉ. तुषना करकरिया और ऋषिका शर्मा की तारीफ की। उन्होंने राजस्थान में 'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' को जंगल में छोड़े जाने के दौरान इन वैज्ञानिकों को भावुक होते देखा था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भूपेंद्र यादव ने पोस्ट किया, 'जब राजस्थान के सैम, डेजर्ट नेशनल पार्क में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड्स को जंगल में छोड़ा गया, तो डॉ. सुतीर्थ दत्ता, डॉ. तुषना करकरिया और ऋषिका शर्मा भावुक हो गए। कोई सोच भी सकता है कि कैसे कुछ लोग निस्वार्थ कामों के लिए अपनी पूरी जिंदगी समर्पित कर देते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'उनकी और उस पूरी टीम की तारीफ के लिए शब्द कम पड़ जाएंगे, जिन्होंने इसे मुमकिन बनाया है।' इससे पहले दिन में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने राजस्थान के जैसलमेर में सैम डेजर्ट नेशनल पार्क में दो नर ग्रेट इंडियन बस्टर्ड्स को आजाद किया।

बस्टर्ड्स को छोड़ने के बाद केंद्रीय मंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'एक अहम कदम उठाते हुए, रविवार सुबह जैसलमेर के सैम, डेजर्ट नेशनल पार्क में दो नर ग्रेट इंडियन बस्टर्ड्स को आजाद किया गया। यह बड़ी कामयाबी हमारे वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और ग्राउंड स्टाफ़ की लगभग एक दशक की अटूट लगन से मुमकिन हो पाई है, जिन्होंने जीआईबी को राजस्थान के रेगिस्तान में वापस लाने के लिए सालों तक काम किया है।'

केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी का भी उनके मार्गदर्शन, हौसला-अफजाई और लगातार समर्थन के लिए शुक्रिया अदा किया। 'मैं पीएम मोदी का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने लगातार मार्गदर्शन, हौसला-अफजाई और समर्थन दिया, जिससे हमारी वैज्ञानिक कम्युनिटी जीआईबी समेत सभी प्रजातियों के संरक्षण के लिए काम कर सके।'

इससे पहले शनिवार को केंद्रीय मंत्री यादव ने रामदेवरा में ब्रीडिंग सेंटर का दौरा किया और इस खास प्रजाति के संरक्षण के लिए काम कर रहे युवा शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों की कोशिशों की तारीफ की। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने एक प्रेस रिलीज में कहा, 'कैप्टिव-ब्रीडिंग (संरक्षित माहौल में प्रजनन) से पैदा हुए जीआईबी को आजाद करना प्रजाति को बचाने के प्रोग्राम का अगला अहम कदम है।

अबू धाबी के बीएपीएस हिंदू मंदिर में स्मित मच्छार के लिए विशेष प्रार्थना

विश्व केसरी■



अबू धाबी। फ्लाईदुबई के पायलट कैप्टन स्मित मच्छार के जल्द स्वस्थ होने की कामना को लेकर अबू धाबी स्थित बीएपीएस हिंदू मंदिर में विशेष प्रार्थना की गई। इस बीच, भारतीय दूतावास ने रविवार को पुष्टि की कि कैप्टन मच्छार की हालत में सुधार हो रहा है और वह अच्छी स्थिति में हैं।

बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'अबू धाबी के बीएपीएस हिंदू मंदिर में स्वामियों और श्रद्धालुओं ने कैप्टन स्मित मच्छार के लिए प्रार्थना की और उनके असाधारण साहस तथा बहादुरी का सम्मान किया।'

यूएई में भारत के राजदूत दीपक मित्तल ने बीएपीएस की पोस्ट साझा करते हुए अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'कैप्टन स्मित के अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थनाएं जारी हैं। वह अच्छी तरह स्वस्थ हो रहे हैं और उनका मनोबल भी अच्छा है। दूतावास स्थानीय अधिकारियों और परिवार के संपर्क में है तथा हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहा है।'

बीएपीएस हिंदू मंदिर खाड़ी देश में निर्मित पहला हिंदू मंदिर है। फरवरी 2024 में उद्घाटन के बाद से यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। मंदिर ने अपने पहले वर्ष में करीब 22 लाख आगंतुकों का स्वागत किया।

इससे पहले शनिवार को दुबई के क्राउन प्रिंस और यूएई के उप प्रधानमंत्री हमदान बिन मोहम्मद ने अस्पताल में कैप्टन मच्छार से मुलाकात की और उनके साहस की सराहना की।

हमदान बिन मोहम्मद ने एक्स पर लिखा कि कैप्टन स्मित मच्छार ने साहस, जिम्मेदारी और मानव जीवन के प्रति चिंता की सर्वोच्च भावना का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि यूएई के नेतृत्व और उनकी ओर से मच्छार को पूरा सम्मान और प्रशंसा प्राप्त है। उन्होंने कहा कि यूएई को गर्व है कि कैप्टन मच्छार देश की टीम और उसकी कहानी का हिस्सा हैं तथा वह यूएई के करुणा, शांति और जीवन के मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कैप्टन मच्छार से वीडियो कॉल पर बातचीत की थी।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के प्रमुख ने स्वच्छता को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) के निदेशक पीके प्रजापति ने रविवार को कहा कि स्वच्छता और साफ-सफाई हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी को स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

2 अक्टूबर को 'स्वच्छता ही सेवा' (एसएचएस) अभियान 2026 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए प्रजापति ने बताया कि एआईआईए के भाग लेने वाले सदस्यों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई।

अभियान के तहत, एआईआईए परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया और संकाय सदस्यों, शोधार्थियों और कर्मचारियों ने स्वच्छता और साफ-सफाई बनाए रखने, अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति जिम्मेदार होने और स्वच्छ, स्वस्थ और टिकाऊ पर्यावरण को बनाए रखने में योगदान देने की शपथ ली। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

एआईआईए के स्वास्थ्यवृत्त और योग विभाग द्वारा आयोजित यह अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 'स्वच्छता में सभा, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' विषय के तहत चलाया गया।

अभियान का उद्देश्य संस्थान और उसके आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन की जिम्मेदारी, पर्यावरण जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना था।

समापन दिवस पर, कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय की डीन और निदेशक मंजुषा राजगोपाला, डीन रिसर्च राजगोपाला, एएमएस राजा राम महतो और संस्थान के संकाय सदस्य उपस्थित थे।

पखवाड़े भर चलने वाले इस अभियान में संकाय सदस्यों, पीएचडी शोधार्थियों, स्नातकोत्तर शोधार्थियों, कर्मचारियों, रोगियों और उनके परिचारकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कानपुर में हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले में दिखेगी भारत की समृद्ध परंपरा और संस्कृति

विश्व केसरी■



कानपुर। भारत की समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा के साथ समाज सेवा के विभिन्न आयामों को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से 'हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेला-2026' का आयोजन कानपुर में किया जा रहा है। 26 से 30 नवंबर तक बृजेंद्र स्वरूप पार्क में होने वाले इस पांच दिवसीय मेले में विभिन्न सामाजिक और सेवा संस्थाओं की गतिविधियों को प्रदर्शित किया जाएगा। आयोजन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी शामिल होने की संभावना है।

आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति, सेवा-भाव, संस्कार, नारी सम्मान, युवा जागरण और राष्ट्रभाव को समाज के व्यापक वर्ग, खासकर युवाओं तक पहुंचाना है। इसके जरिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, पशु-पक्षी सेवा, महिला सशक्तीकरण, संस्कृति एवं संस्कार तथा जरूरतमंदों की सहायता जैसे क्षेत्रों में काम करने वाली संस्थाओं को एक साझा मंच उपलब्ध कराया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार, मेले में देश के प्रमुख संतों और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े विशिष्ट व्यक्तियों की सहभागिता होगी। इनमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल, जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज और स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज सहित अन्य संत-धर्माचार्य एवं अलग-अलग क्षेत्रों में समाज का नेतृत्व करने वाले गणमान्य लोग शामिल होंगे।

संपादकीय

संकट के बादलों में साहस की उड़ान



वसुंधरा धर्माणी

आसमान को देखकर हम अक्सर खुलेपन, आज़ादी और ऊँचे सपनों की कल्पना करते हैं। धरती से हजारों फीट पर उड़ता विमान हमें विज्ञान की प्रगति और मनुष्य की अद्भुत क्षमताओं का एहसास कराता है, लेकिन क्या हो, जब यही खुला आसमान अचानक संकट का साक्षी बन जाए? जब सैंकड़ों जिंदगियों की सुरक्षा एक कठिन परिस्थिति और कुछ क्षणों में लिए जाने वाले निर्णय पर निर्भर हो जाए? ऐसे समय में व्यक्ति की असली शक्ति उसके पद या प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि उसके साहस, अनुभव और कर्तव्य के प्रति समर्पण से पहचानी जाती है।

कप्तान स्मित मच्छार से जुड़ी विमान घटना इसी मानवीय साहस और ज़िम्मेदारी की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करती है। 1 अक्टूबर 2026 में दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान से जुड़ी एक गंभीर घटना की खबर सामने आई। समाचार रिपोर्टों के अनुसार, उड़ान के दौरान कॉकपिट में हिंसा घटनाक्रम हुआ, जिसमें सह पायलट ने विमान के पायलट कप्तान स्मित मच्छार पर बर्बरता पूर्ण हमला कर दिया और वे घायल हो गए। ऐसे समय में विमान की सुरक्षा को लेकर चिंताजनक स्थिति पैदा हो गई। कल्पना कीजिए, विमान में बैठे यात्री अपनी मंजिल तक पहुंचने के सपने संजोए हुए हैं। किसी को अपने परिवार से मिलना है, कोई काम के सिलसिले में यात्रा कर रहा है, तो कोई अपने प्रियजनों के पास लौटने के लिए उत्सुक है। किसी को अंदाज़ा भी नहीं कि कॉकपिट में उत्पन्न संकट उनकी यात्रा को एक भयावह मोड़ दे सकता है। ऐसी परिस्थिति में पायलट के सामने केवल विमान उड़ाने की चुनौती नहीं थी, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा ,उपलब्ध विकल्पों का आकलन और उचित निर्णय लेने की जिम्मेदारी भी थी। उस समय धैर्य और प्रशिक्षण

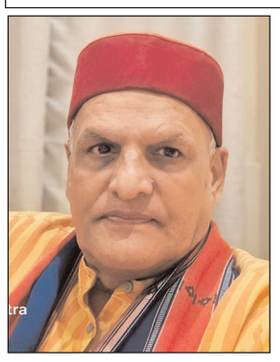


का महत्व कई गुना बढ़ जाता है।

कप्तान स्मित मच्छार को सह पायलट के हमले में गंभीर चोटें आईं। वह घायल अवस्था में नीचे गिर गए थे। विमान तेजी से नीचे की ओर जा रहा था। ऐसे क्षण में जब उन्हें स्वयं अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था, उनके सामने विमान में सवार लोगों की सुरक्षा का भी दायित्व था। उन्होंने घायल अवस्था में ही कॉकपिट का दरवाज़ा खोला, जिससे यात्रियों को खतरे का अंदेशा हुआ और यात्रियों के सहयोग से बहुत बड़ी घटना घटने से टल गई।

प्रधानमंत्री के साथ बातचीत में कप्तान स्मित ने बताया कि संकट के दौरान वे हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे। उन्होंने अपनी आस्था को उस कठिन समय में साहस का स्रोत बताया। मनुष्य के जीवन में आस्था, विश्वास और सकारात्मक सोच का अपना महत्व होता है। ये कठिन परिस्थितियों में जीवन को संबल देते हैं, लेकिन विश्वास के साथ विवेक, प्रशिक्षण और कर्म का जोड़ना भी आवश्यक है। कप्तान स्मित के अनुभव में आस्था और कर्म का यह मेल दिखाई देता है। उन्होंने अपने विश्वास से शक्ति प्राप्त की और साथ ही स्थिति का सामना करने का प्रयास भी किया, जिससे आज सैंकड़ों जिंदगियाँ अपने घरों में सुरक्षित पहुंच पाई हैं। यह हमें सिखाता है कि उम्मीद रखना महत्वपूर्ण है, लेकिन उम्मीद को सार्थक बनाने के लिए अपने स्तर पर प्रयास करना भी उतना ही आवश्यक है।

बदलते दौर में विवादग्रस्त होते आश्रम



गिरीश पंकज

भारत को संतों, ऋषियों और मुनियों की भूमि कहा जाता है। सदियों से यहाँ की संस्कृति का मूल आधार अध्यात्म, त्याग, वैराग्य और लोक-कल्याण रहा है। आदिकाल से लेकर आधुनिक युग तक, आश्रम केवल पूजा-पाठ या धार्मिक कर्मकांड के स्थान नहीं रहे, बल्कि वे ज्ञान, शिक्षा, चरित्र निर्माण और मानसिक शांति के प्रमुख केंद्र रहे हैं। त्रेता और द्वापर युग से लेकर आधुनिक काल तक, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वेद व्यास, गुरु रविनाथ, स्वामी विवेकानंद और महर्षि रमण जैसे संतों के आश्रमों ने समाज को एक नई दिशा दी। इन स्थानों से वैचारिक चेतना और नैतिक मूल्यों की गंगा प्रवाहित होती थी, जहाँ राजा और रंक दोनों ही समान भाव से शांति की तलाश में पहुंचते थे। किंतु, समय के चक्र के साथ इस पवित्र परंपरा में एक गहरा और चिंताजनक बदलाव आया है। आज स्थिति यह है कि अनेक आश्रम और तथाकथित संत अपनी मूल आध्यात्मिक धारा से भटक चुके हैं। अध्यात्म के ये केंद्र अब धीरे-धीरे विवादों, घोटालों, अपराधों और असामाजिक गतिविधियों के अड्डे बनते जा रहे हैं। आए दिन मीडिया की सुर्खियों में ऐसे मामले सामने आते हैं जहाँ आश्रमों की चारदीवारी के भीतर से हत्या, यौन शोषण, अवैध कब्जा, हथियारों की तस्करी और वित्तीय घपलों की दास्तानें बाहर आती हैं। देश के विभिन्न कोनों में कई 'संत' आज कानून के शिकंजे में हैं और जेल की सलाखों के पीछे अपनी सजा काट रहे हैं। यह स्थिति न केवल धार्मिक आस्था रखने वाले आम जनमानस के लिए आघातजनक है, बल्कि यह पूरे संत समाज और भारतीय सांस्कृतिक साख पर एक गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है।

इस विडंबना के मूल में आश्रमों के स्वरूप और उसकी कार्यप्रणाली में आया भारी बदलाव है। कभी संतों की पहचान सादगी, कम से कम संसाधनों में जीवन-यापन और एकांत में साधना से होती थी। उनका जीवन समाज के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करता था। लेकिन आज के दौर में अधिकांश बड़े आश्रम किसी भव्य कॉर्पोरेट साम्राज्य या फाइव-स्टार रिसॉर्ट की तरह नजर आते हैं।

इन आश्रमों के विस्तार के पीछे अकूत धन, कॉरपोरेट जैसी कार्यशैली और प्रचार तंत्र की बड़ी भूमिका है। अनुयायियों की संख्या और चंदे के रूप में मिलने वाले करोड़ों रुपयों ने इन संस्थानों को सत्ता और प्रभाव का केंद्र बना दिया है। जब धर्म और आध्यात्मिकता का यह व्यावसायिकरण होता है, तो वहां अहंकार, लालच और भोग-विलासिता का प्रवेश स्वाभाविक हो जाता है। भोग और विभव की इस अंधी दौड़ ने त्याग और तपस्या के उस मूल उद्देश्य को पीछे धकेल दिया है, जिसके लिए आश्रम जाने जाते थे। कई तथाकथित बाबाओं और संतों के पास आलीशान गाड़ियां, निजी सुरक्षा गार्ड, हेलीकॉप्टर और अकूत संपत्तियां हैं। जब किसी व्यक्ति के पास असीमित अधिकार और धन आ जाता है, और उस पर किसी प्रकार का वैधानिक या नैतिक नियंत्रण नहीं रहता, तो उसके पतन की संभावना उतनी ही बढ़ जाती है।

भारतीय समाज में आज भी एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो अपनी समस्याओं, दुखों और भविष्य की अनिश्चितताओं से उबरने के लिए चमत्कार और आसान समाधानों की तलाश में रहता है। इसी कमजोरी का फायदा उठाकर कुछ लोग ढोंग और पाखंड की दुकान चलाते हैं। वे खुद को भगवान का अवतार या सीधा संदेशवाहक घोषित कर देते हैं। इन आश्रमों में आने वाले भक्त अक्सर



अंधभक्ति के दौर से गुजरते हैं। वे बाबा या संत के हर कहे को अंतिम सत्य मान लेते हैं, चाहे वह तर्क या कानून की कसौटी पर कितना भी गलत क्यों न हो। इस प्रकार की अंधभक्ति एक ऐसा वातावरण तैयार करती है जहाँ अपराधी प्रवृत्ति के संत अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके भक्तों का मानसिक, शारीरिक और आर्थिक शोषण करने में सफल हो जाते हैं। यौन शोषण के कई मामले ऐसे सामने आए हैं जहाँ पीड़िताओं को यह कहकर डराया गया या बरगलाया गया कि यह सब उनकी मुक्ति या किसी विशेष साधना का हिस्सा है। इसी तरह, आर्थिक ठगी के मामलों में भक्तों की गाढ़ी कमाई को अंधविश्वास के सहारे हड़प लिया जाता है। जब कोई भक्त या अंदरूनी व्यक्ति इस व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश करता है, तो उसे डराया-धमकाया जाता है, और कई बार उसे रास्ते से हटाने के लिए हत्या जैसे जघन्य अपराधों को भी अंजाम दिया जाता है. संतों और आश्रमों के संदिग्ध होने के पीछे एक अन्य बड़ा कारण राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों से मिलने वाला संरक्षण है। आज के दौर में कई बाबाओं और संतों के संबंध देश के ताकतवर राजनेताओं, उद्योगपतियों और नौकरशाहों से गहरे होते हैं। चुनाव के समय वोट बैंक की राजनीति और सत्ता प्राप्ति के लिए इन बाबाओं के मंचों का खुलकर इस्तेमाल किया जाता है। इसके बदले में राजनेता और प्रशासन इन आश्रमों में होने वाली अवैध गतिविधियों पर आंखें मूंद लेते हैं। यदि कोई आश्रम अवैध जमीन पर कब्जा करके बनाया गया हो, या वहां वित्तीय अनियमितताएं चल रही हों, तो राजनीतिक दबाव के कारण पुलिस और स्थानीय प्रशासन तुरंत कार्रवाई करने से बचता है। यह मौन समर्थन अपराधियों के हौसले को और बुलंद करता है। वे कानून से ऊपर समझने लगते हैं और बेखौफ होकर अपनी आपराधिक गतिविधियों को जारी रखते हैं। जब तक कानून का भय समाप्त हो जाता है, तब तक संस्थाएं भ्रष्टाचार और अपराध का गढ़ बन जाती हैं।

यह संतोष की बात है कि पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका और जांच एजेंसियों ने इस दिशा में कड़े कदम उठाए हैं। देश की अदालतों ने कई प्रभावशाली और बड़े-कथित संतों को उनके द्वारा किए गए अपराधों (जैसे बलात्कार, हत्या और धोखाधड़ी) के लिए दोषी ठहराया है और उन्हें उम्रकैद जैसी सख्त सजाएं सुनाई हैं। आज कई जाने-माने बाबा जेल की हवा खा रहे हैं, हालांकि, न्याय मिलने की यह प्रक्रिया अक्सर बेहद लंबी और जटिल होती है। शुरुआती दौर में शक्तिशाली बाबाओं के प्रभाव और धनबल के कारण गवाहों को डराना-धमकाना, सबूतों को मिटाना आम बात होती है। पीड़ितों को न्याय पाने के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ती है। फिर भी, इन ऐतिहासिक फैसलों ने समाज को यह संदेश दिया है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है, चाहे वह कितना भी बड़ा धार्मिक गुरु क्यों न हो।

इन चुनिंदा और बदनाम मामलों के कारण पूरे संत समाज की छवि पर आघात पहुंचा है। भारत में आज भी लाखों ऐसे संत, संन्यासी और साधु हैं जो पूरी निष्ठा, ईमानदारी और लोक-कल्याण की भावना से अपना जीवन जी रहे हैं। वे बिना किसी प्रचार या वैभव के समाज सेवा, शिक्षा और आध्यात्मिक उन्नति के कार्य कर रहे हैं। परंतु कुछ चंद स्वार्थी और भ्रष्ट तत्वों के कारण पूरे समाज को कटघरे में खड़ा होना पड़ता है। यह समय सच्चे संत समाज और आध्यात्मिक संगठनों के लिए गंभीर आत्ममंथन का है। उन्हें खुद आगे आकर पाखंडियों और अपराधियों को अपने दायरे से बाहर करना होगा। यदि धार्मिक संगठन स्वयं ऐसे तत्वों का सामाजिक बहिष्कार नहीं करेंगे, तो आम जनता का आस्था पर से विश्वास उठने लगेगा।

समाधान है पारदर्शिता

धर्म और अध्यात्म मानव जीवन को उन्नत बनाने, आंतरिक शांति प्राप्त करने और नैतिकता का पाठ पढ़ाने के साधन हैं। इन्हें व्यापार या अपराध का जरिया बनाना समाज के ताने-बाने को अंदर से खोखला कर रहा है।

इस विकृति से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है आम जनता को अंधभक्ति से बाहर निकलकर तार्किक सोच और विवेक का इस्तेमाल करना होगा। किसी भी व्यक्ति को आँख मूंदकर भगवान का दर्जा देने से पहले उसके आचरण और सत्यता की परख करनी जरूरी है। बड़े आश्रमों और धार्मिक ट्रस्टों की आय, व्यय और गतिविधियों पर सरकारी और सामाजिक नजर होनी चाहिए। विदेशी फंडिंग और दान के स्रोतों की नियमित जांच होनी चाहिए, आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले तथाकथित संतों के खिलाफ बिना किसी राजनीतिक दबाव के त्वरित कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि समाज में एक कड़ा संदेश जाए। शिक्षा और परिवार के स्तर पर नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना होगा, ताकि युवा पीढ़ी बाहरी चमक-दमक और चमत्कारों के चक्कर में पड़ने के बजाय अपने भीतर की आध्यात्मिक शक्ति को पहचान सके। आश्रमों का पवित्र उद्देश्य मानव मन को शांत करना और समाज को नैतिक प्रकाश देना था।

यदि हम इस पवित्र धरोहर को बचाना चाहते हैं, तो हमें धर्म के नाम पर फलने-फूलने वाले इस पाखंड और अपराध के नेटवर्क को जड़ से उखाड़ फेंकना होगा, तभी भारत की असली आध्यात्मिक गरिमा सुरक्षित रह सकेगी।

एशियाई खेलों में भारत का दमदार प्रदर्शन



महेन्द्र तिवारी

जापान के आइची और नागोया में आयोजित 2026 के एशियाई खेल भारत के लिए अनेक उपलब्धियों और यादगार क्षणों से भरे रहे। भारतीय खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के अंतिम चरण में जिस तरह शानदार प्रदर्शन करते हुए पदकों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी की, उसने पूरे देश को उत्साह और गर्व से भर दिया। भारत ने इन खेलों का समापन 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य सहित कुल 85 पदकों के साथ किया और पदक तालिका में चौथा स्थान प्राप्त किया।

85 पदकों का आंकड़ा अपने आप में महत्वपूर्ण है। हालांकि भारत 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में प्राप्त 106 पदकों के रिकॉर्ड को दोहरा नहीं सका, लेकिन 2026 में मिले 21 स्वर्ण पदक भारतीय खेल इतिहास में उल्लेखनीय उपलब्धि हैं। प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारत ने जिस प्रकार लगातार स्वर्ण पदक जीते, उससे ऐसा लगा कि भारतीय दल ने अंतिम क्षण तक अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन करने का संकल्प ले रखा था। अंतिम दिन ही क्रिकेट, हॉकी, कुश्ती, तीरंदाजी और गोल्फ में भारत ने स्वर्ण पदक हासिल किए।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का पाकिस्तान के विरुद्ध स्वर्ण पदक मुकाबला इन खेलों का सबसे चर्चित मुकाबला रहा। निस्शिन में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 211 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने 61 रन की शानदार पारी खेली, जबकि तिलक वर्मा ने केवल 22 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाकर भारतीय पारी को मजबूत आधार दिया। जवाब में पाकिस्तान की टीम 6 विकेट पर 192 रन ही बना सकी। उसके बल्लेबाज हसन नवाज ने 96 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन वह अपनी टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके। भारत ने 19 रन से मुकाबला जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इस जीत का महत्व इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि भारतीय महिला क्रिकेट टीम पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकी थी। इस प्रकार भारत ने एशियाई खेलों में क्रिकेट के दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार दोहरी सफलता हासिल की। पुरुष टीम की पाकिस्तान पर जीत ने इस उपलब्धि को और विशेष बना दिया। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबले हमेशा से खेल प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे हैं। ऐसे में एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक के लिए हुआ यह मुकाबला लंबे समय तक याद किया जाएगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने भी देश को गौरवान्वित किया। फाइनल में भारत ने मलेशिया को 5-1 से हराकर लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल किए, जबकि जुगराज सिंह, हार्दिक सिंह और शिलानंद लाकड़ा ने एक-एक गोल करके भारत की जीत को मजबूत किया। मलेशिया ने शुरुआती बराबरी के बाद भारतीय दबाव का सामना करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय टीम ने धीरे-धीरे मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित कर लिया।

हॉकी में मिली यह सफलता केवल स्वर्ण पदक तक सीमित नहीं रही। इस जीत के साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों में सीधे प्रवेश भी सुनिश्चित कर लिया। एशियाई खेलों की पुरुष हॉकी प्रतियोगिता के विजेता को ओलंपिक में सीधे प्रवेश मिलता है। इस प्रकार भारतीय टीम को अब ओलंपिक प्रवेश के लिए अलग से योग्यता प्रतियोगिता में संघर्ष नहीं करना पड़ेगा।

भारतीय हॉकी के लिए यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। एक समय विश्व हॉकी में भारत का दबदबा था, लेकिन पिछले कुछ दशकों में उसे अनेक उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ा।

बोध कथा

कवि का स्वाभिमान

एक दिन राजा मान सिंह प्रसिद्ध कवि कुंभनदास के दर्शन के लिए वेश बदलकर उनके घर पहुंचे। उस समय कुंभनदास अपनी बेटी को आवाज लगाते हुए कह रहे थे, 'बेटी, जरा दर्पण तो लाना, मुझे तिलक लगाना है।' बेटी जब दर्पण लाने लगी तो वह नीचे गिरकर टूट गया। यह देखकर कुंभनदास बोले, 'कोई बात नहीं, किसी बर्तन में जल भर लाओ।' राजा कुंभनदास के पास बैठकर बातें करने लगे और बेटी एक टूटे हुए घड़े में पानी भरकर ले आई। जल की छाया में अपना चेहरा देखकर कुंभनदास ने तिलक लगा लिया।

यह देखकर राजा दंग रह गए। वह कुंभनदास से अत्यंत प्रभावित हुए। राजा यह सोचकर प्रसन्न थे कि कवि कुंभनदास उन्हें पहचान नहीं पाए हैं। राजा वहां से चले गए। अगले दिन वह एक स्वर्ण जड़ित दर्पण लेकर कवि के पास पहुंचे और बोले, 'कविराज, आपकी सेवा में यह तुच्छ भेंट अर्पित है। कृपया इसे स्वीकार कीजिए।' कुंभनदास विनम्रतापूर्वक बोले, 'महाराज आप! अच्छा तो कल वेश बदलकर आप ही हम से मिलने आए थे। कोई बात नहीं। हमें आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। पर एक विनती है।'

राजा ने पूछा, 'क्या कविराज?' कुंभनदास बोले, 'आप मेरे घर अवश्य आइए लेकिन खाली हाथ। यदि आप अपने साथ ऐसी ही वस्तुएं लेकर आते रहे तो बेकार की वस्तुओं से मेरा घर भर जाएगा। मुझे व्यर्थ की वस्तुओं से कोई मोह नहीं। मुझे बस मां सरस्वती की कृपा की आवश्कता है।' कवि के इस स्वाभिमानी रूप को देखकर राजा आश्चर्यचकित रह गए। वह समझ गए कि कवि कुंभनदास की निर्धनता उनकी विवशता नहीं है, बल्कि इसी तरह का जीवन उन्हें संतुष्टि देता है। वह लोभ, मोह, माया आदि से बहुत ऊपर उठ चुके हैं। उस दिन से कुंभनदास राजा के प्रिय हो गए। राजा के लिए यह गर्व का विषय था कि उनके राज्य में कुंभनदास जैसे लोग रहते हैं।

कविता

श्राद्ध नहीं बस अन्न है



डॉ. सत्यवान सौरभ

जीते जी जिनको दिया, तानों का उपहार।
मरने पर तस्वीर को, चढ़ते फूल हजार।।

बाप पसीना बेचकर, करता घर आबाद।
आज बुढ़ापे में उसे, बेटे करें न याद।।

जीवन भर जो पालते, रखकर अपनी भूख।
उनके हिस्से छोड़ दी, वृद्धाश्रम की रूख।।

जीते जी दो रोटियाँ, दे न सके परिवार।
श्राद्ध दिवस पर भोज का, करते हैं विस्तार।।

सेवा में माँ-बाप की, जितना सच्चा प्यार।
उतना ही पावन बने, पूजा और' व्यवहार।।

तीर्थ गए संसार में, खोज रहे भगवान।
घर बैठे माँ-बाप में, छूटा सच्चा ज्ञान।।

पिंड चढ़ाकर सोचते, मिल जाएगा मोक्ष।
जीते जी माँ-बाप के, रहते कष्ट परोक्ष ।।

धन-दौलत के मोह में, रिश्ते गए बिसार।
अब बूढ़े माँ-बाप के, सूने पड़ते द्वार।।

श्राद्ध नहीं बस अन्न है, श्राद्ध नहीं बस दान।
सेवा है माँ-बाप की, सच्चा पुण्य महान।।

माँ की ममता भूलकर, दुनिया में क्या जीत।
जिस घर में ये ना हँसे, कैसी सौरभ प्रीत।।

जीवन भर जो बाँटते, सब बच्चों में प्यार।
उन्हें बुढ़ापे में मिले, थोड़ा सा सत्कार।।

कौवे को भोजन दिया, ब्राह्मण को उपहार।
माँ-बापों की भूख पर, क्यों ना आया प्यार।।

कर्मकांड से क्या मिले, यदि मन में हो खोट।
जीते जी सेवा करो, यही धर्म की ओट।।

व्यंग्य केसरी

राजनीति में टोपी



रविंद्र गिन्नोरे

दूसरे को टोपी पहनाकर अपना उल्लू सीधा करने वाले बड़े शातिर होते हैं। राजनीति भी टोपीबाज़ों से भरी पड़ी है। वैसे कुछ टोपी वालों की राजनीति चल निकलती है। कहा जाए तो सत्ता से टोपी का ऐसा अदृश्य ताना-बाना जुड़ा है, जो हर चुनावी मौसम में साफ महसूस होता है।

देश में आजादी के साथ टोपी का चलन भी बढ़ चला है। सर्वाधिक लोकप्रिय टोपी 'गांधी टोपी' रही। गांधी जी ने कभी टोपी नहीं पहनी, मगर उनके नाम पर टोपी पहनने वालों की कमी नहीं रही। गांधी टोपी राजनीति में इतनी लोकप्रिय हुई कि वह सिर से सीधे कुर्सी पर जा बैठी। टोपी और कुर्सी का चोली-दामन का साथ बन गया।

सत्ता बदली, लोग बदले, नारे बदले, घोषणाएँ बदलीं, लेकिन सत्ता टोपी वालों के साथ बनी रही।

टोपी सम्मान की प्रतीक है और पहचान का साधन भी। नेता टोपी इसलिए पहनते हैं कि कोई दूसरा उन्हें टोपी न पहना सके। चुनाव वैतरणी पार कर सत्ता तक पहुंचने में टोपी कारगर साबित होती है। यहाँ टोपी पहनाने का अधिकार केवल नेताओं के पास सुरक्षित है और जनता को टोपी पहनना लोकतांत्रिक कर्तव्य समझा जाता है।

हर चुनाव में नेता जनता के सिर पर विकास, रोजगार, महँगाई, गरीबी हटाने की टोपी रखते हैं। जनता भी बड़े भोलेपन से सिर झुका देती है। पाँच साल बाद जब टोपी तंग लगने लगती है तो नेता कहते हैं 'यह तो पिछली सरकार की टोपी थी। अब हमारी टोपी पहनिए।' जनता टोपी उतारती है, तो उसके नीचे फिर वही खाली सिर दिखाई देता है।

गांधी जी के नाम की टोपी पहनने वाले अपनी आन-बान-शान समझने लगे। धीरे-धीरे हर पार्टी ने गांधी टोपी की तर्ज पर अपनी-अपनी टोपी तैयार कर ली। गिरगिट की तरह रंग बदलने वाले नेताओं ने टोपी के रंग भी बदल लिए। लाल टोपी, हरी टोपी, पीली टोपी और कभी-कभी ऐसी टोपी भी सामने आती है जिसका रंग मौसम देखकर बदलता है। टोपी बदलने के साथ गांधीजी की अहिंसा क्रूरता से बदल गई। अब टोपी केवल सिर पर नहीं रहती; वह घोषणापत्र में, भाषण में, पोस्टर में, सोशल मीडिया में और चुनावी रथ पर भी दिखाई देती है। नेता टोपी पहनकर कहते हैं कि वे जनता के सेवक हैं, और टोपी उतारकर सत्ता के मालिक बन जाते हैं।

रविन्द्र गिन्नौरे
ravindragin-nore58 gmail.com

इतिहास

5 अक्टूबर का दिन देश और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, प्रसिद्ध हस्तियों के जन्म और विशेष दिवस के रूप में दर्ज है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

ज़ 1789: फ्रांस की क्रांति के दौरान पेरिस की महिलाओं ने रोटी की कमी और महंगाई के विरोध में वर्साई की ओर ऐतिहासिक मार्च निकाला, जिसके बाद राजा लुई XVI को पेरिस आना पड़ा।

1813: 1812 के युद्ध के दौरान टेम्स की लड़ाई में अमेरिकी सेना ने ब्रिटिश और मूल अमेरिकी ताकतों को हराया तथा शॉनी जनजाति के प्रसिद्ध नेता टेकुमसेह मारे गए।

1910: पुर्तगाल में राजशाही का तख्तापलट हुआ और देश में प्रथम पुर्तगाली गणराज्य (रिपब्लिक) की स्थापना हुई।
1962: पहली जेम्स बॉन्ड फिल्म 'डॉक्टर नो' (Dr. No) सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

स्कूल के अर्ध सत्र में 'बिड़ला' नाम गायब, पालकों में गुस्सा

न मीटिंग, न लिखित नोटिस बस सुना दिया फरमान

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। शहर के चर्चित बिड़ला ओपन माइंड्स स्कूल में आधे शैक्षणिक सत्र के बाद स्कूल का नाम बदलने की खबर ने पालकों के बीच हड़कंप मचा दिया है।अभिभावकों का आरोप है कि बच्चों का दाखिला 'बिड़ला' ब्रांड की प्रतिष्ठा और नाम को देखते हुए कराया गया था और इसके लिए भारी-भरकम फीस भी ली गई। अब सत्र के बीच अचानक नाम बदलने की जानकारी ने पूरे मामले को सवालों के घेरे में ला दिया है।



दाखिले के वक्त 'बिड़ला', अब नाम ही गायब - पालकों का सवाल सीधा है,जब प्रवेश के समय स्कूल की पहचान और ब्रांड महत्वपूर्ण था, तो सत्र के बीच अचानक वही नाम बदलने की जरूरत क्यों पड़ी ? अभिभावकों का कहना है कि उन्हें इस बदलाव की कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई और न ही इस संबंध में कोई औपचारिक बैठक आयोजित की गई।

टीसी, मार्कशीट और प्रमाण-पत्रों को लेकर अभिभावकों में गहरी चिंता - नाम परिवर्तन की खबर के बाद पालकों की सबसे बड़ी चिंता बच्चों के भविष्य को लेकर है। इस सत्र की मार्कशीट, टीसी, प्रमाण-पत्र और अन्य शैक्षणिक रिकॉर्ड किस नाम से जारी होंगे? क्या नाम परिवर्तन का विद्यार्थियों की मान्यता और भविष्य की पढ़ाई पर कोई असर पड़ेगा ? इन सवालों का स्पष्ट जवाब अभी पालकों को नहीं मिला है।

फोन पर सूचना, लिखित जवाब का इंतजार - पालकों का दावा है कि स्कूल प्रबंधन ने बैठक बुलाकर विस्तृत जानकारी देने के बजाय फोन के माध्यम से नाम परिवर्तन की सूचना दी। अभिभावक इसे गंभीर प्रशासनिक निर्णय मानते हुए लिखित स्पष्टीकरण की मांग कर रहे हैं।

'अब चुप नहीं बैठेंगे' पालकों का ऐलान - मामले को लेकर पालकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पालक संजय रजक ने इसे कथित रूप से अभिभावकों के साथ धोखाधड़ी बताते हुए उपभोक्ता फोरम में शिकायत की तैयारी की बात कही है। पालकों ने सोमवार को स्कूल पहुंचकर प्रबंधन से जवाब मांगने और विरोध दर्ज कराने का ऐलान किया है। यदि संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो पालक कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) के समक्ष शिकायत कर स्कूल की मान्यता, नाम परिवर्तन की प्रक्रिया और विद्यार्थियों के शैक्षणिक रिकॉर्ड की स्थिति की जांच की मांग करने की बात कह रहे हैं।

सबसे बड़ा सवाल - क्या स्कूल का नाम बदलना महज प्रबंधन का फैसला है, या इसके पीछे कोई ऐसा कारण है जिसे पालकों से छिपाया जा रहा है? अब निगाहें स्कूल प्रबंधन के आधिकारिक जवाब पर टिकी हैं। क्योंकि मामला सिर्फ एक स्कूल के नाम का नहीं, बल्कि उन बच्चों के भविष्य का है जिनके अभिभावकों ने विश्वास के आधार पर उन्हें यहां दाखिला दिलाया है।

नवरात्रि दुर्गा पंडाल क्षेत्रों में यातायात का दबाव नहीं रहेगा: प्रशासन

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। नगर में आगामी 11 अक्टूबर से शुरू हो रहे नवरात्रि पर्व के दौरान शहर के पूजा पंडालों और गरबा-डांडिया आयोजनों वाले क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही बढ़ने के साथ ट्रैफिक दबाव बढ़ने की संभावना को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए दुर्गा उत्सव समितियों की भी मदद ली जा सकती है। विशेषकर प्रमुख पूजा पंडालों के आसपास जाम की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा समितियों के वालंटियरां की मदद लेने की योजना बनाई गई है। शहर के तेलीपारा, मध्यनगरी चौक, बंगाली स्कूल, बुधवारी, राजेंद्रनगर और शिव टॉकीज तारबाहर क्षेत्र में गणेश-दुर्गा उत्सव के दौरान वाहनों का दबाव अधिक रहता है।

नवरात्रि के दौरान इन स्थानों पर लोगों की संख्या बढ़ने से यातायात प्रभावित होने की आशंका है। इसके अलावा गरबा और डांडिया आयोजन वाले स्थानों पर शाम से देर रात तक लगातार लोगों की आवाजाही रहती है। दूसरी ओर भीड़ के दौरान अप्रिय घटना होने की भी आशंका रहती है जिसके लिए पुलिस बल तैनात रहेगी जो असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखेगी और बदमाशी करने पर कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी। देखा जाए तो शहर के लगभग हर परिवारों में सदस्यों की तुलना में दोपहिया वाहनों की संख्या बहुत ही ज्यादा हो गई है। यही कारण है कि समय-समय पर होने वाले आयोजन और तीज त्योहार के दौरान बाजार ही नहीं हर जगह पर वाहन रेंगते नजर आते हैं। इससे जाम की स्थिति निर्मित होती है। वहीं दुर्गा उत्सव के दौरान शाम के बाद प्रमुख पंडालों के आसपास भारी भीड़ नजर आती है। लोग दोपहिया चौपहिया वाहनों में परिवार के साथ पूरे शहर का भ्रमण करते हैं जिसकी वजह से न



केवल रोड में बल्कि पंडाल के आसपास जाम की समस्या होती है जिससे आम नागरिकों को ही परेशानी होती है। इन्हीं समस्याओं से निपटने के लिए पंडाल समितियों से भी सहयोग लिया जा सकता है। प्रशासन, समितियों को पंडाल में वालंटियरों की मदद से वाहनों की पार्किंग, प्रवेश एवं निकासी व्यवस्था को व्यवस्थित करने की अपील कर सकती है, ताकि मुख्य मार्गों पर अनावश्यक जाम की स्थिति न बने।

नौ दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक महोत्सव में शहर के चप्पे-चप्पे की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर सतर्क है। यहां प्रमुख मार्गों के साथ-साथ आयोजन स्थलों पर पेट्रोलिंग बढ़ाने के साथ पंडालों तथा आने-जाने वाले रास्तों पर नजर रखी जाएगी। भीड़ में किसी तरह की अप्रिय घटना को रोकने व श्रद्धालुओं को सुरक्षित माहौल मिल सके इसके लिए पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। इस दौरान पुलिस असामाजिक तत्वों, गुंडे-बदमाशों और संदिग्ध गतिविधियों पर भी पैनी नजर रखेगी। त्योहार का माहौल बिगाड़ने या कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था तगड़ी रखी जाएगी और संदिग्धों की धरपकड़ होगी।

महानदी मीडिया क्लब शिवरीनारायण की बैठक में गोपाल केवट अध्यक्ष बने

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। महानदी मीडिया क्लब शिवरीनारायण की प्रथम बैठक आज आयोजित की गई। बैठक में क्लब के गठन, आगामी कार्ययोजना एवं संगठन को मजबूत बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान उग्रेश्वर गोपाल केवट ने अध्यक्ष पद के लिए अपना नाम प्रस्तावित किया, जिस पर उपस्थित सभी पत्रकार साथियों ने सर्वसम्मति से सहमति प्रदान की। इसके साथ ही गोपाल केवट को महानदी मीडिया क्लब शिवरीनारायण का अध्यक्ष चुना गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि क्लब के अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों का विस्तार शुक्रवार, 9 अक्टूबर को आयोजित होने वाली बैठक में किया जाएगा। इस दौरान संगठन की आगामी गतिविधियों एवं कार्ययोजना को लेकर भी चर्चा की जाएगी। नवनियुक्त अध्यक्ष गोपाल केवट ने कहा कि महानदी मीडिया क्लब की कार्यप्रणाली में पूरी पारदर्शिता रखी जाएगी। पत्रकार साथियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए आपसी समन्वय एवं सहयोग के साथ क्लब को मजबूत बनाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समय-समय पर क्लब की ओर से रचनात्मक, सामाजिक एवं पत्रकारिता से जुड़े नए और बेहतर आयोजन किए जाएंगे, जिससे क्षेत्र में पत्रकारिता के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को भी मजबूती मिले।

कोड़ाभाट के चंडी मंदिर में नवरात्रि की तैयारी शुरू 11 से प्रज्वलित होंगे मनोकामना ज्योति कलश

विश्व केसरी■

पामगढ़ (नीरज शर्मा)। जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम कोड़ाभाट में तालाब पार स्थित आदि शक्ति मां चंडी दाई मंदिर में शारदीय क्वांर नवरात्रि पर्व की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंदिर परिसर में नवरात्रि आयोजन को लेकर जय मां चंडी दाई सेवा समिति एवं ग्रामवासी जुटे हुए हैं। इस वर्ष 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक मंदिर में आस्था के मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए जाएंगे।

समिति और ग्रामवासी तैयारियों में जुटे

नवरात्रि पर्व को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए समिति के अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह, बैगा फिरनी केंवट, सहयोगी राजेश सिंह, नरेंद्र चौबे, पुरुषोत्तम यादव सहित जय मां चंडी दाई सेवा समिति के सदस्य एवं समस्त ग्रामवासी तैयारियों में जुटे हैं।



नवरात्रि के दौरान मां चंडी दाई के दर्शन, पूजा-अर्चना और मनोकामना ज्योति कलश के माध्यम से श्रद्धालु अपनी आस्था प्रकट करेंगे। मंदिर में पर्व को लेकर भक्तिमय माहौल बनने की उम्मीद है।

केरा-बिर्रा मार्ग पर हसदेव नदी का पुल जर्जर बाहर निकली सरिया बन रही हादसों की वजह

विश्व केसरी■

केरा/बिर्रा (नीरज शर्मा)। केरा से बिर्रा मार्ग पर हसदेव नदी पर बना पुल इन दिनों बदहाल स्थिति से गुजर रहा है। पुल की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि छोटे-मोटे वाहनों का आवागमन भी मुश्किल होता जा रहा है। पुल पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं और कई स्थानों पर सड़क की सतह से लोहे की सरिया बाहर निकल आई हैं। इससे वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। इसके बावजूद पुल की मरम्मत को लेकर ठोस पहल होती नजर नहीं आने से राहगीरों की परेशानी बढ़ती जा रही है।

गड्ढों और बाहर निकली सरिया से हादसों का खतरा - पुल पर बने गड्ढे वाहन चालकों के लिए बड़ी मुसीबत बन गए हैं। गड्ढों से बचने के प्रयास में वाहन चालकों को अचानक दिशा बदलनी पड़ती है, जिससे सामने से आने वाले वाहनों के साथ टक्कर होने का खतरा बना रहता



है। वहीं, सड़क से बाहर निकली लोहे की सरिया दोपहिया और छोटे वाहनों के लिए विशेष रूप से खतरनाक साबित हो सकती है। स्थानीय स्तर पर इनकी वजह से दुर्घटनाएं होने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। ऐसे में पुल की तत्काल मरम्मत और सुरक्षा इंतजामों की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

भारी वाहनों की आवाजाही से बढ़ रही परेशानी - इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता है। भारी वाहनों के लगातार गुजरने से पुल की क्षतिग्रस्त सतह पर दबाव बढ़ता है और स्थिति दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है। पुल की मौजूदा हालत को देखते हुए वाहन चालकों को धीमी गति से और अतिरिक्त सावधानी के साथ गुजरना पड़ता है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों और छोटे चारपहिया वाहनों के लिए यहां से निकलना किसी चुनौती से कम नहीं है।

धूल के गुबार से दिखाई देना हो रहा मुश्किल - पुल की बदहाल सतह से उड़ने वाली धूल भी राहगीरों की परेशानी बढ़ा रही है। वाहनों के गुजरने पर धूल का गुबार उठता है, जिससे कुछ समय के लिए सामने का रास्ता स्पष्ट दिखाई नहीं देता। ऐसी स्थिति में चालक को सामने से आ रहे वाहन, गड्ढे और सड़क पर मौजूद अन्य बाधाएं देखने में परेशानी हो सकती है।

शिवरीनारायण में आज होगा गौ सम्मान अभियान पथमेड़ा गौशाला के भरत महाराज होंगे शामिल

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। गौमाता के सम्मान, सेवा एवं सुरक्षा के उद्देश्य से धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में 5 अक्टूबर 2026 को गौ सम्मान अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राजस्थान के पथमेड़ा गौशाला से भरत महाराज के शिवरीनारायण आगमन के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में गौभक्तों, धर्मप्रेमियों एवं सनातन समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है।

कार्यक्रम का आयोजन 5 अक्टूबर को प्रात: 10 बजे शिवरीनारायण के कैफेटेरिया मेला ग्राउंड में होगा। अभियान के माध्यम से देशी गौवंश की सुरक्षा, सेवा और सम्मान के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

आयोजकों ने सभी गौभक्तों से अपने व्यस्त समय में से कम से कम एक घंटा निकालकर कार्यक्रम में सहभागिता निभाने का आग्रह किया है।

हर गांव से सहभागिता पर जोर - गौ सम्मान अभियान को व्यापक जनसमर्थन दिलाने के उद्देश्य से प्रत्येक परिचित गांव से कम से कम दो लोगों तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत से सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की गई है। साथ ही लोगों से अपने मित्रों, परिचितों और आसपास के नागरिकों को भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रेरित करने का अनुरोध किया गया है।

'गिलहरी योगदान' से जुड़ेगा जन-जन - अभियान के संदेश में भगवान श्रीराम के कार्य में गिलहरी द्वारा किए गए छोटे-से योगदान का उदाहरण देते हुए कहा गया है कि गौमाता की सेवा और सुरक्षा के लिए प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दे सकता है। अभियान का उद्देश्य लोगों में गौसेवा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और गौमाता की पीड़ा को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है।

आयोजन से जुड़े लोगों ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस पुनीत पहल का हिस्सा बनें और गौमाता के सम्मान एवं सुरक्षा के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाएं।

अकलतरा में उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा अग्रसेन जयंती समारोह

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। अग्रवाल समाज के आराध्य एवं समाजवाद, समानता और सेवा के प्रेरणास्रोत महाराजा अग्रसेन जी की जयंती के अवसर पर अग्रवाल सेवा समिति एवं अग्रवाल महिला समिति, अकलतरा द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला जयंती समारोह इस वर्ष भी उत्साह, उमंग और सामाजिक एकजुटता के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष समारोह के आयोजन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी समाज की नारी शक्ति श्रीमती राखी कैलाश अग्रवाल को सौंपी गई है।जयंती समारोह को विशेष गरिमा प्रदान करते हुए समाज की प्रतिष्ठित शिक्षाविद एवं समाजसेवी डॉ. श्रीमती अनिता अग्रवाल, रायपुर ने मुख्य अतिथि



के रूप में तथा कुमारी वैभवी अग्रवाल, रायपुर, चयनित आईएएस 2026, ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी सहमति प्रदान की है। दोनों विशिष्ट महिला व्यक्तित्वों की उपस्थिति समारोह में नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का संदेश देगी। श्री अग्रसेन जयंती समारोह आयोजन समिति 2026 द्वारा 27 सितंबर से विभिन्न रचनात्मक, मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इनमें टीपा फोड़, मोमबत्ती जलाओ, लूडो, शतरंज, कैरम, साथिया-छाबड़ी बनाओ, लड्डू गोपाल की पोशाक सजाओ, धार्मिक क्विज, मेहंदी लगाओ सहित अनेक प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में एक हजार विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा



विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं संस्कारों के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में अकलतरा विकासखंड के 40 से अधिक विद्यालयों के करीब एक हजार विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।परीक्षा संयोजक दीपक साहू ने बताया कि परीक्षा का आयोजन अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में किया जाता है। यह परीक्षा देश के 22 प्रांतों और करीब 400 जिलों में 11 भाषाओं में आयोजित होती है, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यालय, शिक्षक एवं विद्यार्थी शामिल होते हैं। परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों, परंपराओं एवं संस्कारों से परिचित कराना है। अकलतरा शहर सहित कटनई, तिलई, अकलतरी, मधुवा, पोंडी-दल्हा, परसाही, कल्याणपुर, खोड़, किरारी, तरोद, तागा, कोटगढ़, महमदपुर और बरगवां सहित विभिन्न क्षेत्रों के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। आयोजकों के अनुसार परीक्षा में शामिल सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

पुलिस के पास गाड़ियां कम, पेट्रोलिंग पर बड़ा संकट, बिलासपुर के थानों को चाहिए 43 और वाहन

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। शहर और जिले में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था और लगातार बढ़ती पुलिसिंग की जरूरत के बीच बिलासपुर पुलिस के सामने वाहनों की कमी बड़ी चुनौती बनती जा रही है। जिले के थानों और चौकियों में पेट्रोलिंग वाहनों की कमी का असर सीधे पुलिस की त्वरित कार्रवाई पर पड़ रहा है। विभाग को 43 अतिरिक्त वाहनों की जरूरत है, जिनमें करीब 30 वाहन केवल पेट्रोलिंग के लिए मांगे गए हैं।

खराब गाड़ियों ने बढ़ाई मुश्किल- पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले में वर्तमान में छोटी-बड़ी मिलाकर करीब 88 सरकारी गाड़ियां उपलब्ध हैं, लेकिन इनमें से कई वाहन पुराने होने के साथ लगातार खराब भी होते रहते हैं। इसके कारण पेट्रोलिंग व्यवस्था प्रभावित हो रही है। जिले के 17 थानों और तीन चौकियों में फिलहाल करीब 20 पेट्रोलिंग वाहन लगाए गए हैं। ट्रैफिक थाने में भी चार पेट्रोलिंग वाहन उपलब्ध हैं।

एक वाहन के भरोसे पूरा थाना क्षेत्र - बड़े क्षेत्रफल वाले सिविल लाइन, सिरगिट्टी, सकरी जैसे थानों में कई बार एक ही वाहन से पूरे क्षेत्र में गश्त करनी पड़ती है। किसी घटना की सूचना मिलने पर यदि पेट्रोलिंग वाहन मौके पर चला गया तो दूसरे इलाके में तत्काल पहुंचने के लिए पुलिसकर्मियों को दूसरे वाहन का इंतजार करना पड़ता



है। इससे पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका बनी रहती है। पुलिस के वाहनों का इस्तेमाल केवल पेट्रोलिंग के लिए ही नहीं होता। जवानों को गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय ले जाने, घटना की जांच, वीआईपी मूवमेंट, ड्यूटी, जजों के पायलट, अधिकारियों के दौरे और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए भी वाहन उपलब्ध कराने पड़ते हैं। ऐसे में सीमित संख्या में वाहनों पर लगातार अतिरिक्त दबाव बना रहता है।

खराब वाहन तो बन जाते हैं मुसीबत - वाहनों की कमी के साथ उनकी खराब हालत भी पुलिस के लिए परेशानी का कारण है। खबर के अनुसार तारबाहर थाने में कुछ दिन पहले रात करीब 11:30 बजे पेट्रोलिंग कर रहे जवानों के वाहन का पावर स्टेयरिंग खराब हो गया। गाड़ी को सड़क किनारे खड़ा कर जवानों ने आसपास के लोगों से मदद मांगी। बाद में वाहन की मरम्मत कराई गई।पुलिसकर्मियों का कहना है कि रात की पेट्रोलिंग के दौरान वाहन खराब होना सुरक्षा के लिहाज से भी गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। यदि किसी संवेदनशील इलाके में तत्काल पुलिस सहायता की जरूरत हो और पेट्रोलिंग वाहन रास्ते में खराब हो जाए तो पुलिस की पहुंच में देरी हो सकती है।

विधानसभा में भी उठ चुका है वाहन खर्च का मुद्दा - पुलिस वाहनों और डीजल-पेट्रोल के बढ़ते खर्च का मुद्दा विधानसभा में भी उठ चुका है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक प्रदेश के पुलिस विभाग के पास करीब 2618 ट्रक, 720 मप/एमपी, 364 भारी वाहन और 6279 मोटरसाइकिलें उपलब्ध हैं। विभाग द्वारा वाहनों की मरम्मत सहित अन्य मदों में बड़ी राशि खर्च की जाती है। बिलासपुर में भी करीब 350 करोड़ रुपये खर्च होने की जानकारी सामने आई थी, जबकि बिलासपुर पुलिस का बजट करीब 63.5 करोड़ रुपये बताए जाने का उल्लेख है।

40 से ज्यादा वाहनों की अतिरिक्त जरूरत

पुलिस विभाग की ओर से करीब 40 से अधिक अतिरिक्त वाहनों की आवश्यकता बताई गई है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय को पत्र भेजे जाने की जानकारी है। बड़े थानों के साथ फोर्स प्वाइंट समेत अन्य जरूरी जगहों के लिए भी अतिरिक्त वाहनों की मांग की गई है। सबसे बड़ी जरूरत पेट्रोलिंग वाहनों की है। अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था के लिहाज से यदि हर थाना क्षेत्र में पर्याप्त और चालू हालत में वाहन उपलब्ध हों, तो सूचना मिलने के बाद पुलिस की पहुंच और कार्रवाई दोनों में तेजी लाई जा सकती है।

छोटी सी घटना भी खड़ी कर देती है बड़ी परेशानी

वाहनों की कमी का असर केवल पेट्रोलिंग तक सीमित नहीं है। हाल ही में एक परिवार और पुलिस के बीच विवाद की सूचना मिलने पर रात करीब 10:30 बजे पेट्रोलिंग वाहन को मौके पर भेजा गया। वाहन पहले दोनों पक्षों को लेकर थाने पहुंचा और बाद में एक टीम को दूसरे कार्य के लिए रवाना करना पड़ा। ऐसी परिस्थितियां बताती हैं कि सीमित वाहनों में पुलिस को एक साथ कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ रही हैं। फिलहाल सवाल यही है कि जब पुलिस से हर समय त्वरित कार्रवाई की उम्मीद की जाती है, तो क्या पर्याप्त संख्या में चालू हालत के पेट्रोलिंग वाहन उपलब्ध कराना भी उतनी ही प्राथमिकता नहीं होनी चाहिए?

भारत को लेकर बढ़ रहा अंतरराष्ट्रीय विश्वास, विकास क्षमता बना रही निवेशकों की पसंदः वैश्विक विशेषज्ञ

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2026 में दुनिया भर से आए अर्थशास्त्रियों और नीति विशेषज्ञों ने रविवार को वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों और आर्थिक चुनौतियों के बीच देशों की आर्थिक मजबूती बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। सम्मेलन में भारत की विकास संभावनाओं, वैश्विक व्यापार व्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु जोखिमों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

स्वीडिश अर्थशास्त्री एरिक बर्गलोफ ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि वह इस सम्मेलन से इसकी शुरुआत से जुड़े रहे हैं और समय के साथ इसकी गुणवत्ता तथा अंतरराष्ट्रीय भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि इस बार पहले की तुलना में कहीं अधिक देशों और प्रतिनिधियों की भागीदारी देखने को मिल रही है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियां अत्यधिक अनिश्चित हैं और इसी संदर्भ में सम्मेलन की चर्चाएं महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा, व्यापार और आपूर्ति शृंखलाओं से जुड़े जोखिमों के बीच अर्थव्यवस्थाओं को अधिक लचीला और सक्षम बनाने पर विचार-विमर्श समय की जरूरत है।

एरिक बर्गलोफ ने आईएएनएस से कहा, 'भारत की विकास संभावनाएं मजबूत हैं और कोविड-19 के बाद देश ने प्रभावशाली आर्थिक गति हासिल की है।' उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में मजबूत वृद्धि की क्षमता बनी हुई है। हालांकि उन्होंने कहा कि ईरान से जुड़े संघर्ष और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर भारत समेत कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ा है। उन्होंने आगे बताया कि सरकार ने आम लोगों और कारोबारों को राहत देने के प्रयास किए हैं, लेकिन इससे राजकोषीय दबाव भी बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकटों के बीच विकास गति बनाए रखना नीति निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। इसके अलावा, ब्राजील स्थित क्लाइमेट पॉलिसी इनिशिएटिव के कार्यकारी निदेशक जुलियानो असुन्साओ ने आईएएनएस से कहा कि आज दुनिया जिस सबसे बड़े साझा जोखिम का सामना कर रही है, वह जलवायु परिवर्तन है।

उन्होंने कहा, 'जलवायु संकट किसी एक देश का मुद्दा नहीं है और इससे निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी होगा। भारत और ब्राजील न केवल जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सामना कर रहे हैं, बल्कि समाधान का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं।' जुलियानो असुन्साओ ने आगे कहा कि भारत और ब्राजील के बीच ब्रिक्स जैसे मंचों के माध्यम से पहले से कई संस्थागत संबंध मौजूद हैं। इसके अलावा भारतीय कंपनियों का ब्राजील में निवेश भी बढ़ रहा है।

सितंबर में एफपीआई ने निकाले 45,536 करोड़ रुपए बड़ी कंपनियों के शेयरों के वैल्यूएशन हुए आकर्षक

विश्व केसरी■



मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर 2026 में भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली की और कुल 45,536 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयर बेचे। हालांकि, प्राथमिक बाजार में उनकी रुचि बनी रही और उन्होंने सितंबर के दौरान 9,676 करोड़ रुपए का निवेश किया।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के दिनों में विदेशी निवेशकों की बिकवाली में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली है, जिसकी प्रमुख वजह अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड का 5.2 प्रतिशत से ऊपर पहुंचना और कच्चे तेल की कीमतों के लंबे समय तक ऊंचे बने रहने की आशंका रही है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वी.के. विजयकुमार ने कहा कि लगातार विदेशी बिकवाली ने भारतीय शेयर बाजार को काफी कमजोर किया है। इसी दबाव के चलते बाजार लगातार आठ सप्ताह तक गिरावट के साथ बंद हुआ। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 13 प्रतिशत कम बारिश वाले कमजोर मानसून ने भी निवेशकों की धारणा पर असर डाला है।

हालांकि, हालिया करेक्शन के बाद बड़ी कंपनियों यानी लार्ज-कैप शेयरों के वैल्यूएशन अब अधिक आकर्षक दिखाई देने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि गुणवत्ता वाली बड़ी कंपनियों के शेयरों में दीर्घकालिक निवेशकों के लिए अवसर बन सकते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि विदेशी निवेशकों की बिकवाली में ठहराव या वापसी के लिए कुछ सकारात्मक संकेत आवश्यक होंगे। इनमें कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में नरमी प्रमुख कारक होंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई और अगस्त में कच्चे तेल की कीमतों में संभावित गिरावट की उम्मीदों के कारण विदेशी निवेशकों का रुख सकारात्मक हुआ था, लेकिन वह रुझान अस्थायी साबित हुआ। 28 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच केवल चार कारोबारी सत्रों में ही विदेशी निवेशकों ने लगभग 34,965 करोड़ रुपए की अस्थायी इक्विटी बिकवाली की, जबकि इसी अवधि के लिए रिपोर्ट की गई गतिविधि के लिए निर्धारित इक्विटी बिकवाली 27,962 करोड़ रुपए रही।

मार्केट आउटलुकः अगले हफ्ते आरबीआई पॉलिसी, तिमाही नतीजे और पश्चिम एशिया तनाव जैसे अहम कारक तय करेंगे बाजार की दिशा

विश्व केसरी■



मुंबई। छुट्टियों के कारण छोटे रहे कारोबारी सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार पर वैश्विक दबाव हावी रहा और प्रमुख सूचकांक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तरों से नीचे फिसल गए। अब अगले सप्ताह निवेशकों की निगाहें आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा, दूसरी तिमाही (क्यू2) के कॉरपोरेट नतीजों और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव पर रहेंगी, जो बाजार की अगली दिशा तय कर सकते हैं।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेत मिलते हैं, तो भारतीय बाजार में तेज राहतभरी तेजी देखने को मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर, आरबीआई की नीति, महंगाई पर उसका दृष्टिकोण और आर्थिक वृद्धि के अनुमान घरेलू ब्याज दरों तथा वित्तीय बाजारों के लिए महत्वपूर्ण संकेत देंगे।

पिछले सप्ताह बाजार में कमजोरी की शुरुआत पहले कारोबारी दिन से ही दिखाई दी। सोमवार को सेंसेक्स 1.52 प्रतिशत गिरा, जबकि अगले दो सत्रों में भी कमजोरी बनी रही। गुरुवार को सूचकांक में 0.79 प्रतिशत की और गिरावट दर्ज की गई।

साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 1,670.84 अंक टूटकर 71,909.70 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 3 प्रतिशत से अधिक गिरकर 22,421.95 पर आ गया। विश्लेषकों के अनुसार यह गिरावट बाजार में जारी करेक्शन के दौर को दर्शाती है।

तकनीकी दृष्टि से देखें तो निफ्टी लगातार आठवें सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुआ है। विशेषज्ञों के मुताबिक साप्ताहिक आरएसआई (रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स) लगभग 31.06 पर है, जो 50 के तटस्थ स्तर से काफी नीचे है और बाजार में कमजोर मोमेंटम को दर्शाता है। हालांकि आरएसआई अब ओवरसोल्ड जोन के करीब पहुंच रहा है, जिससे निचले स्तरों पर बीच-बीच में तकनीकी रिकवरी देखने को मिल सकती है।

तकनीकी विश्लेषण के अनुसार, निफ्टी के लिए निकट अवधि में 22,800 और 23,000 का स्तर महत्वपूर्ण प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) रहेगा। इन स्तरों के ऊपर टिकाऊ बढ़त मिलने पर बिकवाली का दबाव कम हो सकता है। वहीं नीचे की ओर 22,350 और 22,180 के स्तर प्रमुख समर्थन (सपोर्ट) माने जा रहे हैं।

आरबीआई की एमपीसी बैठक से पहले ब्याज दरों में बढ़ोतरी के आसार

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक अगले हफ्ते होने वाली है। बैठक से पहले अर्थशास्त्रियों का मानना है कि सेंट्रल बैंक अब ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला शुरू कर सकता है। पहले दिसंबर में बढ़ोतरी की उम्मीद थी लेकिन अब इसे अक्टूबर में ही शुरू होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

बैंक ऑफ अमेरिका (बीओएफए) के मुताबिक, बढ़ती ऊर्जा कीमतों, खाद्य महंगाई और चौतरफा महंगाई के दबाव के कारण अक्टूबर में 25 बेसिस पॉइंट्स (बीपीएस) की बढ़ोतरी संभव है जबकि पहले यह दिसंबर में अनुमानित थी।

बीओएफए ने कहा, 'लगभग दो साल की मौद्रिक नरमी के बाद, आरबीआई अक्टूबर एमपीसी में नीतिगत समर्थन वापस लेने के शुरुआती कदम उठाने के लिए तैयार दिख रहा है। ऐसे में हमें लगता है कि आरबीआई अक्टूबर एमपीसी में 25बीपीएस की दर से बढ़ोतरी करेगा।'

एसबीआई रिसर्च ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस समय 25-बीपीएस की दर से बढ़ोतरी का जोखिम काफी बढ़ गया है। महंगाई का दायरा बढ़ना, वैश्विक हालात बिगड़ना, लिक्विडिटी की स्थिति और वैश्विक स्तर पर जोखिमों का दोबारा मूल्यांकन, पहले से कार्रवाई करने की जरूरत को मजबूत कर रहा है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होनी है, जिसमें बेंचमार्क रेपो रेट पर फैसला लिया जाएगा।

एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल के दाम का जोखिम और वैश्विक जोखिमों के दोबारा मूल्यांकन को देखते हुए, 'हमारे लिए कर्व से पीछे रहने के बजाय पहले से ही कार्रवाई करना समझदारी होगी।'

महंगाई अब तेजी से बढ़ रही है। सीपीआई महंगाई अगस्त में बढ़कर 4.82 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 4.45 प्रतिशत थी। मजबूत अल नीनो और अक्टूबर में सामान्य से कम बारिश रबी की पैदावार के लिए और जोखिम पैदा कर सकती है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, महंगाई और वैश्विक स्तर पर बॉन्ड यील्ड बढ़ने से आरबीआई के लिए दरों को यथावत रखने की गुंजाइश कम हो गई है। बीएनपी पारिबा इंडिया की एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले कुछ हफ्तों में भारत का मैक्रो-आउटलुक कमजोर हुआ है, क्योंकि ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चला गया है और अमेरिका के 10-साल के ट्रेजरी यील्ड 5 प्रतिशत की ओर बढ़ गए हैं।

गंभीर स्वच्छता खामियों के चलते क्रिएटिव बेकर्स का लाइसेंस निलंबित

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के उल्लंघन पर दो बड़ी कार्रवाई करते हुए पश्चिम बंगाल स्थित क्रिएटिव बेकर्स एंड कन्फेक्शनर्स प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को अपने जीरा पाउडर के एक बैच को बाजार से वापस मंगाने का निर्देश दिया गया है।

एफएसएसएआई ने बयान में कहा कि क्रिएटिव बेकर्स एंड कन्फेक्शनर्स की विनिर्माण इकाई के निरीक्षण के दौरान कई गंभीर खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी कमियां सामने आईं। जांच में खाद्य उत्पादन और हैंडलिंग क्षेत्रों में गंदगी, चिकनाई, धूल, मकड़ी के जाले और मक्खियों की मौजूदगी पाई गई।

नियामक के अनुसार, नष्ट होने वाले कच्चे माल को खुले में रखा जा रहा था, जबकि कच्चे माल और अर्ध-निर्मित उत्पादों के भंडारण के लिए जंग लगे और ठीक से साफ न किए गए कंटेनरों का उपयोग किया जा रहा था। ऐसी परिस्थितियां खाद्य पदार्थों के दूषित होने का जोखिम बढ़ाती हैं।

निरीक्षण के दौरान खाद्य हैंडलिंग क्षेत्रों में कचरा, पुराना स्टॉक, अस्वीकृत सामग्री और स्क्रैप भी जमा मिला। इसके अलावा परिसर में जंग लगी मशीनें, उखड़ता पेंट, नमी वाली दीवारें और क्षतिग्रस्त फर्श टाइलें भी पाई गईं।

एफएसएसएआई ने यह भी पाया कि कंपनी कई अनिवार्य खाद्य सुरक्षा रिकॉर्ड और निगरानी प्रणालियों का उचित रखरखाव नहीं कर रही थी। इनमें पानी और तैयार उत्पादों की परीक्षण रिपोर्ट, तापमान निगरानी रिकॉर्ड, उपकरणों की कैलिब्रेशन जानकारी, प्रिवेंटिव मेंटेनेंस रिकॉर्ड, मॉक रिकॉल दस्तावेज, उपभोक्ता शिकायत रजिस्टर, प्रशिक्षण रिकॉर्ड और ऑडिट रिपोर्ट शामिल हैं।

इन गंभीर कमियों को देखते हुए एफएसएसएआई ने कंपनी का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया और उसे निलंबन अवधि के दौरान सभी खाद्य संबंधी गतिविधियां बंद करने का निर्देश दिया है।

दूसरी ओर, नियामक ने एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को अपने प्री-पैक्ड जीरा पाउडर के एक बैच को वापस मंगाने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई प्रयोगशाला परीक्षण में उत्पाद में अनुमत सीमा से अधिक कीटनाशक अवशेष पाए जाने के बाद की गई।

एफएसएसएआई के अनुसार, गोवा स्थित रिवरसाइड रिसॉर्ट्स एंड हॉलिडे होम्स परिसर से लिए गए नमूने की जांच की गई थी। खाद्य विश्लेषक ने इसे खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत 'असुरक्षित' घोषित किया।

जांच रिपोर्ट में पाया गया कि उत्पाद में एजोक्सीस्ट्रोबिन और थायमेथोक्साम नामक कीटनाशकों के अवशेष निर्धारित अधिकतम सीमा से अधिक मात्रा में मौजूद थे।

एफएसएसएआई ने कहा कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है कि खाद्य उत्पाद निर्धारित मानकों के अनुरूप हों। नियामक खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के मामलों में सख्त निगरानी और कार्रवाई जारी रखेगा, ताकि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पाद उपलब्ध कराए जा सकें।

साइबर हमलों से बैंकों के ग्राहकों का डेटा लीक दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने दिए जांच के आदेश

विश्व केसरी■



सोल। दक्षिण कोरिया में हाल में हुए साइबर हमलों में हाना बैंक, केबी कूकमिन बैंक और शिनहान बैंक समेत कई वित्तीय कंपनियों के ग्राहकों की जानकारी लीक होने के मामले सामने आने के बाद रविवार को दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने संस्थानों पर हुए लगातार साइबर हमलों की पूरी जांच करने का आदेश दिया। इन हमलों में ग्राहकों की निजी जानकारी लीक हुई है।

योनहाप न्यूज एजेंसी के मुताबिक, राष्ट्रपति की प्रवक्ता कांग यू-जुंग ने एक प्रेस रिलीज में कहा, 'राष्ट्रपति ली को हाल में वित्तीय और सरकारी संस्थानों में हुए डेटा लीक और उनसे निपटने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी गई।'

उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने अधिकारियों को इस मामले को गंभीरता से लेने, पूरी जांच करने और समस्या से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा है।

गुरुवार को शिनहान बैंक ने बताया कि उसके करीब 25 हजार ग्राहकों की निजी जानकारी लीक हुई है। इसमें ग्राहकों के नाम, फोन नंबर और सालाना आय जैसी जानकारियां शामिल थीं। सूत्रों के मुताबिक, बैंक पर हमला करने वाले हैकरों ने एडवांस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स का इस्तेमाल किया था।

हाना बैंक के 89 ग्राहकों की निजी जानकारी भी लीक होने का पता चला है। वहीं, वूरी बैंक और एनएच नोंगह्युप बैंक को भी इसी तरह के साइबर हमलों में निशाना बनाने की कोशिश की गई। हालांकि, इन बैंकों ने अपने सिस्टम में बिना इजाजत दाखिल होने की कोशिश को रोक दिया, जिससे ग्राहकों की निजी जानकारी लीक नहीं हुई। फाइनेंशियल सर्विसेज कमीशन के चेयरमैन ली इओग-वोन और फाइनेंशियल सुपरवाइजरी सर्विस के गवर्नर ली चान-जिन का रविवार को प्रभावित वित्तीय कंपनियों के प्रमुखों के साथ एक इमरजेंसी बैठक करने का कार्यक्रम था। बैठक में इन साइबर हमलों

भारत की विकास दर प्रभावशाली, लेकिन वैश्विक चुनौतियों से सतर्क रहना जरूरीः विशेषज्ञ

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में 3 से 5 अक्टूबर, 2026 तक 'प्रवाह के युग में सुदृढशीलता' विषय के तहत आयोजित 5वें कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2026 के दौरान अर्थशास्त्रियों और नीति विशेषज्ञों ने रविवार को कहा कि मौजूदा समय वैश्विक स्तर पर असाधारण अनिश्चितताओं का दौर है, ऐसे में सरकारों और निजी क्षेत्र दोनों के लिए आर्थिक लचीलापन विकसित करना बेहद जरूरी हो गया है।

वॉशिंगटन डीसी स्थित अर्थशास्त्री और व्यवसाय विशेषज्ञ प्रो. प्रवीण कृष्णा ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि यह सम्मेलन बिल्कुल सही समय पर आयोजित हो रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय जटिल भू-राजनीतिक परिस्थितियों का सामना कर रही है। मध्य पूर्व में तनाव, रूस-यूक्रेन संघर्ष और अमेरिका की नीतियों में हो रहे बदलाव वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे माहौल में सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकारें और उद्योग जगत लगातार बदलती परिस्थितियों में अपनी अर्थव्यवस्था को किस तरह मजबूत और सुरक्षित बनाए रखें। प्रो. प्रवीण कृष्णा ने आगे आईएएनएस से कहा, 'भारत की आर्थिक प्रगति पिछले वर्षों में काफी प्रभावशाली रही है और यह देश की आर्थिक नीतियों और प्रबंधन की सफलता को दर्शाती है।' हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि अच्छी वृद्धि दर के बावजूद कई चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं और कुछ नई चुनौतियां भविष्य में सामने आ सकती हैं।

उन्होंने कहा कि सम्मेलन में सबसे सकारात्मक बात यह देखने को मिली कि सरकारी अधिकारी, उद्योग जगत और नीति निर्माता संभावित जोखिमों को लेकर पूरी तरह जागरूक हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न पक्ष इस बात पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं कि जोखिमों को कैसे कम किया जाए, किस प्रकार वैकल्पिक व्यवस्था तैयार की जाए और अनिश्चितताओं के बीच आर्थिक सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए। प्रो. कृष्णा ने आगे कहा कि वर्तमान वैश्विक माहौल में केवल एक या दो बाजारों या ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर रहना जोखिम बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि देशों को अपने व्यापारिक साझेदारों और ऊर्जा आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने पर ध्यान देना होगा। उन्होंने बताया कि जोखिम प्रबंधन, वैकल्पिक आपूर्ति शृंखलाओं का निर्माण और विभिन्न देशों के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करना आने वाले समय की महत्वपूर्ण रणनीतियां होंगी।

बच्चे से दोस्ती और पेरेंटिंग में फर्क है, ये बातें बताती हैं आप कहां गलती कर रहे हैं



बच्चे के साथ दोस्ताना रिश्ता उसे खुलकर बात करने में मदद कर सकता है, लेकिन माता-पिता की भूमिका केवल दोस्त तक सीमित नहीं होती. जरूरी नियम, जिम्मेदारी और सही-गलत की समझ भी उतनी ही अहम हैं. अपनापन और सीमाओं के बीच संतुलन स्वस्थ पालन-पोषण का आधार बन सकता है.

बच्चे के साथ दोस्त जैसा रिश्ता रखना आज कई माता-पिता की प्राथमिकता बन गया है. वे चाहते हैं कि बच्चा अपनी हर बात बिना डरे उनसे साझा करे. यह सोच अच्छी है, लेकिन दोस्ती और पालन-पोषण एक जैसी भूमिका नहीं हैं. कई बार बच्चे को खुश रखने या उसका भरोसा बनाए रखने के चक्कर में माता-पिता जरूरी सीमाएं तय करना छोड़ देते हैं. दूसरी तरफ कुछ माता-पिता हर बात में रोक-टोक करके बच्चे से दूरी बना लेते हैं.

दोनों स्थितियों के बीच संतुलन जरूरी है. बच्चे को ऐसा माहौल चाहिए जहां वह अपनी बात कह सके, लेकिन साथ ही उसे सही-गलत समझाने वाला मार्गदर्शन भी मिले, अगर यह संतुलन बिगड़ रहा है तो रोजमर्रा की कुछ छोटी बातें इसके संकेत दे सकती हैं.

बच्चे से दोस्ती जरूरी है, लेकिन माता-पिता की भूमिका अलग है

बच्चे से दोस्ताना व्यवहार का मतलब यह नहीं कि माता-पिता अपनी जिम्मेदारी छोड़ दें. एक दोस्त बच्चे की बात सुन सकता है, उसके साथ खेल सकता है और उसकी भावनाओं को समझ सकता है. माता-पिता को इन सबके साथ बच्चे के लिए सीमाएं और नियम भी तय करने होते हैं.

मसलन बच्चा देर रात तक मोबाइल चलाना चाहता है, अगर माता-पिता केवल दोस्त बनने के चक्कर में हर बार उसकी बात मान लेते हैं तो वह सीमाओं को गंभीरता से लेना नहीं सीख पाएगा. वहीं बिना बात सुने मोबाइल छीन लेना भी सही तरीका नहीं है. बेहतर है कि उसकी बात सुनी जाए और फिर उम्र के हिसाब से नियम समझाया जाए.

ये बातें बता सकती हैं कि संतुलन बिगड़ रहा है

बच्चा हर बात पर अपनी मनमानी करता है

अगर बच्चा घर के छोटे-बड़े फैसलों में हमेशा अपनी बात मनवाने लगे और माता-पिता केवल झगड़ा टालने के लिए उसकी इच्छा मान लें तो यह संकेत हो सकता है कि सीमाएं स्पष्ट नहीं हैं. बच्चे को विकल्प देना अच्छी बात है, लेकिन हर फैसला उसकी पसंद के अनुसार होना जरूरी नहीं. उसे यह समझना भी सीखना चाहिए कि कुछ नियम उसकी सुरक्षा और जिम्मेदारी से जुड़े हैं. जैसे होमवर्क, सोने का समय या स्क्रीन टाइम.

गलती पर समझाने के बजाय बात टाल देना

कभी-कभी माता-पिता सोचते हैं कि डांटने से बच्चा उनसे दूर हो जाएगा. इसलिए वे उसकी गलती देखकर भी कुछ नहीं कहते, लेकिन गलती पर शांत तरीके से बात करना पालन-पोषण का जरूरी हिस्सा है, अगर बच्चे ने किसी से बदतमीजी की है तो उसे शर्मिंदा करने के बजाय यह समझाया जा सकता है कि उसके शब्दों से सामने वाले को कैसा महसूस हो सकता है. इससे बच्चा गलती को समझने और उसे सुधारने की कोशिश कर सकता है.

बच्चे को हर परेशानी से तुरंत बचा लेना

बच्चे की परेशानी देखकर मदद करना स्वाभाविक है. मगर हर छोटी मुश्किल का समाधान माता-पिता खुद कर दें तो बच्चे को समस्या सुलझाने का मौका कम मिलता है।

उदाहरण के लिए अगर बच्चा स्कूल का सामान भूल गया है तो हर बार माता-पिता उसे तुरंत स्कूल पहुंचाने के बजाय उससे सवाल कर सकते हैं कि अगली बार इसे याद रखने के लिए वह क्या कर सकता है. इस तरह मदद के साथ जिम्मेदारी की समझ भी विकसित होती है।

सब्जी नहीं संजीवनी है सहजन, एनीमिया से हड्डियों तक में फायदेमंद, आयरन फोलेट कैल्शियम का खजाना



मुनगा यानी सहजन की फली और इसकी पत्तियां आमतौर पर सब्जी के रूप में खाई जाती हैं लेकिन आयुर्वेद में इसे औषधीय गुणों से भरपूर माना गया है. छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की गवर्नमेंट आयुर्वेद डिस्पेंसरी जॉनी लाइन की आयुर्वेद मेडिकल ऑफिसर डॉ आस्था मिश्रा ने मुनगे के आयुर्वेदिक गुणों और शरीर के लिए इसके उपयोग के बारे में जानकारी दी.

उन्होंने लोकल 18 को बताया कि मुनगा विटामिन और मिनरल्स का अच्छा स्रोत है. इसमें आयरन, फोलेट, विटामिन ए, विटामिन सी के साथ कैल्शियम और मैग्नीशियम भी पाए जाते हैं. आयुर्वेद के अनुसार, मुनगे का रस कटु-तिक्त और वीर्य उष्ण माना जाता है. इसके अलावा इसे वात और कफ से जुड़ी समस्याओं में उपयोगी बताया गया है. पाचन, सूजन, दर्द और हड्डियों से जुड़ी समस्याओं में भी मुनगे का इस्तेमाल किया जाता है.

डॉ. आस्था मिश्रा के मुताबिक, मुनगा विटामिन और मिनरल्स का समृद्ध स्रोत है. इसमें आयरन, फोलेट, विटामिन ए और विटामिन सी के साथ कैल्शियम और मैग्नीशियम भी पाए जाते हैं. यही वजह है कि इसे डाइट में शामिल करना पोषण की दृष्टि से फायदेमंद माना जाता है.मुनगे में आयरन और फोलेट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं. डॉ मिश्रा के अनुसार, आयरन की कमी से होने वाली एनीमिया जैसी स्थिति में मुनगा आहार का हिस्सा हो सकता है.

हालांकि एनीमिया का इलाज केवल मुनगे के सेवन पर निर्भर नहीं करता और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय जांच और उपचार जरूरी है.मुनगा में कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स पाए जाते हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं. डॉ आस्था मिश्रा ने बताया कि आयुर्वेद में मुनगे का उपयोग हड्डियों से जुड़ी समस्याओं और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी स्थितियों में भी किया जाता है.

आयुर्वेद के अनुसार, मुनगा को शूलहर और शोथहर गुणों वाला बताया गया है. शूल का अर्थ दर्द और शोथ का अर्थ सूजन होता है. शरीर में दर्द या जोड़ों से जुड़ी समस्या में आयुर्वेदिक दृष्टि से मुनगा का उपयोग किया जा सकता है.

डॉ आस्था मिश्रा ने आगे बताया कि मुनगा में दीपन-पाचन गुण माने जाते हैं, यानी यह पाचन क्रिया को बेहतर करने में उपयोगी माना जाता है. जिन लोगों को पाचन से जुड़ी परेशानी रहती है, उनके आहार में मुनगा को शामिल किया जा सकता है. आयुर्वेद में मजबूत पाचन को शरीर के समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण माना गया है।

हर वक्त साथ रहना ही प्यार की निशानी नहीं! थोड़ी सी दूरी आपके रिश्ते में वापस भर सकती है



रिश्ते में हर वक्त साथ रहना प्यार की निशानी नहीं, बल्कि कई बार यह बोरियत की वजह बन जाता है. जानिए कैसे थोड़ी सी 'दूरी' आपके रिश्ते में नया रोमांस और ताजगी वापस ला सकती है.

जब हम किसी से बेइंतहा मोहब्बत करते हैं, तो अक्सर अनजाने में यह उम्मीद कर बैठते हैं कि हमारा हर पल उसी इंसान के साथ गुजरे. सुबह की चाय से लेकर रात की नींद तक, पार्टनर का साथ हर वक्त सुकून देता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि यही 24 घंटे का साथ कभी-कभी रिश्तों में घुटन की वजह भी बन सकता है? जी हाँ, रिलेशनशिप एक्सपर्ट्स भी इस बात को मानते हैं कि रिश्ते में थोड़ी सी 'दूरी'या स्पेस होना रिश्ते में दूरी बढ़ने की निशानी नहीं है, बल्कि यह रिश्ते को मजबूत बनाने का एक बेहतरीन नुस्खा है. आइए जानते हैं कि कैसे थोड़ी सी दूरी आपके रिश्ते में वापस नया रोमांस, ताजगी और मिठास घोल सकती है.

हर वक्त 'साथ रहने' के नुकसान-

प्यार के शुरुआती दिनों में पार्टनर से चिपके रहना और हर छोटी-बड़ी बात शेयर करना बहुत अच्छा लगता है. लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, यह रूटीन एक आदत बन जाता है.

खो जाती है इंडिविजुअलिटी:

जब आप हर वक्त साथ रहते हैं, तो आप 'हम' तो बन जाते हैं, लेकिन अपनी खुद की पहचान यानी 'मैं' को पीछे छोड़ देते हैं. आपके अपने शौक, दोस्त और पर्सनल गोल्स कहीं खो जाते हैं.

सरप्राइज एलिमेंट खत्म होना:

जब पार्टनर को आपकी हर हरकत, हर सोच और दिनभर के शेड्यूल का पहले से पता होता है, तो बातचीत में वो एक्साइटमेंट या उत्सुकता नहीं बचती।

हरिद्वार की इस दुकान पर मिल रहा मथुरा का पेड़ा, गंगा स्नान के बाद भागे चले आते हैं लोग, मलाई समोसा भी खास



हरिद्वार की पहचान केवल गंगा घाटों, मंदिरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यहां के पुराने खान-पान को देश-विदेश में रहने वाले बखूबी जानते हैं. हर की पौड़ी के पास ब्रिटिश दौर से संचालित प्राचीन मथुरा वाले की दुकान आज भी अपनी शुद्धता के लिए विख्यात है. मथुरा वाले की दुकान पर एक ओर देसी घी के नमकीन पकवान और मिठाई मिलती है तो वहीं दूसरी तरफ शुद्ध दूध को घंटों कढ़ाकर बनाए गए मावे से स्वादिष्ट मिठाइयां मिलती हैं, जिनका स्वाद हरिद्वार आने वाले यात्रियों को अपनी ओर खींचता है.

प्राचीन मथुरा वाले की दुकान परपारंपरिक लोकप्रिय मिठाई मथुरा वाले का पेड़ा है. इसे तैयार करने के लिए ताजे दूध के मावे को आग की धीमी आंच पर घंटों तक भुना जाता है, जिससे इसका रंग गहरा भूरा और खुशबू मनमोहक हो जाती है. शुद्धता से भरपूर यह पेड़ा बिना फ्रिज के भी लगभग बीस दिनों तक पूरी तरह ताजा रहता है, जिसके चलते बाहर से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक इसे हरिद्वार के प्रामाणिक प्रसाद के रूप में अपने साथ लेकर जाते हैं.

प्राचीन मथुरा वाले की दुकान पर चर्चित और अनोखा मलाई समोसा मिलता है. यह नमकीन समोसे से बिल्कुल अलग है. इस समोसे को तैयार करने में मैदे का इस्तेमाल नहीं है, बल्कि शुद्ध ताजे दूध की गाढ़ी मलाई की नाजुक परत से तैयार किया जाता है. इस समोसे का सुंदर आकार बाहर की मलाई से बन जाता है और इसके अंदर काजू, बादाम और पिस्ते की स्टफिंग की जाती है. इसमें मिठास इतनी हल्की और प्राकृतिक रखी जाती है कि कम मीठा पसंद करने वाले और डायबिटीज़ मरीज भी इसका बेझिझक स्वाद लेते हैं.

प्राचीन मथुरा वाले की दुकान पर तीसरी मिठाई पिस्ता मावा की मिठाई है, जो अपनी शुद्धता के लिए फेमस है. इसमें किसी भी प्रकार का आर्टिफिशियल रंग या केमिकल आदि नहीं मिलाया जाता. कड़ाही में गाढ़े दूध से बने ताजा सफेद मावे को बहुत हल्की चाशनी के साथ जमाकर चौकोर टुकड़ों में काटा जाता है. शुद्ध मावे की बर्फी स्वाद में काफी अच्छी लगती है. मावे की यह मिठाई मुंह में रखते ही घुल जाती है, जिससे इसके अनोखे स्वाद का अहसास होता है.

प्राचीन मथुरा वाले की चौथी खास मिठाई पिस्ता की बर्फी है, जो मेवों के शौकीन लोगों की पहली पसंद बनी हुई है. शुद्ध मावे के मिश्रण में बारीक कटे हुए उत्तम श्रेणी के पिस्ते और हरी इलायची का मिश्रण किया जाता है. हरे और हल्के सुनहरे रंग की यह बर्फी दिखने में जितनी आकर्षक है, स्वाद और पौष्टिकता में भी उतनी ही समृद्ध मानी जाती है, जिसे खास उत्सवों पर श्रद्धालु बड़े चाव से खरीदते हैं.

प्राचीन मथुरा वाले की दुकान का सफेद पेड़ा इन दिनों श्रद्धालुओं और पर्यटकों की पहली पसंद बना है. ताजे दूध को घंटों धीमी आंच पर कढ़ाकर तैयार किए गए शुद्ध मावे से यह स्वादिष्ट पेड़ा बनता है।

डंठल, बीज भूल जाइए! सिर्फ 1 पत्ती से उगाएं ये 5 खूबसूरत पौधे, जानिए होम गार्डनिंग का शानदार तरीका



नर्सरी से बार-बार महंगे पौधे खरीदने की जरूरत नहीं है. आप घर में मौजूद पौधों की एक ही पत्ती से नया पौधा उगा सकते हैं. इसे गार्डनिंग की भाषा में 'लीफ प्रोपेगेशन' कहा जाता है. गार्डनिंग एक्सपर्ट चंद्रशेखर मिश्रा ने जेड प्लांट और स्नेक प्लांट जैसे पौधों के सही तरीके बताए हैं.

अगर आपको अपनी बालकनी, छत या गार्डन को हरा-भरा रखने का शौक है तो यह तरीका आपके बहुत काम आ सकता है. अक्सर लोग नया पौधा लगाने के लिए नर्सरी जाते हैं. इसमें बार-बार काफी पैसे खर्च हो जाते हैं. लेकिन, अब आपको हर बार नया पौधा खरीदने की जरूरत नहीं है. आप घर में मौजूद पौधे की एक स्वस्थ पत्ती से ही नया पौधा तैयार कर सकते हैं.

गार्डनिंग की भाषा में इसे 'लीफ प्रोपेगेशन' कहा जाता है. इसमें पौधे की एक स्वस्थ पत्ती को सही तरीके से मिट्टी या किसी अन्य ग्रोइंग माध्यम में लगाया जाता है. जब पत्ती को अनुकूल परिस्थितियां मिलती हैं, तो उससे पहले जड़ें निकलती हैं. इसके बाद धीरे-धीरे नया पौधा विकसित हो जाता है. एक्सपर्ट चंद्रशेखर मिश्रा बताते हैं कि हर पौधे की पत्ती से नया पौधा नहीं बनता है. हालांकि, कई सजावटी पौधों में यह तरीका काफी उपयोगी साबित होता है.

इन 3 मुख्य बातों का ध्यान रखना जरूरी

पत्ती का चुनाव: पत्ती पूरी तरह स्वस्थ और बीमारी रहित होनी चाहिए।

सेलेब्स की तरह प्राइवेट वेकेशन का फील? भारत में ये जगहें देती हैं पूरा प्राइवेसी वाला एक्सपीरियंस



भारत में प्राइवेट वेकेशन के लिए अंडमान, कूर्ग, अलिबाग, केरल और जैसलमेर जैसे विकल्प देखे जा सकते हैं. सही प्रॉपर्टी चुनकर समुद्र, पहाड़, बैकवॉटर या रेगिस्तान के बीच ज्यादा शांत और निजी छुट्टी का अनुभव लिया जा सकता है.

कभी-कभी छुट्टी का मतलब भीड़भाड़ वाले बाजार, होटल की लॉबी और हर वक्त लोगों के बीच रहना नहीं होता. मन करता है कि कुछ दिन ऐसी जगह बिताए जाएं जहां सुबह की शुरुआत शोर से नहीं बल्कि प्रकृति के नजारों से हो और दिन अपने हिसाब से गुजरे, अगर आप भी ऐसी ही छुट्टी का प्लान बना रहे हैं तो भारत में कई ऐसी जगहें हैं जहां होटल, रिसॉर्ट, विला या कॉटेज के जरिए ज्यादा निजी अनुभव लिया जा सकता है.

यहां कपल्स से लेकर परिवार तक अपने लिए शांत माहौल चुन सकते हैं. खास बात यह है कि इसके लिए विदेश जाना जरूरी नहीं. देश के अलग-अलग हिस्सों में समुद्र, पहाड़, जंगल और रेगिस्तान के बीच ऐसे विकल्प मौजूद हैं.

प्राइवेट वेकेशन के लिए क्यों खास हैं ये जगहें?

प्राइवेट वेकेशन का मतलब सिर्फ महंगा होटल बुक करना नहीं है. असली फर्क तब महसूस होता है जब रहने की जगह में कम भीड़ हो, अपना निजी स्पेस मिले और आसपास का माहौल सुकून देने वाला हो. कई जगहों पर प्राइवेट पूल वाले विला, अलग कॉटेज और नेचर के बीच बने छोटे रिसॉर्ट मिलते हैं. ऐसे ठिकाने उन लोगों को पसंद आ सकते हैं जो छुट्टी के दौरान ज्यादा शांति चाहते हैं.

समुद्र के बीच कुछ शांत दिन बिताने की इच्छा है तो अंडमान और निकोबार एक अच्छा विकल्प हो सकता है. खासकर हैवलॉक और नील आइलैंड जैसे इलाकों में बीच के आसपास ठहरने के विकल्प मिलते हैं. यहां सुबह समुद्र का नजारा और शाम को समुद्र किनारे सुकून भरा समय छुट्टी को अलग एहसास दे सकता है. ज्यादा प्राइवेसी के लिए होटल चुनते समय निजी बालकनी, अलग कॉटेज या कम कमरों वाली प्रॉपर्टी देखना बेहतर रहेगा.

कूर्ग में हरियाली के बीच सुकून

अगर समुद्र के बजाय पहाड़ और हरियाली पसंद है तो कूर्ग का माहौल आकर्षित कर सकता है. कॉफी बागानों और हरियाली के बीच बने होमस्टे, कॉटेज और विला यहां छुट्टी को शांत बना सकते हैं. कपल्स के लिए अलग विला और परिवार के लिए पूरा कॉटेज लेने का विकल्प निजी समय बिताने में मदद कर सकता है. यहां घूमने के साथ सिर्फ कमरे या विला में आराम करते हुए दिन बिताना भी वेकेशन का हिस्सा बनाया जा सकता है.

अलिबाग में मुंबई से दूर निजी एहसास

मुंबई और आसपास रहने वालों के लिए अलिबाग ऐसा विकल्प है जहां समुद्र के करीब विला और निजी स्टे मिल सकते हैं. दोस्तों या परिवार के साथ जाने पर पूरा विला बुक करना होटल के सामान्य कमरे की तुलना में ज्यादा निजी अनुभव दे सकता है. कुछ प्रॉपर्टी में पूल, गार्डन और आउटडोर बैठने की जगह भी होती है. हालांकि बुकिंग से पहले यह जरूर जांचें कि पूल और अन्य सुविधाएं वास्तव में प्राइवेट हैं या साझा.

केरल में बैकवॉटर के बीच ठहरने का अनुभव

केरल का बैकवॉटर इलाका उन लोगों के लिए खास हो सकता है जो शांत और धीमी रफ्तार वाली छुट्टी चाहते हैं. एलेप्पी और कुमारकोम के आसपास रिसॉर्ट, विला और हाउसबोट जैसे विकल्प मिलते हैं. पानी के किनारे ठहरना या निजी विला चुनना रोजमर्रा की भागदौड़ से अलग अनुभव दे सकता है. यहां वेकेशन का मजा ज्यादा घूमने के बजाय आसपास के माहौल को आराम से महसूस करने में है.

जैसलमेर में रेगिस्तान के बीच प्राइवेसी

प्राइवेट वेकेशन के लिए हर बार समुद्र या पहाड़ ही जरूरी नहीं. जैसलमेर में रेगिस्तान के बीच बने लग्जरी कैंप एक अलग तरह का अनुभव देते हैं, अगर आप भीड़ से दूर रहना चाहते हैं तो कैंप की लोकेशन और टेंट की संख्या पहले देख सकते हैं. शाम का रेगिस्तान, खुला आसमान और शांत माहौल छुट्टी को यादगार बना सकता है.

प्राइवेट स्टे बुक करते समय इन बातों का रखें ध्यान

सिर्फ फोटो देखकर बुकिंग करने के बजाय प्रॉपर्टी की लोकेशन, कमरों की संख्या और आसपास की भीड़ के बारे में जानकारी लें, अगर प्राइवेट पूल चाहिए तो यह भी पूछें कि वह सिर्फ आपके कमरे या विला के लिए है या दूसरे मेहमान भी उसका इस्तेमाल करते हैं. इसी तरह समुद्र या प्रकृति के करीब होना और वास्तव में शांत होना दो अलग बातें हैं।

मोना सिंह ने यूके में सेट अपने नए प्रोजेक्ट की दिखाई झलक



विश्व केसरी■

मुंबई। मेड इन हेवन, लाल सिंह चड्ढा, 3 इडियट्स और हाल ही में 'कोहरा' सीजन 2 में नजर आने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस मोना सिंह ने यूनाइटेड किंगडम (यूके) में अपने आने वाले प्रोजेक्ट की झलकियां शेयर की हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर कॉट्सवोल्ड्स से कुछ बीटीएस (बिहाइंड-द-सीन्स) तस्वीरें शेयर कीं और इस नई क्रिएटिव दुनिया में कदम रखने को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की।

उन्होंने कैप्शन में एक नोट भी लिखा, 'यह प्रोजेक्ट-फिल्म खास और अनोखी लग रही है क्योंकि हमने पुराने नियमों को छोड़ दिया है।'

उनके इस बयान से कहानी कहने के एक नए और हटकर अंदाज का पता चलता है। यह फिल्म फैन्स को कुछ नया देने का वादा करती है, जो पारंपरिक फिल्मी तौर-तरीकों से अलग होगी और कहानी कहने के नए और अनछुए पहलुओं को दिखाएगी।

खबरों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को विकास बहल डायरेक्ट कर रहे हैं, जो 'क्वीन' फिल्म के लिए जाने जाते हैं। इस फिल्म में भारतीय और इंटरनेशनल एक्टर्स और म्यूजिशियन एक साथ काम कर रहे हैं। इसमें जिमी शेरगिल, सिद्धांत चतुर्वेदी, मोना सिंह और अलीजेह अग्निहोत्री भी शामिल हैं।

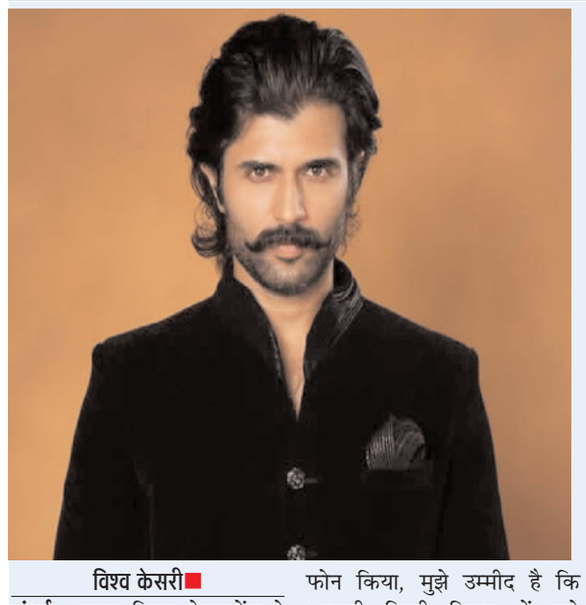
यह फिल्म 1990 के दशक की शुरुआत में ब्रिटेन पर आधारित है और यूके में पंजाबी म्यूजिक मूवमेंट के उदय को दिखाती है। यह एक उतार-चढ़ाव भरा और रोमांचक दौर था, जब अलग-अलग संस्कृतियों के बीच पली-बढ़ी एक पीढ़ी गैराज, बैक-रूम, पाइरेट रेडियो स्टेशन और अंडरग्राउंड गिग्स से अपनी आवाज बुलंद कर रही थी।

इससे पहले अभिनेत्री ने अपने करियर को आकार देने में इंडस्ट्री की भूमिका और अपने फैसलों के बारे में बात की थी। उन्होंने एक बयान में कहा, 'मुझे लगता है कि 40 प्रतिशत भूमिका इंडस्ट्री की होती है। वे जमीन, स्क्रिप्ट और प्लेटफॉर्म देते हैं और 60 प्रतिशत भूमिका मेरी होती है। आप जानते हैं, मैं चुनती हूं कि कौन से बीज बोने हैं और सबसे जरूरी बात, कि किन्हें हटाना है।'

एक्ट्रेस ने बताया कि असली बदलाव तब आया जब मैंने मुझे ऑफर किए जा रहे 90 प्रतिशत शो के लिए 'ना' कहना शुरू किया।

मोना को धारावाहिक 'जस्सी जैसी कोई नहीं' में अपनी भूमिका के लिए पहचान मिली, जो पहली बार 2003 में प्रसारित हुआ था। इसके बाद वह रियलिटी सीरीज 'झलक दिखला जा' के पहले सीजन और 'क्या हुआ तेरा वादा' में नजर आई।

विजय देवरकोंडा ने सिंगीथम श्रीनिवास राव को किया याद, बोले-पेली चूपुलु के बाद से आपका प्यार मिला



विश्व केसरी■

मुंबई। एक्टर विजय देवरकोंडा ने अनुभवी फिल्ममेकर सिंगीथम श्रीनिवास राव के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने फिल्ममेकर द्वारा पिछले कुछ वर्षों में उनके प्रति दिखाए गए स्नेह और आत्मीयता को याद किया।

सोशल मीडिया पर 'डियर कॉमरेड' के एक्टर ने याद किया कि कैसे सिंगीथम उन्हें फोन करते थे और उन पर प्यार और स्नेह बरसाते थे। उन्होंने फिल्ममेकर के विजन का हिस्सा बनने पर खुशी भी जाहिर की।

विजय ने लिखा, 'सिंगीथम सर, आपकी मान्यताएं, आपके विचार और आपकी कहानियां हमेशा हमारे साथ रहेंगी। 'पेल्ली चूपुलु' के बाद से जब भी आपने मुझे प्यार और स्नेह देने के लिए फोन किया, मुझे उम्मीद है कि आपकी किसी फिल्म में मुझे देखकर आपको खुशी हुई होगी और आपके चेहरे पर मुस्कान आई होगी।'

विजय ने कहा, 'सिंगीथम, मुझे खुशी है कि मैं आपके विजन का हिस्सा बन पाया। आपके लिए हमेशा मेरा सम्मान रहेगा।' 'पेल्ली चूपुलु' को तरुण भास्कर ने लिखा और डायरेक्ट किया था, और इसे राज कंदुकुरी और यश रंगिनेनी ने प्रोड्यूस किया था। इसमें विजय देवरकोंडा और रितु वर्मा मुख्य भूमिकाओं में थे।

विजय ने सिंगीथम श्रीनिवास राव द्वारा डायरेक्ट की गई म्यूजिकल फैंटेसी-कॉमेडी फिल्म 'सिंगीथम' में एक खास कैमियो रोल किया था।

95 साल की उम्र में गुजरे सिंगीथम श्रीनिवास राव अपनी खास फिल्म मेकिंग स्टाइल, क्रिएटिव विजन और अलग-अलग जॉनर के साथ एक्सपेरिमेंट करने की इच्छा के लिए जाने जाते थे।

कई दशकों के करियर में, इस फिल्ममेकर ने 'राजा पारवई', 'अपूर्व सहोदररगल', 'माइकल मदन काम राजन', 'कधला कधला' और 'लिटिल जॉन' जैसी कई बेहतरीन फिल्में बनाईं।

उनके निधन पर भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े नामों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है और सिनेमा में उनके योगदान और उनकी क्रिएटिव विरासत को याद किया है।

जूनियर एनटीआर ने भी फिल्ममेकर के निधन पर दुख जताया और सिनेमा में उनके अहम योगदान को याद किया। उन्होंने श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, 'यह खबर बहुत दुखद है कि सिंगीथम श्रीनिवास राव गारू अब हमारे बीच नहीं रहे। आदित्य 369, पुष्पक विमानम, मयूरी... एक ऐसे दूरदर्शी जो अपने समय से आगे की सोचते थे और ऐसी फिल्में बनाते थे जो पीढ़ियों बाद भी नई लगती हैं। उनके परिवार के सदस्यों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति।'

शोक व्यक्त करने वालों में अभिनेता कमल हासन, फिल्म निर्माता एस. एस. राजामौली और अभिनेता विष्णु मांचू शामिल थे, जिन्होंने भारतीय सिनेमा में सिंगीथम श्रीनिवास राव के अहम योगदान और उनकी खास रचनात्मक सोच को याद किया।

'बिना सहमति के ऐसा करना गलत', यामी गौतम ने तस्वीरों को एआई से एडिट करने वालों को किया आगाह



विश्व केसरी■

मुंबई। एआई की मदद से फेक और मॉर्फ्ड कंटेंट बनाए जाने के बढ़ते मामलों के बीच एक्ट्रेस यामी गौतम ने अपनी तस्वीरों और वीडियो को लेकर लोगों से खास अपील की। एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी पब्लिक अपीयरेंस की तस्वीरों के साथ एआई का इस्तेमाल कर किसी भी तरह की छेड़छाड़ न की जाए। अगर किसी तस्वीर को बेहतर दिखाने के लिए भी एडिट किया जा रहा है, तो ऐसा करने से बचना चाहिए।

ता दें कि यामी की यह सोशल मीडिया पोस्ट ऐसे समय में आया है, जब हाल ही में फिल्म 'देवरा' के गाने 'चुट्टामल्ले' से जुड़ा एक मॉर्फ्ड वीडियो इंटरनेट पर सामने आया था। हालांकि यामी ने अपनी पोस्ट में किसी भी वीडियो का जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने एआई के जरिए किसी की तस्वीर या पहचान में बदलाव किए जाने को लेकर अपनी बात स्पष्ट तौर पर रखी।

यामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''कृपया पब्लिक अपीयरेंस के दौरान ली गई मेरी तस्वीरों को एआई की मदद से बदलने या बेहतर बनाने से बचें। तस्वीरों का इस्तेमाल उनके ओरिजिनल रूप में ही करें। किसी व्यक्ति की जानकारी और सहमति के बिना एआई की मदद से उसकी तस्वीर या पहचान में बदलाव या छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए। मेरी इस अपील का सम्मान करने के लिए पहले से धन्यवाद।''

यामी गौतम इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'नई नवेली' को लेकर भी चर्चा में हैं। फिल्म में वह मोहिनी के किरदार में नजर आएंगी। यह एक फैमिली एंटरटेनर फिल्म है, जिसमें परिवार, ह्यूमर, इमोशन, फैंटेसी और एक्शन का मिश्रण देखने को मिलेगा।

अपने किरदार मोहिनी के बारे में बात करते हुए यामी ने कहा, ''मुझे इस किरदार की सबसे खास बात यही लगी कि वह वैसी बिल्कुल नहीं है, जैसी पहली नजर में सबको दिखाई देती है। मोहिनी के किरदार में एक अपनापन और गर्मजोशी है, लेकिन उसके साथ एक रहस्य भी जुड़ा हुआ है, जो धीरे-धीरे सामने आता है। फिल्म के डायरेक्टर और पूरी टीम के साथ काम करना शानदार अनुभव रहा।''

'नई नवेली' को आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा ने मिलकर प्रोड्यूस किया हैं। यह फिल्म दशहरे से पहले 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पायलट बनने की चुनौतियों को याद कर भावुक हुईं गुल पनाग, 10 साल बाद कराया लाइसेंस रिन्यू



विश्व केसरी■

मुंबई। 'डोर' फिल्म की मशहूर अभिनेत्री गुल पनाग ने हाल ही में 10 साल बाद अपना प्राइवेट पायलट का लाइसेंस रिन्यू करवाते हुए थोड़ी भावुक हो गईं। दरअसल, वे अभिनेत्री होने के साथ-साथ गुल पनाग एक लाइसेंस प्राप्त प्राइवेट पायलट भी हैं।

गुल पनाग ने लाइसेंस मिलने के समय को याद करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'जिंदगी आखिरकार नजरिए की बात है। 10 साल पहले, जब मुझे अपना फ्लाइंग लाइसेंस मिला था, मैं बहुत खुश थी। यह बहुत लंबे समय से मेरी आधिकारिक तौर पर पायलट बनने के दस साल बाद, उन्हें एहसास हुआ कि लाइसेंस प्राप्त करना एक बात है; उसे बनाए रखना बिल्कुल अलग बात है।

उन्होंने आगे कहा कि वह ऐसे कई लोगों को जानती हैं जिन्होंने उड़ान भरना शुरू तो किया लेकिन अपना प्रशिक्षण कभी पूरा नहीं किया, या ऐसे लोग जिन्होंने उड़ान घंटे तो पूरे कर लिए लेकिन परीक्षा पास नहीं कर पाए। और फिर ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने लाइसेंस तो प्राप्त कर लिया लेकिन अंततः उसे समाप्त होने दिया।

अभिनेत्री ने कहा, 'जीवन, काम, स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें, या बस पर्याप्त उड़ान न भरना।

उन्होंने लिखा, 'उड़ान प्रशिक्षण शुरू करना एक बात है। निर्धारित उड़ान घंटों को पूरा करना और साथ ही करियर बनाना, सभी परीक्षाएं पास करना, कागजी कार्रवाई को संभालना, मेडिकल सर्टिफिकेट को अपडेट रखना और पूरी प्रक्रिया को अंत तक पूरा करना बिल्कुल अलग बात है। व्यक्तिगत रूप से, ये सभी अपेक्षाकृत सरल चीजें हैं। हालांकि जब आप इसे पेशे के तौर पर नहीं कर रहे होते हैं, तो ये सब मिलकर एक बड़ा काम बन जाता है लेकिन मैंने कर दिखाया। और जब आखिरकार मुझे लाइसेंस मिला, तो मैं बेहद खुश थी। मेरी एक बहुत बड़ी ख्वाहिश पूरी हो गई।'

गुल पनाग ने कहा कि ख्वाहिश थी। और ऐसे लोगों की कमी नहीं थी जो मुझसे कहते थे कि मैं यह नहीं कर सकती। या नहीं कर पाऊंगी। 'द फैमिली मैन' फिल्म की अभिनेत्री ने पायलट बनने के अपने सपने को साकार करने के लिए जिन बाधाओं को पार करना पड़ा, उन पर भी विचार किया।

कैंसर से गुरमीत चौधरी की खास फैन मोनिका का निधन

विश्व केसरी■

मुंबई। टीवी और फिल्म अभिनेता गुरमीत चौधरी ने अपनी लंबे समय से फैन रहीं मोनिका के निधन पर भावुक पोस्ट शेयर किया। मोनिका लंबे समय से कैंसर से जूझ रही थीं। उनके निधन की खबर से गुरमीत काफी भावुक नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबा नोट लिखकर बताया कि वक्त के साथ वह फैन से ज्यादा परिवार का हिस्सा बन गई थीं।

गुरमीत ने अपनी पोस्ट की शुरुआत मोनिका को याद करते हुए की। उन्होंने लिखा, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन मुझे मोनिका के लिए ऐसा भावुक नोट लिखना पड़ेगा। मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा कि वह इस दुनिया में नहीं हैं। उन्होंने मेरे करियर के हर छोटे-बड़े पड़ाव को हमेशा सेलिब्रेट किया। मेरे हर प्रोजेक्ट और उपलब्धि पर उनका प्यार और सपोर्ट मेरे साथ रहा।''

गुरमीत ने खास तौर पर साउथ अफ्रीका के डरबन में हुई मुलाकातों को याद किया। उन्होंने कहा, ''जब भी मैं डरबन जाता था, मोनिका मेरे साथ मौजूद रहती थीं। इसी दौरान हमारे बीच का रिश्ता इतना गहरा हो गया कि वह मेरे लिए परिवार जैसी बन गईं। एक वक्त मोनिका ने मुझे बताया था कि वह कैंसर से जूझ रही हैं। इसके बाद हमारे बीच फोन कॉल और वीडियो कॉल पर भी बातचीत होती रही। मैं उन्हें हिम्मत देता और हमेशा कहता कि वह एक फाइटर हैं और उन्हें लड़ते रहना चाहिए। मुझे भरोसा था कि सब ठीक हो जाएगा।''

उन्होंने पोस्ट में कहा, ''मोनिका अक्सर मुझसे कहती थीं कि गुरमीत आप मुझे प्रेरणा देते हैं, लेकिन सच यह है कि मोनिका खुद भी मेरे लिए ताकत का बड़ा जरिया थीं। उनका साहस, उनकी गर्मजोशी और उनका प्यार मेरे लिए शब्दों से कहीं ज्यादा मायने रखता था। गुरमीत ने मोनिका के साथ हुई बातचीत और मुलाकातों को याद करते हुए कहा, ''मुझे अब उनकी आवाज, हमारे बीच होने वाली बातचीत और मुलाकात के दौरान उनके चेहरे की खुशी बहुत याद आएगी। आज मेरा दिल बहुत भारी है। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदना है।

पेरिस में जान्हवी कपूर ने पहनी मलमल खादी साड़ी, रिया कपूर बोलीं- 'ये भारत की धरोहर का सम्मान है'



मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अपने फैशन सेंस के लिए अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। इस बार एक्ट्रेस ने पेरिस में हुए बीओएफ 500 गाला में अपने देसी अंदाज से सभी का ध्यान खींचा। इस खास मौके पर वह पंकज एस हेरिटेज के कस्टम आउटफिट में नजर आई, जिसे रिया कपूर ने स्टाइल किया था। उन्होंने इस खास इवेंट के लिए एक खूबसूरत ऑफ-व्हाइट साड़ी पहनी। उनका यह लुक अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

'बाफ्ता-ए-हवा', 'शबनमीं' और 'चांदनी' जैसे नामों से भी जानी जाती है यह मलमल

फैशन स्टाइलिस्ट रिया कपूर ने जान्हवी के इस पूरे लुक की डिटेल सोशल मीडिया पर शेयर की है। उन्होंने बताया कि उनकी साड़ी 460 काउंट बंगाल मलमल से तैयार की गई थी। इस खास मलमल को 'बाफ्ता-ए-हवा', 'शबनमी' और 'चांदनी' जैसे नामों से भी जाना जाता है, जो पूरी तरह भारत में ही बुनी गई है। ये भारत की धरोहर का सम्मान है।

ऑनेंट स्लीव्स और कीमती पत्थरों ने बढ़ाई शोभा

जान्हवी की साड़ी में भारतीय टेक्सटाइल की खूबसूरती के साथ पारंपरिक कारीगरी का शानदार मेल देखने को मिला। उनकी साड़ी को और खास बनाने के लिए इसके साथ ऑनेंट स्लीव्स जोड़ी गई थीं। इन स्लीव्स पर पोल्की, गार्नेट और एमराल्ड जैसे कीमती पत्थरों का इस्तेमाल किया गया था। इसके साथ सराफा टैसल्स, किरण और रेशम की फ्रिंजिंग ने पूरे लुक को और रॉयल टच दिया।



ऐसा था जान्हवी का पूरा लुक

लुक की बात करें तो जान्हवी ने ऑफ-व्हाइट कलर की छह गज की साड़ी को बेहद खूबसूरती से कैरी किया। साड़ी की फ्लोइंग ड्रेपिंग के साथ गोल्ड डिटेलिंग, मोती, शेल्स और टैसल्स का इस्तेमाल किया गया था, जो उनके पूरे लुक को अलग और स्टाइलिश बना रहा था। उन्होंने इसके साथ मैचिंग बस्टियर स्टाइल ब्लाउज पहना, जिसमें पतली स्ट्रैप्स और स्वीटहार्ट नेकलाइन थी।

> "यह साड़ी सिर्फ एक आउटफिट नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध टेक्सटाइल विरासत का प्रतीक है।"
> — रिया कपूर (फैशन स्टाइलिस्ट)

जान्हवी का यह लुक आधुनिक फैशन और पारंपरिक भारतीय क्राफ्ट का खूबसूरत कॉम्बिनेशन था।

हज 2027 की तैयारियों को लेकर भारतीय राजदूत और सऊदी उपमंत्री ने की समीक्षा

विश्व केसरी■



जेद्दा। सऊदी अरब में भारत के राजदूत विपुल ने रविवार को सऊदी अरब के हज एवं उमरा मामलों के उपमंत्री अब्दुलफत्ताह बिन सुलेमान अल-मशात से मुलाकात कर हज 2027 की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। इस दौरान दोनों पक्षों ने भारतीय हज मिशन और सऊदी हज एवं उमरा मंत्रालय के बीच आगामी हज के लिए निरंतर समन्वय बनाए रखने पर चर्चा की।

जेद्दा स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि राजदूत विपुल के साथ महावाणिज्य दूत फहद सूरी और कौंसल (हज) सादफ चौधरी भी मौजूद थीं। प्रतिनिधिमंडल ने सऊदी हज एवं उमरा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी बैठक की।

महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि बैठक में हज 2027 की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की गई और आगामी हज के लिए भारतीय हज मिशन तथा सऊदी अरब के हज एवं उमरा मंत्रालय के बीच करीबी समन्वय जारी रखने पर विचार-विमर्श हुआ।

हज 2027 की तैयारियों के तहत राजदूत विपुल ने महावाणिज्य दूत और कौंसल (हज) के साथ जेद्दा एयरपोर्ट स्थित हज टर्मिनल और हरमैन हाई-स्पीड रेलवे स्टेशन का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने दोनों स्थानों पर सुविधाओं, बुनियादी ढांचे और परिचालन व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों से आगामी हज की तैयारियों को लेकर जानकारी ली।

महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि भारत की हज कमेटी के माध्यम से 1 लाख से अधिक भारतीय श्रद्धालु यात्रा करते हैं। ऐसे में जेद्दा का हज टर्मिनल और हरमैन हाई-स्पीड ट्रेन सेवाएं भारतीय तीर्थयात्रियों के आगमन और आगे की यात्रा के लिहाज से महत्वपूर्ण परिचालन केंद्र हैं।

हज 2027 की तैयारियां पिछले कई महीनों से जारी हैं। अगस्त में भी भारत के एक प्रतिनिधिमंडल ने सऊदी अधिकारियों के साथ कई दौर की बैठकें की थीं।

9 अगस्त को अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के सचिव श्रीवत्स कृष्ण ने सऊदी अरब के हज एवं उमरा मंत्रालय में योजना और डिजिटल परिवर्तन के उपमंत्री अब्दुलअजीज अल-मथामी से मुलाकात की थी। इस बैठक में भारतीय और सऊदी हज पोर्टल के तकनीकी एकीकरण पर चर्चा हुई थी। भारतीय महावाणिज्य दूतावास के अनुसार, बैठक में उभरती तकनीकों के इस्तेमाल के जरिए समन्वय बेहतर करने, सेवाओं को सुव्यवस्थित करने और भारतीय श्रद्धालुओं के हज अनुभव को और बेहतर बनाने के उपायों पर भी चर्चा हुई थी।

वॉशिंगटन के पास 'विकसित भारत यूनिटी रन' में सैकड़ों लोग हुए शामिल

विश्व केसरी■



वॉशिंगटन। भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित 'विकसित भारत यूनिटी रन' के लिए वर्जीनिया के ग्रेवली पॉइंट पार्क में बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकी इकट्ठा हुए। इस कार्यक्रम में दौड़, योग और ध्यान के साथ-साथ फिटनेस और सामुदायिक भागीदारी का संदेश भी दिया गया।

वॉशिंगटन के ठीक बाहर और पोटोमैक नदी के पास हुए इस कार्यक्रम में भारतीय मूल के लोग और भारत के दोस्त एक साथ आए। यह कार्यक्रम फिटनेस और एकता को बढ़ावा देने की एक पहल का हिस्सा था। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'ग्रेवली पॉइंट पार्क में कितनी खुशनुमा सुबह रही! फिटनेस, एकता और हमारे समुदाय की शानदार भावना का जश्न मनाने के लिए दूतावास द्वारा आयोजित 'विकसित भारत यूनिटी रन' में सैकड़ों दोस्त शामिल हुए। योग और ध्यान सत्रों ने इसे और भी खास बना दिया। हमारे साथ जुड़ने वाले सभी लोगों का धन्यवाद!'

कार्यक्रम में शामिल लोगों ने भारत में फिटनेस पर बढ़ते ध्यान और लोगों को शारीरिक गतिविधियों को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित करने वाली सरकारी पहलों के असर के बारे में बात की।

एक प्रतिभागी ने कहा, 'भारत सरकार का 'फिट इंडिया मूवमेंट' भारत में फिटनेस संस्कृति को प्रोत्साहित और प्रेरित करने की एक बेहतरीन पहल है। हम बस यह पक्का करते हैं कि हम मोटिवेटेड रहें और फिटनेस को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाएं। प्रतिभागी ने कहा, 'यह आपकी मेंटल और फिजिकल सेहत को बेहतर बनाने में मदद करता है।

संक्षिप्त खबर

भारत के सहयोग से कंबोडिया के गांव को मिली बारूदी सुरंगों से मुक्त जमीन

विश्व केसरी■



नोम पेन्ह। भारत ने कंबोडिया में मानवीय मदद की एक बड़ी मिसाल पेश की है। भारत सरकार की क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट (क्यूआईपी) योजना के तहत बारूदी सुरंगों और बिना फटे गोला-बारूद से साफ की गई जमीन को कंबोडिया के कोह कोंग प्रांत के काओ पाओ गांव के लोगों को सौंप दिया गया है। इस जमीन को सौंपने के लिए एक खास कार्यक्रम रखा गया था। इस कार्यक्रम में कंबोडिया में भारतीय दूतावास की डिप्टी चीफ ऑफ मिशन तनु प्रिया, कोह कोंग प्रांत के डिप्टी गवर्नर वाई. नियरिनेट और कंबोडिया माइन एक्शन एंड विक्टिम असिस्टेंस अथॉरिटी (सीएमएए) के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल टेप कल्याण मौजूद रहे। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'भारतीय दूतावास की डीसीएम डॉ. तनु प्रिया, सीएमएए के डीएसजी टेप कल्याण और कोह कोंग प्रांत के डिप्टी गवर्नर के साथ मेकांग-गंगा सहयोग की क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट योजना के तहत साफ की गई जमीन को सौंपने के कार्यक्रम में शामिल हुईं। कंबोडिया के अखबार द नोम पेन्ह पोस्ट के मुताबिक, इस कार्यक्रम के दौरान गांववालों को लगभग 1,97,810 वर्ग मीटर जमीन सौंपी गई है। इससे करीब 134 परिवारों को फायदा मिलेगा।

'मेक इन इंडिया' के नाम पर पैदा हुई तानाशाही को खत्म कर देंगे: उद्धव ठाकरे

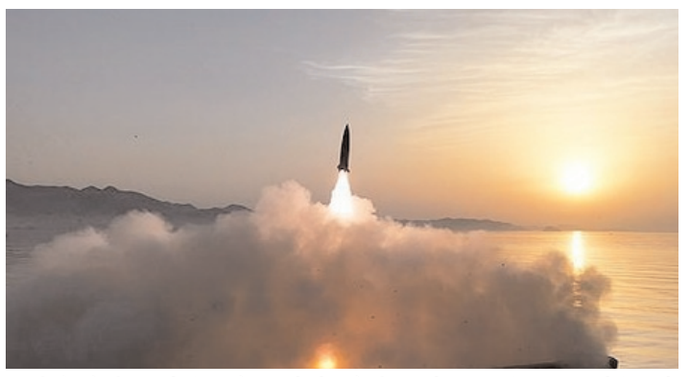
विश्व केसरी■



मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को मुंबई में एक रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के कामकाज पर सीधा हमला बोला। ठाकरे ने पीएम मोदी की 'मेक इन इंडिया' पहल का जिक्र करते हुए कहा, 'जब वे पहली बार प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने 'मेक इन इंडिया' की घोषणा की। हमने उस विजन का समर्थन किया। लेकिन अगर आप 'मेक इन इंडिया' के नाम पर तानाशाही पैदा कर रहे हैं, तो हम आज यहां उस तानाशाही को दफनाने के लिए खड़े हैं। 'मेक इन इंडिया' के तहत बाकी सब ठीक है, लेकिन अगर आप तानाशाह बनने की कोशिश करते हैं, तो समझ लीजिए कि आपकी तानाशाही दफन हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) द्वारा महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख (मनसे) राज ठाकरे के साथ मुंबई में आयोजित 'गर्जना मोर्चा' को संबोधित करते हुए, उद्धव ठाकरे ने व्यवस्थित चुनावी धांधली और लोकतांत्रिक संस्थाओं के क्षरण के आरोपों को लेकर केंद्र सरकार और ईसीआई पर तीखा हमला किया। उन्होंने इस प्रदर्शन को 'भारत के संवैधानिक ढांचे और नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान' के रूप में परिभाषित किया और चेतावनी दी कि यदि संस्थागत अतिक्रमण जारी रहा तो जनता का असंतोष जल्द ही सड़कों पर उतर सकता है।उद्धव ठाकरे ने मतदाता सूची में हेराफेरी को लेकर चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि देशभर में 13 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए गए हैं।

उत्तर कोरिया ने दागी मध्यम दूरी की रणनीतिक मिसाइल, किम जोंग ने हथियारों की मारक क्षमता बढ़ाने पर दिया जोर

विश्व केसरी■



सोल। उत्तर कोरिया ने मध्यम दूरी की एक रणनीतिक मिसाइल लॉन्च की है। सरकारी मीडिया की ओर से जारी तस्वीरों में किम जोंग-उन अपनी बेटी जू-ए और पत्नी री सोल-जू के साथ मिसाइल लॉन्च को देखते नजर आए। सरकारी मीडिया ने रविवार को बताया कि किम ने देश के हमलावर हथियारों की मारक क्षमता को और बढ़ाने के लिए लगातार कोशिशें जारी रखने को कहा है।

योनहाप ने कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से बताया कि उत्तर कोरिया ने शनिवार तड़के पूर्वी सागर की ओर मिसाइल दागने का अभ्यास किया। यह अभ्यास उन मिसाइल यूनिट्स की ट्रेनिंग का हिस्सा था, जो 'हाइपरसोनिक रणनीतिक हथियार प्रणाली' को ऑपरेट करती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, किम ने कहा कि उत्तर कोरियाई सेना के जवाबी हमला करने वाले साधनों को हमेशा तैयार स्थिति में रखना और उनकी क्षमता दिखाना बेहद जरूरी है। केसीएनए ने किम के हवाले से कहा, 'हमें लगातार और जिम्मेदारी के साथ कोशिश करते रहना चाहिए, ताकि दुश्मन बार-बार हमारे रणनीतिक हमलावर हथियारों की भरोसेमंद क्षमता और उनकी मारक ताकत को समझ सके।'

उन्होंने कहा कि यह हमला रोकने की क्षमता दिखाने का एक तरीका है। किम के मुताबिक, इस तरह के मिसाइल लॉन्च का मकसद देश की परमाणु युद्ध रोकने की क्षमता को और तेजी से विकसित करना है। केसीएनए ने बताया कि उत्तर-पूर्व दिशा में दागी गई मिसाइल ने पूर्वी सागर में करीब 1,000 किलोमीटर दूर अपने टारगेट को निशाना बनाया।

इससे पहले दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा था कि उसने शनिवार तड़के उत्तर कोरिया के वोनसान इलाके से पूर्वी सागर की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च किए जाने का पता लगाया था। दक्षिण कोरियाई सेना के मुताबिक, मिसाइल ने 700 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय की।

ईरान का दावा: पांच दिनों में होर्मुज स्ट्रेट में सात तेल टैंकरों को बनाया निशाना

विश्व केसरी■



तेहरान। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने पिछले पांच दिनों में होर्मुज स्ट्रेट में नियमों का उल्लंघन करने वाले कम से कम सात तेल टैंकरों को निशाना बनाया है।

ईरान की अर्ध-सरकारी फार्स समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, आईआरजीसी नौसेना हर दिन औसतन एक से ज्यादा तेल टैंकर को निशाना बना रही है। यह घटनाएं ऐसे समय हुई हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार दावा कर रहे हैं कि 'होर्मुज स्ट्रेट खुला है और अमेरिका के नियंत्रण में है।'

फार्स ने स्वतंत्र सैन्य मामलों के ऑब्जर्वर 'मेन्चओसिंट' के हवाले से बताया कि शुक्रवार को होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों में विस्फोट हुआ। इनमें से एक जहाज को जलडमरूमध्य में प्रवेश करते समय और दूसरे को वहां से बाहर निकलते समय निशाना बनाया गया।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 'मेन्चओसिंट' ने यह भी कहा कि इससे पहले के चार दिनों में कुवैत के दो तेल टैंकर अल फंटास और काजिमाह के साथ संयुक्त अरब अमीरात के तीन जहाज सिंदबाद, मर्सिन प्रॉस्पेरिटी और अल रुवाइस भी होर्मुज स्ट्रेट में हमलों का शिकार हुए।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि ईरान के साथ युद्ध 'बहुत जल्द' खत्म हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि संघर्ष खत्म होने के बाद तेल की कीमतों में तेजी से गिरावट आएगी। ट्रंप ने ईरान को सैन्य और आर्थिक रूप से कमजोर भी बताया।

टेक्सास पहुंचने के बाद पत्रकारों से बातचीत और बाद में डेंटन में पीटरबिल्ट मोटर्स की एक फैक्ट्री के दौरे के दौरान ट्रंप ने कहा कि यह ईरान को तय करना है कि संघर्ष किस तरह खत्म होगा।

उत्तराखंड सरकार ने पहली बार भारत-नेपाल सीमा के पास बनबसा में कैबिनेट की बैठक की

विश्व केसरी■



देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को चंपावत जिले के बनबसा में कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। यह भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास के इलाके में आयोजित अपनी तरह की पहली बैठक थी।

बनबासा में बैठक करने के महत्व के बारे में बात करते हुए, धामी ने कहा कि राज्य सरकार का मकसद प्रशासन को लोगों के करीब लाना और यह पक्का करना है कि नीतिगत फैसले अलग-अलग इलाकों के मुद्दों और विकास की जरूरतों को ध्यान में रखकर लिए जाएं।

उन्होंने कहा कि सरकार कैबिनेट की बैठकें सिर्फ राज्य की राजधानी देहरादून तक सीमित न रखकर उत्तराखंड के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी बैठकों से स्थानीय स्तर पर लोगों की समस्याओं को समझने, विकास की संभावनाओं का आकलन करने और उसी के अनुसार फैसले लेने का मौका मिलता है।

कैबिनेट बैठक के बाद 'एक्स' पर धामी ने कहा, 'भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास चंपावत के बनबासा में कैबिनेट बैठक राज्य में एक नई पहल की शुरुआत है। हमारी कोशिश है कि कैबिनेट बैठकें सिर्फ देहरादून तक सीमित न रहें, बल्कि राज्य के अलग-अलग जिलों में हों, ताकि स्थानीय समस्याओं, संभावनाओं और विकास की प्राथमिकताओं को बेहतर ढंग से समझा जा सके और असरदार फैसले लिए जा सकें।'

उन्होंने कहा, 'हर सेक्टर में समान विकास सुनिश्चित करना और सरकार को हर व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।'

धामी ने उत्तराखंड के सीमावर्ती इलाकों के रणनीतिक और विकास संबंधी महत्व पर जोर दिया और कहा कि राज्य की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से लगे इलाकों को सिर्फ भौगोलिक सीमाओं के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

सिल्क क्लस्टर के रूप में विकसित होंगे संत रविदास नगर, मिर्जापुर और वाराणसी: सीएम योगी

विश्व केसरी■



संत रविदास नगर। सिल्क क्लस्टर के रूप में संत रविदास नगर, मिर्जापुर और वाराणसी को विकसित किया जाएगा। वाराणसी-विंध्य रीजनल डेवलपमेंट प्लान भी जल्द लागू होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को इंडिया कारपेट एक्सपो के स्वर्ण जयंती संस्करण में कालीन उद्योग के निर्यातकों, विक्रेताओं और प्रमुख उद्यमियों से सीधे संवाद के दौरान यह बात कही। उद्यमियों ने कालीन उद्योग के लिए अलग नीति, कारोबार की जरूरतों और महिला उद्यमियों की भागीदारी से जुड़े विषय रखे।

सीएम योगी ने एक-एक कर उनकी बात सुनी और उठाए गए मुद्दों पर सरकार की ओर से संज्ञान लेने का भरोसा दिया। मिर्जापुर के कालीन कारोबारी अनिल कुमार ने बेहतर कनेक्टिविटी का जिक्र करते हुए योगी सरकार के कार्यों की सराहना की। उन्होंने प्राचीन शहर मिर्जापुर और वहां के कालीन व्यवसाय से जुड़े विषय भी रखे। मुख्यमंत्री ने उनकी बात सुनकर उठाए गए मुद्दों पर संज्ञान लेने का आश्वासन दिया।

इम्तियाज अहमद ने कहा कि ओडीओपी योजना से उद्यमियों को बहुत लाभ मिला है। इसी तर्ज पर कालीन उद्योग के लिए नीति बनाई जाए तो कारोबार को और फायदा होगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि तीसरी बार उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आशीर्वाद मिला है। पीयूष कुमार बरनवाल ने कहा कि हस्तनिर्मित कालीन में भारत नंबर वन है। कालीन तैयार होने में अधिक समय लगता है, इसलिए इसे मैन्युफैक्चरिंग श्रेणी से थोड़ा अलग रखते हुए उद्योग की जरूरतों को ध्यान में रखकर नीति बनाई जाए।

पहाड़ों में गूंजा भारत-मंगोलिया का युद्ध कौशल, 'नोमैडिक एलीफेंट-2026' का समापन

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। उत्तराखंड के पहाड़ों में भारत और मंगोलिया की सेनाओं ने साथ मिलकर युद्ध कौशल को नई धार दी है। अभ्यास के दौरान जवान आधुनिक युद्धक्षेत्र से जुड़ी कई गतिविधियों में शामिल हुए। सामरिक अभ्यास और खुफिया एवं निगरानी गतिविधियों के साथ ड्रोन संचालन, साइबर सुरक्षा और तकनीकी प्रदर्शन पर भी फोकस किया गया।

यहां हेलिबोर्न अभियानों को भी अंजाम दिया गया। घायल सैनिकों को उपचार देकर सुरक्षित निकालने, निशानेबाजी और विशेष सैन्य कौशल का भी अभ्यास किया गया। इससे दोनों सेनाओं को अलग-अलग परिस्थितियों में तेजी से और मिलकर कार्रवाई करने का अनुभव मिला। भारत व मंगोलिया की सेनाओं के बीच चल रहा यह 'नोमैडिक एलीफेंट-2026' का 18वां संस्करण था, जो पिथौरागढ़ में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। 20 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चले इस अभ्यास में दोनों सेनाओं ने साथ प्रशिक्षण लिया, अनुभव साझा किए और कठिन परिस्थितियों में मिलकर अभियान चलाने की क्षमता को परखा।

इस अभ्यास की खासियत यह रही कि यह सिर्फ हथियारों और युद्धाभ्यास तक सीमित नहीं रहा। भारतीय और मंगोलियाई सैनिकों ने एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को समझा और संयुक्त कार्रवाई के दौरान बेहतर तालमेल बनाने पर जोर दिया।

गंभीर बीमारी से उबरकर रंगमंच पर सक्रियता के लिए आलोक शुक्ला को 'पंचानन पाठक अवार्ड'

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। गंभीर बीमारी से उबरने के बाद लगातार रंगमंच पर सक्रिय रंगकर्मी, नाटककार, निर्देशक और अभिनेता आलोक शुक्ला को उनकी रंग सक्रियता के लिए पंचानन पाठक अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। 3 हष्ह्लश्रद्धद्दह् की शाम नई दिल्ली स्थित श्री राम सेंटर में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

यह सम्मान प्रसिद्ध रंग निर्देशक अरविंद गौड़, हिम्मत सिंह नेगी, दर्पण गुप्ता, राजेश खोसला, विनोद पांचाल, गोविंद झा तथा महोत्सव प्रमुख दिनेश अहलावत सहित निर्णायक मंडल के सदस्यों ने प्रदान किया।

सम्मान प्राप्त करने के बाद आलोक शुक्ला ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए व्यक्तिगत उपलब्धि भर नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है, जिनके स्नेह, सहयोग और मार्गदर्शन ने उनकी रंगयात्रा को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा, 'प्रभु कृपा, माता-पिता, मेरे रंग गुरुओं और निर्देशकों तथा रंग साथियों के सहयोग के कारण ही मैं गंभीर बीमारी के बाद फिर रंगमंच पर सक्रिय हो सका हूं।'

उन्होंने अपने रंग गुरुओं और निर्देशकों हबीब तनवीर, प्रो. सतीश मेहता, अहमद जैदी, अनवर सिद्दीकी, शिवदास घोडके, रंजीत कपूर, सागर सरहदी, मोहिंदर प्रताप सिंह, सत्यदेव दुबे, मकरंद देशपांडे, रामचंद्र विश्वनाथ सिंह, योगेश त्रिपाठी, राजेंद्र सक्सेना,राजीव राज, संजीव रजत , शैलेंद्र गौड़ और राजेश अग्रवाल के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

आलोक शुक्ला ने अपनी रंग सक्रियता में सबसे पहला सहारा बनी धर्मपत्नी नीतू शुक्ला, रंग साथी प्रताप सिंह , सुनील चौहान एडवोकेट टेकचंद राजपूत, नीरूपमा बढ़ेरा,विजय लक्ष्मी, मृदुल कुमार, कविता, निकिता, सिमरन, मेघा, अंशु भटनागर, नीना, निखिल कुमार, विनय शर्मा, विकास कुमार, योगेश शर्मा, वागीश शर्मा, सहित उन सभी साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया जो उनके हर कदम पर उनके साथ खड़े रहे।

शानदार सेरेमनी के साथ हुआ एशियन गेम्स 2026 का समापन

85 पदक के साथ भारत चौथे स्थान पर रहा



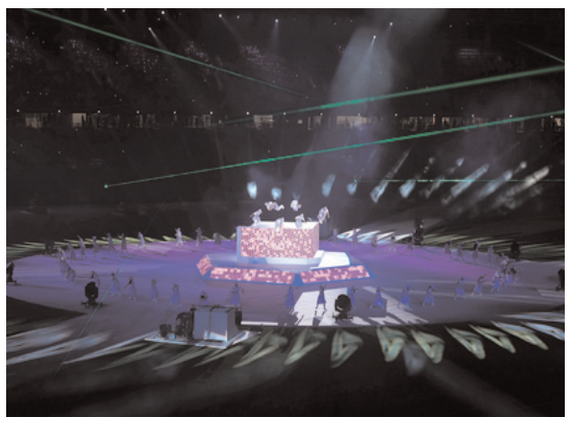
विश्व केसरी ■

नागोया। शानदार क्लोजिंग सेरेमनी के साथ एशियन गेम्स 2026 का रविवार को समापान हो गया। क्लोजिंग सेरेमनी में भारत की ओर से शूटिंग में दो गोल्ड समेत तीन मेडल जीतने वालीं नीरू ढांडा ध्वजवाहक रहीं।

नागोया के मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में हुई एशियन गेम्स 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी का आगाज जापान के नेशनल एंथम के साथ हुआ। इसके बाद खिलाड़ियों की परेड शुरू हुई, जिसमें हर देश का प्रतिनिधित्व उनके ध्वजवाहक ने किया। भारतीय तिरंगे को शान से नीरू ढांडा ने लहराया। ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) का झंडा कतर को सौंपा गया, जो एशियन गेम्स के 21वें संस्करण की मेजबानी करेगा।

भारत का प्रदर्शन एशियन गेम्स 2026 में शानदार रहा। देश ने कुल 85 मेडल जीते, जिसमें 21 गोल्ड, 27 सिल्वर और 37 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। भारत ने एशियन गेम्स का अंत अंक तालिका में चौथे स्थान पर रहते हुए किया। पहले स्थान पर चीन का कब्जा रहा, जिन्होंने कुल 341 मेडल अपने नाम किए। इसमें 169 गोल्ड, 89 सिल्वर और 83 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। मेजबान जापान कुल 269 मेडल के साथ दूसरे स्थान पर रहा। जापान ने 83 गोल्ड, 95 सिल्वर और 91 ब्रॉन्ज मेडल जीते। साउथ कोरिया ने 150 मेडल जीते, जिसमें 39 गोल्ड, 43 सिल्वर और 68 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। भारत 85 मेडल के साथ चौथे स्थान पर रहा। वहीं, उज्बेकिस्तान 70 मेडल लेकर अंक तालिका में पांचवें नंबर पर रहा।

भारत ने आर्चरी में शानदार पांच गोल्ड मेडल मिले। बॉक्सिंग में तीन और रेसलिंग में दो गोल्ड मेडल जीते गए। हॉकी और कबड्डी में टीम की जीत का वही पुराना जोश देखने को मिला, जिसमें पुरुषों और महिलाओं, दोनों टीमों ने गोल्ड मेडल जीते। भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीम दोनों ने ही बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। एथलेटिक्स में भी रोमांच देखने को मिला, जहां भारत के धावकों और फील्ड एथलीट्स ने दबाव और मौसम की चुनौतियों का सामना करते हुए कीमती मेडल जीते।



चाइना ओपनः नोस्कोवा और आंद्रीवा ने 'अंतिम 16' में जगह बनाई



विश्व केसरी ■

बीजिंग। लिंडा नोस्कोवा और मीरा आंद्रीवा ने रविवार को अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर 'चाइना ओपन' के चौथे दौर में जगह बना ली। जहां शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना और दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका एक-एक दिन के अंतराल में टूर्नामेंट से बाहर हो गईं, वहीं नोस्कोवा और आंद्रीवा ने दमदार जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया।

पांचवीं सीड नोस्कोवा ने विक्टोरिया गोलुबिच को 55 मिनट तक चले मुकाबले में 6-2, 6-1 से हराया, जबकि चौथी सीड आंद्रीवा ने शुरुआती पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए पोलिना कुदेरमेतोवा को 6-4, 6-1 से शिकस्त दी। यह मुकाबला 68 मिनट तक चला।

इन दो युवा खिलाड़ियों ने जीत के लिए अलग-अलग रास्ते अपनाए। नोस्कोवा ने आक्रामक 'फर्स्ट-स्ट्राइक' टेनिस के साथ मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा, जबकि आंद्रीवा को पहल करने को तैयार प्रतिद्वंद्वी के लगातार दबाव का सामना करना पड़ा।

नोस्कोवा की सर्विस ने उनके शानदार प्रदर्शन की नींव रखी। विंबलडन चैंपियन ने अपनी 77 प्रतिशत फर्स्ट सर्व सही लगाईं और पूरे मैच के दौरान उस सर्विस पर केवल पांच अंक गंवाए। दूसरे सेट की शुरुआत में वह कुछ समय के लिए दबाव में थीं, जब लगातार तीन 'अनफोर्स्ड एरर' के कारण उन्हें तीन 'ब्रेक प्वाइंट' का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने तुरंत वापसी की।

तीन 'अनरिटर्न्ड सर्व' और दो 'विनर' ने नोस्कोवा को खतरे से बाहर निकलने में मदद की, और उन्होंने लगातार पांच अंक जीतकर अपनी सर्विस बचाई। 21 वर्षीय खिलाड़ी ने प्वाइंट्स बनाने के तरीके में बदलाव करके यह भी सुनिश्चित किया कि गोलुबिच अपनी लय न हासिल कर सकें। शक्तिशाली 'ग्राउंडस्ट्रोक' के साथ-साथ, नोस्कोवा ने बार-बार 'ड्रॉप शॉट' और 'ड्राइव वॉली' का इस्तेमाल किया, जबकि आगे बढ़कर खेलने की उनकी इच्छा ने उनके हमले में एक नया आयाम जोड़ा।

दूसरे सेट में उनका 'रिटर्न गेम' और भी आक्रामक हो गया, जिसमें नेट की ओर बढ़ने के बाद लगाया गया एक 'एंगल्ड बैकहैंड वॉली विनर' भी शामिल था। आंद्रीवा को बिल्कुल अलग तरह की चुनौती का सामना करना पड़ा। कुदेरमेतोवा ने बेसलाइन से कहीं अधिक आक्रामक खेल दिखाया और 25 'ग्राउंडस्ट्रोक विनर' लगाए, जबकि आंद्रीवा ने केवल तीन विनर लगाए।

उज्बेक खिलाड़ी ने कोर्ट पर अपनी ताकत के साथ-साथ बेहतरीन शॉट्स का भी इस्तेमाल किया, खासकर अपने बैकहैंड, ड्रॉप शॉट्स और नेट प्ले से, लेकिन आखिर में आंद्रीवा की हालात के हिसाब से खुद को ढालने की काबिलियत ही निर्णायक साबित हुई।

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए सूर्यांश शेडगे इंडिया-ए टीम में शामिल



विश्व केसरी ■

पुडुचेरी। सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के लिए इंडिया-ए टीम में शामिल किया गया है। सूर्यांश मंगलवार से शुरू होने जा रही सीरीज में चोटिल हार्दिक पंड्या की जगह लेंगे।

हार्दिक पंड्या को पिछले महीने टीम में चुना गया था, लेकिन उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर था। 19 सितंबर को दाहिनी पिंडली में तकलीफ के कारण पंड्या को आखिरकार बाहर कर दिया गया। इसके बाद में एमआरआई स्कैन से पता चला कि उन्हें बहुत हल्का 'इंट्रामेडुलरी एडिमा' है, जो 'राइट मीडियल टिबियल स्ट्रेस सिंड्रोम' जैसा ही है।

एक सूत्र ने रविवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'शेडगे चोटिल हार्दिक की जगह इंडिया-ए टीम में शामिल हो गए हैं। शेडगे को क्वाड्रिसेप्स में चोट लगी थी और वह बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ठीक हो रहे थे।

23 वर्षीय शेडगे ने इसी साल जून में आयरलैंड के विरुद्ध भारत के टी20 दौरे पर अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। शेडगे इंग्लैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में भी खेले थे, हालांकि उन्होंने अभी तक कोई विकेट नहीं लिया है।

रेस्ट ऑफ इंडिया ने जम्मू-कश्मीर को हराकर जीता ईरानी कप का खिताब

विश्व केसरी ■

श्रीनगर। ऋषभ पंत की कप्तानी में रेस्ट ऑफ इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ईरानी कप के खिताब को अपने नाम किया। शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में 279 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर की पूरी टीम दूसरी पारी में सिर्फ 111 रन बनाकर ऑलआउट हुई और रेस्ट ऑफ इंडिया ने इस मुकाबले को 167 रनों से जीता।

चौथे दिन रेस्ट ऑफ इंडिया के गेंदबाजों ने मुकेश कुमार की अगुवाई में शानदार प्रदर्शन किया। जम्मू-कश्मीर को कमरान इकबाल और शुभम खजूरिया ने दूसरी पारी में सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 54 रन जोड़े। हालांकि, कमरान 32 रन बनाने के बाद आकाशदीप की एक गेंद पर विकेटों के सामने पाए गए। शुभम भी 36 रन बनाने के बाद आकाशदीप का शिकार बने।

दोनों सलामी बल्लेबाजों के पवेलियन लौटने के बाद जम्मू-कश्मीर का बल्लेबाजी क्रम बुरी तरह से लड़खड़ा गया। पहली पारी में अर्धशतक लगाने वाले कप्तान



पारस डोगरा दूसरी इनिंग में बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं, अब्दुल समद सिर्फ 20 रन ही बना सके। विकेटकीपर बल्लेबाज कन्हैया वधवान 2 रन ही बना सके। साहिल लोत्रा भी जीरो पर आउट हुए। नासिर मुजफ्फर एक रन ही बना सके, तो आबिद मुश्ताक 5 रन बनाकर आउट हुए। उमर नजीर मीर और सुनील कुमार बिना खाता खोले आउट हुए।

रेस्ट ऑफ इंडिया की ओर से गेंदबाजी में दूसरी पारी में मुकेश कुमार ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट चटकाए, जबकि आकाशदीप ने 3 विकेट अपने नाम किए।

मुकेश चौधरी ने एक विकेट झटका। मुकेश ने पूरे मुकाबले में कुल 8 विकेट लिए, तो मुकेश 7 और आकाशदीप 6 विकेट निकालने में कामयाब रहे।

इससे पहले, स्मरण रविचंद्रन की 135 रनों की लाजवाब पारी के बूते रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम दूसरी पारी में 319 रनों तक पहुंचने में सफल रही। सनत सांगवान ने भी 55 रनों का योगदान दिया। पहली पारी में रेस्ट ऑफ इंडिया ने 237 रन बनाए थे, जिसके जवाब में जम्मू-कश्मीर की टीम 278 रन बनाकर सिमटी थी। स्मरण ने पहली पारी में भी 68 रनों की दमदार पारी खेली थी, जबकि शिखर मोहन ने 60 रनों का योगदान दिया था।

एस्टोनिया ने लक्जमबर्ग को 1-0 से हराया, ग्रुप एल में दूसरे स्थान पर पहुंची



विश्व केसरी ■

टालिन। यूईएफए नेशंस लीग में एस्टोनिया ने टालिन के ए. ले कॉक एरिना में खेले गए मुकाबले में लक्जमबर्ग को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ ग्रुप एल में एस्टोनिया दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। एस्टोनिया के तीन मैचों में पांच पॉइंट हो गए हैं। मैच का एकमात्र गोल रासमस पीट्सन ने किया।

एस्टोनिया इस मैच में बिना हारे उतरी थी, लेकिन आइसलैंड के साथ 1-1 से ड्रॉ और बुल्गारिया में गोलरहित ड्रॉ के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने के बाद उसे कोई जीत नहीं मिली थी। लक्जमबर्ग के शुरुआती दो मैचों से तीन पॉइंट थे। एस्टोनिया की उम्मीदें काफी हद तक मंगलवार को टालिन में ग्रुप लीडर आइसलैंड के खिलाफ उसके अगले मैच पर निर्भर करेंगी। इसके बाद यह 13 नवंबर को लक्जमबर्ग जाएगी और 16 नवंबर को बुल्गारिया के खिलाफ अपने घर पर लीग फेज पूरा करेगी।

ग्रुप विनर को लीग बी में डायरेक्ट प्रमोशन मिलेगा, जबकि रनर-अप टीम प्रमोशन प्ले-ऑफ में जाएगी। अगर वह अपना मौजूदा फॉर्म बनाए रख सकती है, एस्टोनिया को लीग सी से ऊपर जाने का एक अच्छा मौका मिलेगा।

'ओलंपिक के लिए जल्दी क्वालीफाई करने से तैयारी का समय मिलता है': मनप्रीत

विश्व केसरी ■

काकामिगाहारा। भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा कि ओलंपिक 2028 के लिए जल्दी क्वालीफाई करने से भारतीय टीम को लॉस एंजिल्स गेम्स से पहले तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा।

काकामिगाहारा के गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए फाइनल में मलेशिया पर शानदार 5-1 से जीत के साथ एशियन गेम्स 2026 का गोल्ड मेडल बरकरार रखते हुए भारतीय पुरुष टीम ने ओलंपिक का टिकट हासिल किया। तीन एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीतने वाले एकमात्र भारतीय हॉकी खिलाड़ी बने मनप्रीत ने इस बात पर जोर दिया कि इस जीत का महत्व एशियन गेम्स की कामयाबी से कहीं ज्यादा है। गोल्ड मेडल जीतने के बाद मनप्रीत ने 'आईएएनएस' से ??कहा, 'एशियाई खेल हमारे लिए एक



अहम टूर्नामेंट था। हमने लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। इसी वजह से हमें क्वालिफायर राउंड नहीं खेलना होगा और हम खुद पर और उन चीजों पर काम कर सकते हैं जिन पर सुधार की जरूरत है।'

एशियन गेम्स 2023 में जीत के बाद भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भी क्वालीफाई कर लिया था। इससे भी भारतीय टीम को तैयारी के लिए कुछ समय मिला और टोक्यो गेम्स 2021 में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद वे एक और ब्रॉन्ज मेडल के साथ लौटे। भारत एकमात्र ऐसी टीम थी जिसने टोक्यो और पेरिस ओलंपिक दोनों में मेडल जीता, जबकि बाकी दो मेडल जीतने वाली टीमें दोनों संस्करणों में अलग-अलग थीं।

अगस्त में वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद मिली यह जीत भारत के लिए एक बड़ा सहारा भी है। भारतीय टीम टूर्नामेंट में आठवें स्थान पर रहे और सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए। पुरुष टीम ने एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड जीता जबकि महिला टीम ने भी इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में गोल्ड जीतकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में सीधी जगह पक्की कर ली। सलीमा टेटे की कप्तानी वाली टीम ने एशियन गेम्स के फाइनल में मौजूदा ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट चीन को 1-0 से हराया। यह पहली बार था जब भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमों ने एक ही एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीता।

नेशंस लीगः स्पेन ने चेक रिपब्लिक को 3-1 से हराया

विश्व केसरी ■

मैड्रिड। वर्ल्ड चैंपियन स्पेन ने ओविएडो में चेक रिपब्लिक पर 3-1 से जीत हासिल करके यूईएफए नेशंस लीग में अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा है।

स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने मंगलवार को क्रोएशिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर 4-1 से जीत हासिल करने वाली टीम में नौ बदलाव किए, जिसमें इवान फ्रेस्नेडा और रॉबर्टो फर्नांडीज दोनों ने अपना डेब्यू किया, जबकि फ्रैन गार्सिया, रॉबिन ले नॉर्मैंड और आर्सेनल के गोलकीपर डेविड राया भी टीम में वापस आ गए। इन बदलावों के बावजूद स्पेन ने शानदार जीत हासिल की।

स्पेन के लिए युवा स्टार खिलाड़ी लैमिन यामल ने छठे मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद 35वें मिनट में रोड्रिगो हर्नांडेज़ ने दूसरा गोल करते हुए स्पेन की बढ़त दोगुनी कर दी।

ब्रेक से पहले यामल का एक



और प्रयास गोल के सामने से गुजर गया, क्योंकि स्पेन हावी था। जब खेल नियंत्रण में लग रहा था, तो डे ला फुएंते ने दूसरे हाफ के लिए बार्सिलोना के विंगर यामल और एलेक्स बेना की जगह विक्टर मुनोज और येरेमी पिनो को लाने का फैसला लिया।

इन बदलावों से स्पेन का मिडफील्ड पर नियंत्रण कुछ कम हो गया, शायद इसलिए क्योंकि मुनोज और पिनो विंग्स पर टिके रहे, न कि बेना और यामल की तरह अंदर की ओर बढ़े। जैसे ही पिनो ने देखा कि फर्नांडीज का शॉट पोस्ट से थोड़ा बाहर चला गया और वह फिनिश करने से कुछ इंच दूर रह गया, चेक टीम ने वापसी की। जिरी स्लामा ने चेक रिपब्लिक के लिए पहला गोल 69वें मिनट में किया। जिरी के गोल से स्कोर 2-1 हो गया।

मिकेल मेरिनो ने 89वें मिनट में गोल करते हुए स्पेन की 3-1 से जीत पर मुहर लगा दी।

ग्रुप सी में शामिल स्पेन की यह तीसरे मैच में तीसरी जीत थी।

विश्व अंतरिक्ष सप्ताह : स्पुतनिक-1 से शुरू हुआ सफर, आज जलवायु संकट से लड़ने में कर रहा मदद



विश्व केसरी

नई दिल्ली। रविवार से वर्ल्ड स्पेस वीक (विश्व अंतरिक्ष सप्ताह) 2026 की शुरुआत हो रही है। इस मौके पर संयुक्त राष्ट्र ने एक खास पोस्ट शेयर की है। यूएन ने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर लिखा है कि यह वर्ल्ड स्पेस वीक है। जलवायु परिवर्तन पर नजर रखने से लेकर आपदा से निपटने तक, अंतरिक्ष से मिलने वाला डेटा जलवायु संकट से निपटने और हमारे ग्रह की रक्षा में अहम भूमिका निभा रहा है।

यूएन ने बताया कि यूएनओओएसए यानी संयुक्त राष्ट्र का बाहरी अंतरिक्ष मामलों का कार्यालय एक ज्यादा टिकाऊ भविष्य के लिए अंतरिक्ष तकनीक का इस्तेमाल करने पर काम कर रहा है।

बता दें कि 6 दिसंबर 1999 को महासभा ने प्रस्ताव के जरिए वर्ल्ड स्पेस वीक की घोषणा की थी। वर्ल्ड स्पेस वीक दुनिया का सबसे बड़ा सालाना अंतरिक्ष कार्यक्रम है। यह छात्रों को प्रेरित करके भविष्य के लिए कार्यबल तैयार करने में मदद करता है, अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए जनता के समर्थन को दिखाता है, लोगों को अंतरिक्ष गतिविधियों के बारे में शिक्षित करता है और अंतरिक्ष जागरूकता और शिक्षा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देता है। हर साल वर्ल्ड स्पेस वीक एसोसिएशन के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा यूएन ऑफिस फॉर आउटर स्पेस अफेयर्स के साथ मिलकर एक थीम चुनी जाती है। यह थीम दुनियाभर में सभी प्रतिभागियों को उनके कार्यक्रमों की सामग्री के लिए एक दिशा देती है। थीम को इसलिए चुना जाता है ताकि वैश्विक स्तर पर एक समान थीम का इस्तेमाल करके पूरी मानवता पर वर्ल्ड स्पेस वीक का प्रभाव और बढ़ाया जा सके। वर्ल्ड स्पेस वीक 2026 दुनियाभर में 4 से 10 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है और इस साल की थीम 'रॉकेट रिवोल्यूशन' रखी गई है।

4 अक्टूबर 1957 को पहले मानव निर्मित उपग्रह स्पुतनिक-1 के अंतरिक्ष में लॉन्च होने के साथ ही अंतरिक्ष अन्वेषण का रास्ता खुला था। इसके एक दशक बाद, 10 अक्टूबर 1967 को चंद्रमा और अन्य खगोलीय पिंडों सहित बाहरी अंतरिक्ष के अन्वेषण और उपयोग में राज्यों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर संधि लागू हुई थी।

आज अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक का इस्तेमाल संयुक्त राष्ट्र की कई गतिविधियों में किया जा रहा है। कम से कम 25 संयुक्त राष्ट्र संस्थाएं और विश्व बैंक समूह नियमित रूप से अंतरिक्ष अनुप्रयोगों का उपयोग करते हैं। वे संयुक्त राष्ट्र के काम में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जिसमें बड़े विश्व सम्मेलनों की सिफारिशों को लागू करना और बाहरी अंतरिक्ष के अन्वेषण और शांतिपूर्ण उपयोग पर तीसरा संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूनीस्पेस III) शामिल है, साथ ही सतत विकास को भी समर्थन देते हैं।



हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट क्या अंतर है? जानिए इसके लक्षण और तुरंत बचाव के उपाय



विश्व केसरी

नई दिल्ली। कभी-कभी हार्ट अटैक के शुरुआती लक्षणों पर ध्यान न देना आसान होता है, खासकर तब जब लक्षण धीरे-धीरे शुरू हों या आते-जाते रहें। नए या असामान्य लक्षणों को गंभीरता से लेना और जल्द मदद लेना जरूरी हो सकता है।

लोग अक्सर हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट शब्दों का इस्तेमाल एक-दूसरे की जगह पर करते हैं, लेकिन ये दोनों एक ही चीज नहीं हैं। ज्यादातर हार्ट अटैक से कार्डियक अरेस्ट नहीं होता है। लेकिन जब कार्डियक अरेस्ट होता है, तो हार्ट अटैक इसका एक आम कारण होता है। दूसरी समस्याओं की वजह से भी दिल धड़कना बंद कर सकता है।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक, कार्डियक अरेस्ट में दिल अचानक धड़कना बंद कर देता है। ऐसा आमतौर पर किसी इलेक्ट्रिकल समस्या के कारण होता है जिससे दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है। जब दिल पंप करना बंद कर देता है, तो वह दिमाग, फेफड़ों और शरीर के अन्य जरूरी अंगों तक खून नहीं पहुंचा पाता। कार्डियक अरेस्ट होने पर व्यक्ति कोई प्रतिक्रिया नहीं देता। हो सकता है कि उनकी सांस रुक जाए या वे सिर्फ हांफने लगें। अगर उन्हें तुरंत मदद न मिले, तो उनकी मौत हो सकती है।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने बताया कि अगर किसी को कार्डियक अरेस्ट हो जाए, तो तुरंत सीपीआर देने से उनके बचने की संभावना दोगुनी या तिगुनी हो सकती है। सबसे पहले, स्थानीय इमरजेंसी नंबर पर कॉल करें। फिर सीपीआर शुरू करें। अगर आस-पास ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर (एईडी) है, तो जितनी जल्दी हो सके उसका इस्तेमाल करें। अगर दो लोग मदद कर रहे हैं, तो एक को सीपीआर शुरू करना चाहिए। दूसरे को इमरजेंसी कॉल करना चाहिए और एईडी ढूंढना चाहिए। हर मिनट कीमती है। बिना मदद के हर मिनट बचने की संभावना 10 फीसदी कम हो जाती है। इमरजेंसी स्टाफ़ भी ऐसे व्यक्ति को बचाने में मदद कर सकता है जिसका दिल धड़कना बंद हो गया हो।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक, हार्ट अटैक में दिल के किसी हिस्से तक खून नहीं पहुंच पाता, क्योंकि खून सप्लाई करने वाली कोई मुख्य नस ब्लॉक हो जाती है। अगर खून के बहाव की इस समस्या को जल्दी ठीक नहीं किया जाता, तो दिल का वह हिस्सा जिसे पर्याप्त खून नहीं मिल रहा है, उसकी कोशिकाएं नष्ट होना शुरू हो सकती हैं। हार्ट अटैक के लक्षण अचानक दिख सकते हैं। हार्ट अटैक में सीने में तेज दर्द, शरीर के ऊपरी हिस्से के दूसरे हिस्सों में बेचैनी, सांस लेने में तकलीफ, ठंडा पसीना आना, जी मिचलाना या उल्टी जैसा महसूस होता है। कभी-कभी, लक्षण धीरे-धीरे शुरू होते हैं और घंटों या दिनों तक बने रहते हैं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने बताया कि कार्डियक अरेस्ट के उलट, हार्ट अटैक के दौरान दिल आमतौर पर धड़कता रहता है। मदद मिलने में जितनी ज्यादा देर होती है, दिल के लिए उतना ही अधिक खतरा होता है।

योगाभ्यास के कितनी देर बाद नहाना और खाना चाहिए?, जानें आयुष मंत्रालय की सलाह

विश्व केसरी



नई दिल्ली। आजकल खुद को फिट और स्वस्थ रखने के लिए बड़ी संख्या में लोग योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना रहे हैं। सुबह उठकर योग करना न सिर्फ शरीर को सक्रिय रखने में मदद करता है, बल्कि मानसिक तनाव और थकान को कम करने में भी सहायक माना जाता है। अक्सर लोग योगाभ्यास पूरा होते ही अपनी रोजमर्रा की गतिविधियों में लग जाते हैं। ऐसे में आयुष मंत्रालय ने योग के बाद शरीर को आराम देने और नहाने व भोजन के बीच उचित अंतर रखने की सलाह दी है।

आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि योगाभ्यास के बाद शरीर को आराम करने और सामान्य स्थिति में लौटने का समय देना चाहिए। मंत्रालय के अनुसार, योग करने के बाद नहाने या भोजन करने से पहले 20 से 30 मिनट का इंतजार करना बेहतर है। इस दौरान व्यक्ति को कुछ समय शांत रहना चाहिए और शरीर को सहज होने देना चाहिए। इससे योगाभ्यास के बाद दिनचर्या में लौटने के लिए एक अच्छा अंतराल मिल जाता है।

दरअसल, योग के दौरान शरीर की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं और सांस लेने की गति में भी बदलाव आता है। ऐसे में अभ्यास पूरा होने के बाद कुछ समय आराम करना उपयोगी माना जाता है। योग के बाद जल्दबाजी करने के बजाय शांत बैठना, सामान्य तरीके से सांस लेना और शरीर को सहज होने देना चाहिए।

आयुष मंत्रालय ने योगाभ्यास के लिए खानपान से जुड़ी कुछ जरूरी बातें भी साझा की हैं। मंत्रालय के मुताबिक, संतुलित और पौष्टिक भोजन शरीर और मन को योग के लिए तैयार रखने में मदद करता है। आमतौर पर योगाभ्यास करने वालों के लिए शाकाहारी भोजन को प्राथमिकता देने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा 30 वर्ष से अधिक उम्र के स्वस्थ व्यक्ति के लिए दिन में दो बार भोजन पर्याप्त हो सकता है। हालांकि, बीमारी, अधिक शारीरिक गतिविधि या मेहनत वाला काम करने वाले लोगों की जरूरतें अलग हो सकती हैं।

योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर और मन के बीच संतुलन बनाने का एक प्रभावी माध्यम है। विभिन्न शोधों में योग को शारीरिक फिटनेस, मांसपेशियों और हड्डियों के बेहतर कामकाज तथा हृदय संबंधी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी पाया गया है। नियमित योगाभ्यास डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, सांस संबंधी समस्याओं और जीवनशैली से जुड़ी परेशानियों के प्रबंधन में भी मदद कर सकता है।

इसके अलावा योग तनाव, चिंता, थकान और अवसाद के लक्षणों को कम करने में सहायक हो सकता है। महिलाओं में मासिक धर्म और मेनोपॉज से जुड़ी कुछ परेशानियों के प्रबंधन में भी योग लाभकारी माना जाता है।

इन लक्षणों को मामूली समझने की गलती पड़ सकती है भारी, हो सकता है स्ट्रोक का शुरुआती संकेत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अक्सर सिरदर्द, चक्कर आना, हाथ-पैरों में कमजोरी या अचानक संतुलन बिगड़ने जैसी समस्याओं को थकान या कमजोरी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शरीर में अचानक दिखाई देने वाले ये बदलाव संभावित स्ट्रोक यानी ब्रेन अटैक के संकेत भी हो सकते हैं? स्ट्रोक एक गंभीर मेडिकल इमरजेंसी है, जिसमें समय पर इलाज न मिलने पर व्यक्ति की जान तक जा सकती है। इसलिए जरूरी है कि शरीर के इन संकेतों को समझें और लापरवाही करने से बचें। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, हृदय संबंधी बीमारियां दुनियाभर में मौत का सबसे बड़ा कारण हैं। साल 2022 में करीब



1.98 करोड़ लोगों की मौत हृदय संबंधी बीमारियों के कारण हुई, जिनमें लगभग 85 प्रतिशत मौतें हार्ट अटैक और स्ट्रोक की वजह से थीं। स्ट्रोक तब होता है, जब मस्तिष्क के किसी हिस्से में खून की आपूर्ति रुक जाती है या मस्तिष्क की कोई रक्त वाहिका फट जाती है। ऐसी स्थिति में दिमाग की कोशिकाओं को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और वे क्षतिग्रस्त होने लगती हैं।

स्ट्रोक का सबसे आम लक्षण चेहरे, हाथ या पैर में अचानक कमजोरी आना है। खासतौर पर शरीर के एक तरफ कमजोरी महसूस होना खतरे का संकेत हो सकता है। कई बार व्यक्ति का चेहरा एक तरफ झुकने लगता है या मुस्कुराने पर चेहरे के दोनों हिस्से सामान्य तरीके से काम नहीं करते। इसके अलावा अचानक बोलने में परेशानी होना, जुबान लड़खड़ाना या सामने वाले की बात समझने में दिक्कत होना भी स्ट्रोक के लक्षण हो सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति को अचानक एक या दोनों आंखों से धुंधला दिखाई देने लगे, चलने में परेशानी हो या शरीर का संतुलन बिगड़ जाए, तो इसे सामान्य चक्कर या कमजोरी समझकर टालना नहीं चाहिए।

शरीर को नई ऊर्जा देता है अष्टावक्रासन, अभ्यास से मिलता है संतुलन और शक्ति

विश्व केसरी

नई दिल्ली। योग केवल शरीर को लचीला बनाने की क्रिय नहीं है, बल्कि यह मन और आत्मा को संतुलित करने का एक प्राचीन मार्ग है। भारतीय योग परंपरा में अष्टावक्रासन एक ऐसा योगासन है, जो बाजुओं में मजबूती, पेट की मांसपेशियों में कसाव और मानसिक स्थिरता लाने के लिए जाना जाता है।

महर्षि अष्टावक्र के नाम पर रखा गया यह आसन दिखने में भले ही कठिन लगे, लेकिन नियमित अभ्यास से यह शरीर को नई ऊर्जा और संतुलन प्रदान करता है। 'अष्टावक्र ' का शाब्दिक अर्थ है 'आठ वक्रता', जो उनके शरीर में मौजूद आठ विकृतियों से संबंधित है। अगला शब्द ' आसन ' है, जिसका अर्थ है आसन या मुद्रा। इस आसन के नियमित अभ्यास से बांहों, कलाई, कंधों, नितंबों और कोर की मांसपेशियों मजबूत बनती है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, अष्टावक्रासन एक उच्च स्तरीय आर्म-बैलेंसिंग योगासन है। यह आसन महान ऋषि अष्टावक्र को समर्पित है। इस आसन के सही अभ्यास के लिए शारीरिक संतुलन, हाथों की मजबूती और कोर स्टेबिलिटी की आवश्यकता होती है। अष्टावक्रासन या आठ-कोणीय आसन, एक आधुनिक भुजा संतुलन योगासन है। इस आसन में शरीर को भुजाओं पर कुछ सेकंड के लिए भी संतुलित रखने के लिए कोर, पीठ और भुजाओं में अत्यधिक शक्ति की आवश्यकता होती है।

धनुरासन करते समय भूलकर भी न करें ये 5 गलतियां, वरना फायदे की जगह होगा नुकसान

विश्व केसरी

नई दिल्ली। योग में धनुरासन यानी 'बो पोज' को सबसे प्रभावी आसनों में से एक माना जाता है। यह आसन शरीर को धनुष के आकार में मोड़ता है और पूरे शरीर को स्ट्रेच करता है। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के अनुसार यह पाचन सुधारने, पीठ दर्द कम करने और शरीर को मजबूत बनाने में मदद करता है। लेकिन अक्सर लोग इसे गलत तरीके से करते हैं, जिससे फायदे की जगह कंधे, घुटने और पीठ में चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप भी धनुरासन का अभ्यास करते हैं तो इन 5 बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

धनुरासन में सबसे आम गलती यह है कि लोग टखनों को ठीक से पकड़ते ही नहीं हैं। हाथों से टखनों को पकड़ते समय पकड़ ढीली होने से शरीर का बैलेंस बिगड़ जाता है और कंधों पर अनावश्यक खिंचाव आता है। हमेशा ध्यान रखें कि दोनों हाथों से टखनों को अंदर की तरफ से मजबूती से पकड़ें और कंधों को पीछे की ओर खींचकर रखें। कंधे और टखनों के बीच एक सीधा तनाव होना चाहिए, तभी शरीर सही धनुष की आकृति ले पाएगा।

कई लोग धनुरासन करते समय घुटनों को बहुत ज्यादा फैला देते हैं या उन्हें जमीन से ऊपर उठाने के लिए जोर लगाते हैं। इससे घुटने के लिगामेंट पर दबाव पड़ता है और दर्द शुरू हो सकता है। सही तरीका यह है कि घुटनों के बीच हिप्स के बराबर दूरी रखें। बहुत ज्यादा चौड़ा न करें। पैरों को ऊपर उठाते समय जांघों की ताकत का इस्तेमाल करें, सिर्फ घुटनों पर जोर न डालें। जिन लोगों को पहले से घुटने में दर्द है, उन्हें योग एक्सपर्ट की देखरेख में ही इसका अभ्यास करना चाहिए।

धनुरासन सिर्फ पीठ का आसन नहीं है, यह जांघों और कोर मसल्स का भी आसन है। अगर जांघों में सक्रियता नहीं होगी तो पूरा वजन पीठ के निचले हिस्से पर आ जाएगा। इससे कमर दर्द बढ़ सकता है।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist
Mo. 9827189170
9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home



Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.) 9111677722
Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Gariyaband(C.G.) 7509007388
drprajwalsoni@gmail.com

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी
Diwali Special Offer
पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, ट्रॉली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टैंकर, बैटरी स्प्रेयर, स्प्रेयर
निर्माण कार्य | कृषि कार्य | ग्रामीण क्षेत्र | उद्योग एवं प्रोसेसिंग | सिंचाई एवं बागवानी | किसानों हेतु उपयुक्त
निर्माता व विक्रेता :
वीनस मशीनरी
चित्रकांत बघेल (डायरेक्टर)
एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजु में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)
फोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक
एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी
सस्ते दामों में उपलब्ध
पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये
बजाज फाईनेंस की सुविधा उपलब्ध
गोंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS
GST ITR
फाइल बनवाएं मात्र 500/-
25 वर्ष का अनुभव
• CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट
• फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।
संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर
Whatsaap पर बनवाएं 9300755544, 8878655544

Discover the new meaning of pleasure
Noorjaha Prime
DINING ■ BUFFET ■ ROOFTOP ■ LIVE BARBEQUE KITCHEN
City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.
83700 09993
: H.O. :
• Madarsa Road
Baijnathpara, Raipur.
Mobile: 83700 09994
: OUTLETS :
• Marine Drive,
Telibandha, Raipur
Mo: 83570 09997

प्रधानमंत्री मोदी के सेवा संदेश को देशभर में लेकर आगे बढ़ रही सेवा संकल्प यात्रा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सेवा संकल्प यात्रा रविवार को अपने 18वें दिन में प्रवेश कर गई। देशभर में सेवा यात्रियों का उत्साह और संकल्प नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के समर्पित सार्वजनिक जीवन से प्रेरित यह यात्रा 'सेवा' की भावना को जन-आंदोलन का स्वरूप देते हुए सेवा, जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण का संदेश देश के विभिन्न समुदायों तक पहुंचा रही है।

हर बीतते दिन के साथ यात्रा में जनभागीदारी और जनसंपर्क और अधिक मजबूत हो रहा है। आज सेवा संकल्प यात्रा छह राज्यों में 20 मार्गों पर आगे बढ़ रही है- मध्य प्रदेश में 1, राजस्थान में 7, छत्तीसगढ़ में 1, उत्तर प्रदेश में 6, झारखंड में 2 और गुजरात में 3 यात्राएं।



यात्रा में कई प्रमुख जनप्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की, जिनमें मंत्री अन्नपूर्णा देवी, सांसद अशोक रावत, छत्तीसगढ़ के मंत्री रामविचार नेताम, मंत्री रमेश भाई कटारा, सांसद जसवंत सिंह भाभोर और लोकसभा सांसद वीडी शर्मा सहित अन्य प्रमुख जनप्रतिनिधि शामिल रहे। उनकी सहभागिता ने सामूहिक सेवा की भावना को और मजबूत किया तथा सेवा यात्रियों को नई ऊर्जा और उत्साह के साथ अपनी यात्रा जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमंग जोशी ने कहा, 'हमारे सेवा यात्रियों की ऊर्जा हर गुजरते दिन के साथ और बढ़ रही है। इस यात्रा के 18 दिन पूरे होने के बाद भी उनका उत्साह पहले दिन जितना ही मजबूत है, क्योंकि वे केवल किसी मार्ग पर आगे नहीं बढ़ रहे, बल्कि उस सेवा के संकल्प को आगे लेकर चल रहे हैं, जिसने पीएम नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन को परिभाषित किया है। हर पड़ाव पर लोगों की मुस्कान, सहभागिता और स्नेह हमारे युवा सेवा यात्रियों को और अधिक सेवा करने तथा विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा दे रहा है।'

सेवा संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वडनगर से राष्ट्रीय पटल तक की यात्रा को प्रतिबिंबित करती है। वडनगर उन मूल्यों, संघर्षों और प्रारंभिक संस्कारों का प्रतीक है, जिन्होंने उनके जीवन को आकार दिया, जबकि वाराणसी उनके सार्वजनिक जीवन और राष्ट्र सेवा के एक महत्वपूर्ण अध्याय का प्रतिनिधित्व करता है। प्रधानमंत्री मोदी स्वयं इस बात पर जोर देते रहे हैं कि सार्वजनिक जीवन के केंद्र में सेवा की भावना बनी रहनी चाहिए और विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक का योगदान आवश्यक है।

यात्रा के प्रत्येक पड़ाव पर सेवा यात्री अपने संकल्प को सार्थक कार्यों में बदल रहे हैं। स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, गौ सेवा, वरिष्ठ नागरिकों की सेवा, जनसंवाद और समुदाय-केंद्रित गतिविधियों के माध्यम से सेवा को केवल एक संदेश के रूप में नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्यक्ष अनुभव के रूप में स्थापित किया जा रहा है।

'अहिंसा का अर्थ है विचार, वचन और कर्म से हिंसा का अभाव': उपराष्ट्रपति

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में भगवान महावीर स्मारक समिति और जैन महासभा दिल्ली द्वारा आयोजित महापर्व क्षमापना समारोह-2026 को संबोधित किया। उन्होंने इस अवसर को क्षमा, मित्रता, अहिंसा और आंतरिक शुद्धि के सार्वभौमिक मूल्यों का उत्सव बताया।



उपराष्ट्रपति ने कहा कि जिस गहराई के साथ जैन परंपरा ने क्षमा को आध्यात्मिक अनुशासन में बदल दिया है, वह आज भारत और मानवता के लिए बहुत प्रासंगिक है। उन्होंने रेखांकित किया कि क्षमापान केवल एक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि मानव हृदय के परिवर्तन का एक अवसर है।

तमिलनाडु और जैन धर्म के बीच गहरे ऐतिहासिक संबंध पर प्रकाश डालते हुए सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि जैन धर्म ने तमिल साहित्य और संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने शास्त्रीय तमिल साहित्य में जैन विद्वानों और भिक्षुओं के योगदान को याद किया और पूरे तमिलनाडु में प्राचीन जैन मंदिरों और शिक्षा केंद्रों की उपस्थिति का उल्लेख किया।

जैन दर्शन के सार्वभौमिक संदेश पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि सभी जीवित प्राणियों के प्रति मित्रता और किसी के प्रति शत्रुता की शिक्षा 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भारत के सभ्यतागत लोकाचार के साथ प्रतिध्वनित होती है। उन्होंने कहा कि संघर्ष और हिंसा की साक्षी दुनिया में भगवान महावीर की शिक्षाएं शांति, संवाद, सह-अस्तित्व और करुणा का मार्ग प्रशस्त करती हैं। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि विचार, वचन और कर्म में हिंसा का अभाव भी है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर ने मानवता को आंतरिक विजय का मार्ग दिखाया और लोगों को याद दिलाया कि सच्ची ताकत क्रोध, असहिष्णुता और प्रतिशोध पर विजय पाने में निहित है।

क्षमा के बारे में उपराष्ट्रपति ने कहा कि क्षमा का अर्थ अन्याय को स्वीकार करना या सत्य से समझौता करना नहीं है। उन्होंने कहा कि क्षमा का अर्थ है बदले की जगह सुधार, घृणा के बजाय बातचीत और शत्रुता के स्थान पर सुलह को चुनना। उन्होंने कहा कि प्रतिक्रमण की भावना व्यक्तियों और परिवारों को गलतियों को स्वीकार करने और संघर्षों को हल करने में मदद कर सकती है।

विकसित भारत के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि विकास को आर्थिक समृद्धि, आधुनिक बुनियादी ढांचे और तकनीकी प्रगति से आगे बढ़ना चाहिए।

ऑपरेशन क्लीन एयर के तहत सीएक्यूएम का एक्शन, दिल्ली की सड़कों पर मिले 17 उल्लंघन

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली में 'ऑपरेशन क्लीन एयर' के तहत एक विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। यह निरीक्षण रिंग रोड पर दिखाई देने वाली सड़क की धूल की उपस्थिति और सड़क सफाई एवं झाड़ू लगाने के कार्यों की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए किया गया था।



यह निरीक्षण दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए धूल नियंत्रण उपायों के कार्यान्वयन को मजबूत करने और सड़क स्वच्छता में सुधार करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत की गई। इस संबंध में अधिकारियों ने रविवार को जानकारी दी।

3 अक्टूबर को किए गए निरीक्षण अभियान के लिए आयोग द्वारा गठित 4 फ्लाइंग स्क्वाड टीमों को दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सड़कों के निरीक्षण के लिए तैनात किया गया था। इस अभियान के दौरान भीतरी और बाहरी रिंग रोड के लगभग 35 किलोमीटर लंबे कुल 25 सड़क खंडों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान, निरीक्षण किए गए सड़क खंडों पर अत्यधिक धूल और निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) अपशिष्ट के संचय से संबंधित 17 उल्लंघन पाए गए। निरीक्षण के दौरान किए गए अवलोकन संबंधित सड़क स्वामित्व एजेंसियों द्वारा निर्धारित सड़क सफाई, झाड़ू लगाने और धूल नियंत्रण उपायों के सख्त और प्रभावी कार्यान्वयन की आवश्यकता को दर्शाते हैं।

देशवासियों ने परमवीर चक्र विजेता सेखों के पराक्रम व बलिदान को सलाम किया

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के योद्धा व परमवीर चक्र विजेता फ्लाइट लेफ्टिनेंट निर्मलजीत सिंह सेखों की याद में रविवार 4 अक्टूबर को 'सेखों' इंडियन एयर फोर्स मैराथन 2026 आयोजित की गई। अमर शहीद निर्मलजीत सिंह सेखों की याद में देश भर के अलग-अलग शहरों में एयर फोर्स मैराथन हुई। नई दिल्ली में स्वयं वायुसेना प्रमुख एपी सिंह इस मैराथन का हिस्सा बने।



इस अवसर पर वायुसेना ने निर्मलजीत सिंह सेखों को अपना आदर्श बताया। निर्मलजीत सिंह सेखों की याद में रविवार 4 अक्टूबर को देशभर के विभिन्न शहरों में एक साथ मैराथन हुई। इसमें चंडीगढ़, राजस्थान व पूर्वोत्तर राज्य शामिल रहे। पूर्वोत्तर के मैदानों से लेकर पश्चिम के रेगिस्तानों तक हर जगह देशवासियों ने भारतीय वायुसेना के पराक्रम और शौर्य को सलाम किया। नई दिल्ली में एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में सेखों इंडियन एयर फोर्स मैराथन के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया।

गौरतलब है कि सेंखो वायुसेना के एकमात्र परमवीर चक्र विजेता हैं। उनकी याद में 21, 10 व 5 किलोमीटर की मैराथन कैटेगरी आयोजित की गईं। निर्मलजीत सिंह सेखों वह परम वीर थे जिन्होंने 1971 के युद्ध में अपने लड़ाकू विमान से पाकिस्तान के आधा दर्जन फाइटर जेटस का वीरतापूर्वक मुकाबला किया था। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के लड़ाकू विमान को मार गिराया था। युद्ध में लड़ते हुए देश के लिए उन्होंने अपने प्राण न्योछावर तक कर दिए और सर्वोच्च बलिदान दिया था।

केंद्र की पेंशन अदालत आज, 897 शिकायतों के निवारण के लिए सुनवाई करेगी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित होने वाली 17वीं पेंशन अदालत में वरिष्ठतम पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों की 897 लंबित शिकायतों के निवारण के लिए सुनवाई की जाएगी।



24 मंत्रालयों और विभागों से संबंधित और सीपीएनजीआरएएमएस पोर्टल पर दर्ज की गई वरिष्ठतम पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों की ये शिकायतें यहां आईआईपीए स्थित टीएन चतुर्वेदी मेमोरियल हॉल में आयोजित पेंशन अदालत में निवारण के लिए सूचीबद्ध की गई हैं।

बयान में कहा गया है कि देश भर से वरिष्ठतम पेंशनभोगी, पारिवारिक पेंशनभोगी और उनके रिश्तेदार हाइब्रिड मोड के माध्यम से कार्यवाही में भाग लेंगे, क्योंकि शिकायतकर्ताओं को पेंशन अदालत में शारीरिक रूप से या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल होने का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

बयान में कहा कि कार्यवाही के दौरान, मंत्री जितेंद्र सिंह 13 मई को आयोजित 16वीं पेंशन अदालत की सफलताओं को उजागर करने वाले पर्चे भी जारी करेंगे। इसके अलावा, पारिवारिक पेंशनभोगियों से संबंधित मुद्दों पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) वाली एक पुस्तिका भी जारी की जाएगी।

पेंशन अदालत केंद्रीय सरकारी पेंशनभोगियों की शिकायतों के तत्काल निवारण के लिए पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग द्वारा शुरू की गई एक अभिनव पहल है।

पुण्यतिथि विशेष: 'चित्रलेखा' से अमर हुए भगवतीचरण वर्मा, वकालत छोड़ी और बन गए हिंदी के कालजयी उपन्यासकार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। 5 अक्टूबर 1981 को हिंदी साहित्य ने अपने सबसे बड़े कथाकारों में से एक को खो दिया था। भगवतीचरण वर्मा की पुण्यतिथि पर उनके जीवन और साहित्य को याद करना आज भी प्रासंगिक है क्योंकि उन्होंने प्रेमचंद के बाद के उपन्यास को एक नई दिशा दी।



भगवतीचरण वर्मा का जन्म 30 अगस्त 1903 को उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के शफीपुर (सफीपुर) कस्बे में हुआ था। वे एक बिखरते हुए जमींदार परिवार से थे। पिता देवीचरण वर्मा पेशे से वकील थे लेकिन 1908 में प्लेग महामारी में उनके निधन के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई। इसका सीधा असर उनकी पढ़ाई पर पड़ा।

साहित्य से उनका नाता बचपन से ही जुड़ गया। वे स्कूल की हस्तलिखित पत्रिका के नियमित लेखक बन गए और 'प्रताप' व 'शारदा' जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में छपने लगे। महज 15 साल की उम्र में उन्हें कानपुर के साहित्यिक गुट में जगह मिल गई, जहां विश्वंभरनाथ शर्मा 'कौशिक', बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' जैसे दिग्गजों से उनका संपर्क हुआ। साहित्य में इतने डूबे कि हाईस्कूल और इंटर दोनों दूसरे प्रयास में पास कर सके। बाद में इलाहाबाद जाकर उन्होंने 1926 में हिंदी, अंग्रेजी और इतिहास से स्नातक और फिर एलएलबी की।

1928 में वकालत शुरू की पर मन नहीं लगा। हमीरपुर में वकालत के दौरान भद्री के राजा बजरंग बहादुर सिंह के संपर्क में आए। यहीं उन्होंने अपने सबसे प्रसिद्ध उपन्यास 'चित्रलेखा' पर काम शुरू किया। 'चित्रलेखा' के प्रकाशन और उसकी अपार सफलता ने उनकी किस्मत बदल दी। पाप-पुण्य की दार्शनिक व्याख्या करता यह उपन्यास आज भी हिंदी के सर्वश्रेष्ठ उपन्यासों में गिना जाता है।

कोलकाता में मनाया जाएगा 19वां प्रवासी भारतीय दिवस, प्रधानमंत्री मोदी करेंगे उद्घाटन

विश्व केसरी■

नई दिल्ली/कोलकाता। महात्मा गांधी की याद में मनाया जाने वाला प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन का 19वां सत्र इस बार 7 से 9 जनवरी 2027 तक पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन का आयोजन विदेश मंत्रालय (एमईए) और पश्चिम बंगाल सरकार मिलकर करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे।

अधिकारियों के मुताबिक, सम्मेलन में युवा प्रवासी भारतीय दिवस का एक खास सेगमेंट भी होगा। इस कार्यक्रम में दुनिया भर से भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य, युवा प्रवासी नेता, कारोबारी, प्रोफेशनल्स, शिक्षाविद, इनोवेटर्स और दूसरे लोग शामिल होंगे।



महात्मा गांधी 9 जनवरी 1915 को दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे। उनकी याद में प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारतीय प्रवासी समुदाय से जुड़ने वाले इस बड़े कार्यक्रम का 19वां संस्करण पिछले आयोजनों की सफलता को आगे बढ़ाएगा। इसका मकसद विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के भारत के साथ रिश्तों को और मजबूत करना और भारत तथा दुनिया के लिए उनके योगदान को सम्मान देना है।

विदेश मंत्रालय ने कहा, 'सम्मेलन के रजिस्ट्रेशन और कार्यक्रम समेत दूसरी जानकारियां जल्द साझा की जाएंगी। किसी भी जरूरी जानकारी के लिए स्थानीय भारतीय दूतावास या वाणिज्य दूतावास से संपर्क किया जा सकता है।'

प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की शुरुआत पहली बार 2003 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान हुई थी। इसे विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय से जुड़ने, उनके योगदान को पहचान देने और भारत के साथ उनके रिश्तों को मजबूत करने के लिए शुरू किया गया था। 2015 से विदेश मंत्रालय ने इस कार्यक्रम के फॉर्मेट में बदलाव किया। इसके बाद प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का आयोजन हर दो साल में किया जाने लगा, जबकि बीच के वर्षों में अलग-अलग विषयों पर सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं।

दिल्ली के कालिंदी कुंज में वीडियो को लेकर ननद-भाभी में झगड़ा, कूदने के दौरान दोनों घायल

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली के कालिंदी कुंज इलाके में एक वीडियो को लेकर हुई बहस के बाद एक महिला कथित तौर पर बालकनी से कूद गई जबकि उसकी ननद घर के शाफ्ट में कूद गई।

पुलिस ने बताया कि यह घटना जैतपुर एक्सटेंशन पार्ट-II, खड्डा कॉलोनी के 'डी' ब्लॉक में हुई। इसके बाद कालिंदी कुंज पुलिस स्टेशन को एक पीसीआर कॉल मिली कि एक महिला ने खुद को कमरे में बंद कर लिया है।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को हुई, जब रुबिया और फातिमा (नाम बदले गए हैं) के बीच बहस हो गई। बहस तब शुरू हुई जब उनमें से एक ने दूसरी का वीडियो बनाया और उसे किसी और को भेज दिया।



जब कालिंदी कुंज पुलिस स्टेशन की टीम और दिल्ली फायर सर्विस के कर्मचारी मौके पर पहुंचे, तो पता चला कि 25 साल की रुबीना नामक महिला पहली मंजिल से सड़क की तरफ कूद गई थी और उसे चोटें आई थीं।

उसे पहले स्थानीय अस्पताल 'फेलिज' ले जाया गया और बाद में आगे के इलाज के लिए पीसीआर गाड़ी से एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा गया।

पुलिस ने बताया कि दूसरी महिला, 24 साल की फातिमा ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और फिर घर के शाफ्ट (खुले हिस्से) में कूद गई।

अधिकारियों ने कमरा खोला और उसे शाफ्ट के अंदर पाकर बचाव अभियान शुरू किया।

पुलिस ने बताया कि स्टेशन ऑफिसर राकेश सिंह की अगुवाई में फायर सर्विस के कर्मचारियों ने उपलब्ध उपकरणों का इस्तेमाल किया और पुलिस टीम के साथ मिलकर फातिमा को उस 'मुश्किल जगह' से बाहर निकाला। इसके बाद उसे पीसीआर गाड़ी 'काइट-22' से एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा गया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415